- प्रदूषण के कारण डिजिटल सुनवाई पर करें विचार सीजेआई सूर्यकांत ने सुनवाई के दौरान की टिप्पणी- 12

- आरबीआई की डिप्टी गवर्नर पूनम गुप्ता ने कहा-मुद्रास्फीति के अनुमान में पूर्वाग्रह नहीं- 12

- आतंकवाद किसी एक देश के लिए नहीं, पूरी मानव जाति के लिए अभिशाप - 13

- भारत की सबसे बड़ी हार दक्षिण अफ्रीका ने 25 साल बाद फिर किया क्लीन स्वीप- 14

6th वार्षिकोत्सव विशेषांक

मेरा शहर-मेरी प्रेरणा

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

हल्द्वानी

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर ■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष सप्तमी 12:30 उपरांत अष्टमी विक्रम संवत 2082

गुरुवार, 27 नवंबर 2025, वर्ष 5, अंक 277, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

जर्जर पोल ने ली राष्ट्रीय खिलाड़ी की जान

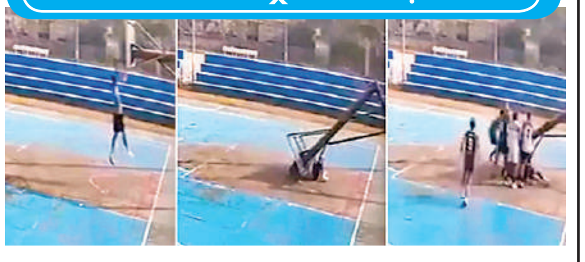

रोहतक के लखनमाजरा स्थित सरकारी स्टेडियम में राष्ट्रीय स्तर के बास्केटबॉल खिलाड़ी 16 वर्षीय हार्दिक राठी की उस समय मौत हो गई जब अभ्यास के दौरान उनकी छाती पर बॉस्केटबॉल हूप का लोहे का भारी खंभा गिर गया। सीसीटीवी की फुटेज में दिखा कि हार्दिक हूप तक पहुंचने की कोशिश कर रहे हैं, हूप से लटकने के दौरान उनके ऊपर खंभा गिर गया। हार्दिक के पिता ने कहा, खंभे की जर्जर हालत के बारे में अधिकारियों को कई बार बताया था लेकिन उन्होंने कोई ध्यान नहीं दिया।

भारत को मिली मेजबानी, अहमदाबाद में होंगे राष्ट्रमंडल खेल- 2030

ग्लासगो में हुई राष्ट्रमंडल खेलों की आमसभा की बैठक में लगी मुहर, नाइजीरिया का दावा खारिज

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत बीस साल बाद राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी करेगा। बुधवार को ग्लास्गो में राष्ट्रमंडल खेलों की आमसभा की बैठक में अहमदाबाद को मेजबान के तौर पर औपचारिक मंजूरी मिल गई। पिछले महीने 'कॉमनवेल्थ स्पोर्ट (राष्ट्रमंडल खेल)' के कार्यकारी बोर्ड की ओर से शताब्दी चरण के प्रस्तावित मेजबान के रूप में अहमदाबाद की सिफारिश के बाद 74 सदस्यों की जनरल असेंबली के लिए भारत की बोली पर मुहर लगाना सिर्फ एक औपचारिकता रह गई थी। इससे पहले भारत ने 2010 में दिल्ली में इन खेलों की मेजबानी की थी।

राष्ट्रमंडल खेल बोर्ड ने मूल्यांकन समिति की देखरेख में एक प्रक्रिया पूरी करने के बाद भारत को मेजबानी देने की की सिफारिश की थी। राष्ट्रमंडल खेल 2030 की मेजबानी के लिए भारत को नाइजीरिया के शहर अबुजा से कड़ी टक्कर मिल रही थी, लेकिन कॉमनवेल्थ स्पोर्ट ने अफ्रीका के इस शहर के 2034 के खेलों की मेजबानी के लिए नाम पर विचार करने का फैसला किया।

सौ साल भी पूरे करेंगे राष्ट्रमंडल खेल

राष्ट्रमंडल खेल 2030 में अपने सौ साल भी पूरे कर रहे हैं लिहाजा यह सत्र विशेष रहने वाला है। भारत के लिए राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी हासिल करना इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि देश 2036 में होने वाले ओलंपिक खेलों की मेजबानी हासिल करने की दौड़ में भी है और अहमदाबाद को ही मेजबान शहर के रूप में पेश किया गया है। भारत ने इससे पहले 2010 में दिल्ली में राष्ट्रमंडल खेलों का आयोजन किया था लेकिन 2030 में इन खेलों को अहमदाबाद में आयोजित किया जाएगा जहां पिछले एक दशक में खेल ढांचा नए स्तर तक पहुंचा है। इसने मेजबानी के दावेदार शहरों का तकनीकी वितरण, खिलाड़ियों के अनुभव, बुनियादी ढांचे, प्रशासन और राष्ट्रमंडल खेल मूल्यों के साथ अनुकूलता के आधार पर मूल्यांकन किया था।

... इसलिए मजबूत पड़ा अहमदाबाद का दावा

अहमदाबाद ने हाल ही में राष्ट्रमंडल भारोत्तोलन, एशियाई एक्वेटिक्स चैंपियनशिप और फुटबॉल के एएफसी अंडर-17 एशियाई कप 2026 क्वालीफायर की मेजबानी की है। यहां अगले साल एशियाई भारोत्तोलन चैंपियनशिप और एशिया पैरा-तीरंदाजी कप होगा। इसके अलावा 2029 में विश्व पुलिस और अग्निशमन खेल अहमदाबाद, गांधीनगर और एकता नगर में होंगे। सरदार वल्लभभाई पटेल खेल परिसर को इन खेलों के लिए तैयार किया जा रहा है। इनमें नरेन्द्र मोदी क्रिकेट स्टेडियम भी शामिल है। इसी परिसर में एक जलक्रीड़ा केंद्र और एक फुटबॉल स्टेडियम के साथ इनडोर खेलों के लिए दो मैदान बनेंगे।

यह राष्ट्रमंडल खेलों के लिए नए सुनहरे दौर की शुरुआत है। भारत में व्यापकता, युवा शक्ति, महत्वाकांक्षा, समृद्ध संस्कृति और अपार खेल जुनून है। हम राष्ट्रमंडल खेलों के अगले सौ वर्षों की शुरुआत मजबूत स्थिति में कर रहे हैं। **- डॉ. डोनाल्ड रुकारे,** कॉमनवेल्थ स्पोर्ट के अध्यक्ष

कॉमनवेल्थ स्पोर्ट ने जो भरोसा दिखाया है, उससे हम बहुत सम्मानित महसूस कर रहे हैं। 2030 खेलों से हम सिर्फ कॉमनवेल्थ मूवमेंट के 100 साल पूरे होने का जश्न ही नहीं मनाएंगे, बल्कि अगली सदी की नींव भी रखेंगे। **- पीटी उषा,** भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष

ब्रीफ न्यूज

आईएफएफआई के समापन समारोह में शोले का प्रदर्शन रद्द

पणजी। दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र के निधन के बाद 56वां अंतरराष्ट्रीय भारतीय फिल्म महोत्सव (आईएफएफआई) इस सप्ताहांत अपने समापन समारोह में उन्हें एक विशेष श्रद्धांजलि अर्पित करेगा। आईएफएफआई में 26 नवंबर को शोले का 4 के 'रीस्टोर्ड' (उन्नत) संस्करण का प्रदर्शन किया जाना था लेकिन आयोजकों ने तकनीकी कारणों का हवाला देते हुए इसे भी रद्द कर दिया है। एक अधिकारी ने बताया, सोमवार को धरमजी के निधन की दुखद खबर मिलने के बाद सम्मान स्वरूप फिल्म बाजार के समापन समारोह में एक मिनट का मौन रखा गया।

गुजरात: शेरनी के हमले से दो साल की बच्ची की मौत

गिर सोमनाथ। गुजरात के गिर सोमनाथ जिले के गिर गढडा तालुका में बुधवार सुबह एक शेरनी के हमले से दो साल की बच्ची की मौत हो गई। वन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि बाद में लड़की का शव बरामद कर लिया गया, जिसे शेरनी ने आधा खा लिया था। वहीं शेरनी को भी पकड़ लिया गया। यह जिला गिर राष्ट्रीय उद्यान का घर है, जो एशियाई शेरों का एकमात्र निवास स्थान है। रेंज वन अधिकारी बी. बी. वाला ने बताया कि उन्होंने बताया कि बच्ची सुबह करीब 10 बजे अपनी मां के साथ बरामदे में खेल रही थी, तभी अचानक जंगल से एक शेरनी निकली और बच्ची को उठाकर करीब एक किलोमीटर जंगल में ले गई।

दिल्ली: स्कूल बंद करने की याचिका पर शिक्षा सचिव तलब

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने राष्ट्रीय राजधानी में वायु गुणवत्ता की बिगड़ती स्थिति के मद्देनजर स्कूलों को बंद करने के अनुरोध वाली याचिका पर बुधवार को दिल्ली सरकार के शिक्षा निदेशालय के सचिव को व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने का निर्देश दिया। सीजेआई सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ इस मुद्दे पर वजीरपुर जेजे कॉलोनी एसोसिएशन द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई कर रही थी और शिक्षा विभाग तथा केंद्र सहित अन्य प्रतिवादियों द्वारा जवाब दाखिल न करने पर नाराज थी।

वन्यजीवों के हमले में जनहानि पर अब 10 लाख रुपये का मुआवजा

महिलाओं को रात की पाली में काम करने की दी गई सशर्त अनुमति

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचारः मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की अध्यक्षता में बुधवार को सचिवालय में हुई कैबिनेट बैठक में जनहित से जुड़े आठ महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। इनमें एक अहम निर्णय के तहत मानव-वन्य जीव संघर्ष में जनहानि पर अब दस लाख रुपये का मुआवजा मिलेगा, अभी तक ऐसे मामलों में छह लाख रुपये की राशि दी जाती थी।

दूसरे निर्णय में राज्य में स्थित दुकानों एवं प्रतिष्ठानों में महिला कर्मकारों को रात्रि पाली (रात्रि 9:00 बजे से प्रातः 6:00 बजे तक) कार्य करने की सशर्त छूट प्रदान की गई है, जिसमें महिला कर्मकारों की सुरक्षा का पर्याप्त प्रावधान किया गया है। इस प्रावधान से महिला कर्मकारों को कार्य करने के अधिक अवसर प्राप्त होंगे तथा महिला कर्मकारों का आर्थिक सशक्तीकरण होगा। रात्रि पाली में महिला कर्मकारों को कार्य में तभी लिया जा सकता है जब उनके द्वारा इस संबंध में पूर्व में ही लिखित सहमति प्राप्त कर ली जाएगी। इससे महिला कर्मकारों को पुरुष कर्मकारों के समान कार्य करने के अवसर प्राप्त होंगे तथा लैंगिक समानता की व्यवस्था भी प्रभावी होगी। कैबिनेट ने अभियोजन संवर्ग के ढांचे के पुनर्गठन का फैसला लिया है। इसमें 142 पद के सापेक्ष सहायक अभियोजन अधिकारी के 91 पद सृजित हैं। न्यायालयों में वादों के संबंध में प्रभावी पैरवी के लिए अभियोजन संवर्ग ढांचे को पुनर्गठित करते हुए प्रथम चरण में देहरादून, हरिद्वार, ऊधमसिंह नगर एवं नैनीताल में सहायक अभियोजन अधिकारी के 46 अतिरिक्त पद सृजित करने के प्रस्ताव पर अनुमोदन दिया गया।

उत्तराखंड दुकान और स्थापन (रोजगार विनियमन और सेवा-शर्त) (संशोधन) अध्यादेश, 2025 के माध्यम से उत्तराखंड दुकान और स्थापन (रोजगार विनियमन और सेवा-शर्त) अधिनियम, 2017 की धारा 1(2), 8, 9 एवं धारा 19 में संशोधन करने का भी निर्णय लिया गया। इससे छोटे प्रतिष्ठानों पर अतिरिक्त बोझ नहीं पड़ेगा और उनकी आर्थिक गतिविधि सुचारू रूप से चलती रहेगी जबकि बड़े प्रतिष्ठानों में काम करने वाले कर्मकारों को सभी लाभ प्राप्त होंगे। इससे निवेश को प्रोत्साहन मिलेगा, दुकानों एवं स्थापनों में काम करने के समय में लचीलापन आएगा, प्रशासनिक बोझ कम होगा। दुकानों एवं स्थापनों की कार्यक्षमता बढ़ेगी एवं कर्मकारों को ज्यादा काम का अवसर मिलेगा, जिसके परिणामस्वरूप उनकी आर्थिकी में सुधार होगा।

धामी कैबिनेट ने लिए कई और अहम फैसले

कैबिनेट ने देहरादून शहर में प्रस्तावित मेट्रो नियो परियोजना के संबंध में निर्णय लिया है। इसके संदर्भ में उत्तराखंड मेट्रो रेल एवं शहरी अवस्थापना एवं भवन निर्माण निगम की सम्पन्न 34वीं बोर्ड बैठक के एजेंडा बिन्दु संख्या 34/3 में पारित प्रस्ताव के अनुक्रम में देहरादून शहर में प्रस्तावित मेट्रो नियो परियोजना के प्रस्ताव पर आवासन एवं शहरी विकास मामलों के मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा दिए गए सुझाव से कैबिनेट को अवगत कराया गया। कैबिनेट ने उत्तराखंड जैव विविधता बोर्ड की वित्तीय वर्ष 2024-25 के क्रियाकलापों के संपूर्ण लेखे-जोखे तथा उत्तराखंड जल विद्युत निगम लिमिटेड के वर्ष 2022-23 के वार्षिक वित्तीय प्रतिवेदन को विधानसभा पटल पर पेश करने की स्वीकृति दी और आवास विभाग के अनुभाग-2 में प्राधिकरण क्षेत्रान्तर्गत, मानचित्र स्वीकृति की अनिवार्यता करने के संबंध में पुन: परीक्षण का निर्णय लिया। कैबिनेट ने उत्तराखंड राज्य निर्माण आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले वरिष्ठ आंदोलनकारी एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री दिवाकर भट्ट के निधन पर 2 मिनट का मौन रखकर उनको श्रद्धांजलि दी और राज्य निर्माण और विकास में उनके योगदान को याद किया।

संवैधानिक कर्तव्य निभाएं नागरिक क्योंकि ये मजबूत लोकतंत्र की नींव

संविधान दिवस पर मोदी ने महात्मा गांधी के विचारों को याद

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को नागरिकों से अपने संवैधानिक कर्तव्यों को निभाने का आग्रह करते हुए कहा कि ये मजबूत लोकतंत्र की नींव हैं। संविधान दिवस पर नागरिकों को संबोधित पत्र में प्रधानमंत्री ने मताधिकार का प्रयोग करके लोकतंत्र को मजबूत करने की जिम्मेदारी पर भी जोर दिया और सुझाव दिया कि स्कूल-कॉलेज 18 वर्ष की आयु पूरी करके पहली बार मतदाता बनने वालों का सम्मान करते हुए संविधान दिवस मनाएं। प्रधानमंत्री ने महात्मा गांधी के इस विचार को याद किया कि अधिकार कर्तव्यों के निर्वहन से ही प्राप्त होते हैं।

प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि कर्तव्यों का निर्वहन सामाजिक और आर्थिक प्रगति का आधार है। उन्होंने संविधान का मसौदा तैयार करने में राजेंद्र प्रसाद, बीआर आंबेडकर और अन्य लोगों के योगदान को याद करने के साथ स्वतंत्रता संग्राम में वल्लभभाई पटेल, बिरसा मुंडा और महात्मा गांधी के नेतृत्व को श्रद्धांजलि दी। मोदी ने कहा, ये सभी व्यक्तित्व और उपलब्धियां हमें अपने कर्तव्यों की प्रधानता की याद दिलाती हैं, जिस पर संविधान के अनुच्छेद 51ए में मौलिक कर्तव्यों पर एक विशिष्ट अध्याय के माध्यम से भी बल दिया गया है। ये कर्तव्य हमें सामूहिक रूप से सामाजिक और आर्थिक प्रगति का मार्गदर्शन देते हैं।

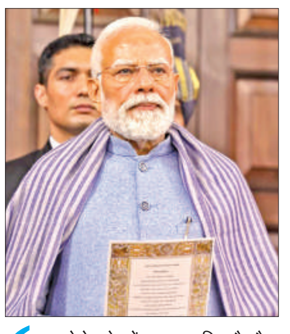

हमारे देश ने हमें बहुत कुछ दिया है और इससे हमारे भीतर कृतज्ञता की एक गहरी भावना जागृत होती है, और जब हम इस भावना के साथ जीते हैं, तो अपने कर्तव्यों को पूरा करना हमारे स्वभाव का अभिन्न अंग बन जाता है। अपने कर्तव्यों का पालन करने के लिए प्रत्येक कार्य में अपनी पूरी क्षमता और समर्पण लगाना अनिवार्य हो जाता है। **- प्रधानमंत्री मोदी**

संविधान भारत के गौरव का आधार

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को कहा कि संविधान देश की पहचान का आधार है और साथ ही औपनिवेशिक मानसिकता को त्यागने तथा राष्ट्रवादी सोच को अपनाने के लिए मार्गदर्शक दस्तावेज भी है। उन्होंने 'संविधान सदन' (पुराना संसद भवन) के केंद्रीय कक्ष में आयोजित संविधान दिवस समारोह को संबोधित करते हुए यह भी कहा कि भारत दुनिया के लिए विकास का एक नया मॉडल पेश कर रहा है और लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं।

बड़ी आतंकी साजिश नाकाम, मोहाली में लॉरेंस विश्नोई गैंग के चार गुर्गे गिरफ्तार

- अंबाला हाईवे पर हुई मुठभेड़ में दो को लगी गोली, सात पिस्टल व 70 कारतूस बरामद

मोहाली, एजेंसी

पंजाब एंटी-गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ) ने एसएएस नगर (मोहाली) पुलिस के साथ एक संयुक्त अभियान में डेरा बस्सी-अंबाला राजमार्ग पर स्टील स्ट्रिप्स टावर्स के पास बुधवार दोपहर गोलीबारी के बाद लॉरेंस बिश्नोई गिरोह के विदेशी गैंगस्टर गोल्डी ढिल्लों के चार गुर्गों की गिरफ्तारी के साथ एक बड़ी आतंकवादी साजिश को नाकाम कर दिया है। मुठभेड़ में इनमें से दो को गोली भी लगी है। इनसे .32 कैलिबर की सात पिस्टल और 70 कारतूस बरामद किए गए हैं।

पंजाब के डीजीबी गौरव यादव के मुताबिक गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान राजपुरा, पटियाला के ढकनसू कलां निवासी हरविंदर सिंह उर्फ भोला उर्फ हनी और लखविंदर सिंह तथा राजपुरा, पटियाला निवासी मोहम्मद समीर और रोहित शर्मा के रूप में हुई है। प्रारंभिक जांच से पता चला है कि ये लोग अपने विदेशी आकाओं के निर्देश पर काम कर रहे थे और ट्राइसिटी एवं पटियाला क्षेत्र में लक्षित हमलों की योजना बना रहे थे। उन्होंने कहा कि इस मामले में आगे और पीछे के संबंधों का पता लगाने के लिए आगे की जांच जारी है। आतंकवादियों की सूचना पर पुलिस ने कार्रवाई कर घेराबंदी की थी।

दो करोड़ से ज्यादा आधार नंबरों को निष्क्रिय किया गया

नई दिल्ली। भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) ने आधार के डेटाबेस को निरंतर सटीक बनाए रखने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत मृत व्यक्तियों के दो करोड़ से अधिक आधार नंबरों को निष्क्रिय कर दिया है।

आधिकारिक सूचना के अनुसार यूआईडीएआई ने भारत के महापंजीयक (आरजीआई), राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों, सार्वजनिक वितरण प्रणाली, राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम आदि से मृतक व्यक्तियों का डेटा प्राप्त करने के बाद यह कार्रवाई की है। यूआईडीएआई मृतक व्यक्तियों का डेटा प्राप्त करने के लिए वित्तीय संस्थानों और अन्य संस्थाओं के साथ सहयोग करने पर भी विचार कर रहा है। नियमों के अनुसार किसी भी व्यक्ति को आधार संख्या कभी दोबारा आवंटित नहीं की जाती है।

दिल्ली में मामूली सुधार होते ही हटा ग्रैप- 3 दफ्तरों में 50% स्टाफ की बाध्यता खत्म

- राष्ट्रीय राजधानी की वायु गुणवत्ता की हालत अब भी बेहद खराब

नई दिल्ली, एजेंसी

वायु गुणवत्ता में मामूली सुधार होते ही वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने बुधवार को दिल्ली-एनसीआर में लागू किए गए चरणबद्ध प्रतिक्रिया कार्ययोजना (ग्रैप)-3 के तहत लागू सभी प्रतिबंध हटा दिए। इसी के साथ दिल्ली में दो दिन पहले लागू की गई सरकारी और निजी कार्यालयों में 50 प्रतिशत कर्मचारियों के साथ काम करने समेत सभी पाबंदियां भी खत्म हो गई हैं।

दिल्ली का 24 घंटे का औसत एक्यूआई बुधवार को 327 रहा और भारत मौसम विभाग तथा भारतीय उष्णकटिबंधीय मौसम विज्ञान संस्थान के पूर्वानुमान के अनुसार हवा की गुणवत्ता अब भी 'बहुत खराब' श्रेणी में बनी रहने की आशंका है। इसके बावजूद सीएक्यूएम ने कहा कि 21 नवंबर को अधिसूचित संशोधित ग्रैप के चरण-1 और चरण-2 के तहत लागू प्रतिबंध एनसीआर में जारी रहेंगे और उनका कड़ाई से पालन कराया जाएगा ताकि प्रदूषण का स्तर दोबारा न बढ़ सके। सीएक्यूएम के आदेश में कहा गया है कि ग्रैप पर उप-समिति ने वायु गुणवत्ता की स्थिति की समीक्षा की और इसमें सुधार देखा। इसके बाद 11 नवंबर के आदेश वापस लिए गए, जिसके तहत चरण-3 के प्रतिबंध लागू किए गए थे। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा कि ग्रैप-3 की पाबंदियां हटा दी गई हैं और ग्रैप-2 लागू किया गया है।

हरिद्वार में सरकारी अस्पताल की जमीन पर बनी अवैध मजार पर चला बुलडोजर

- प्रशासन के अधिकारियों और भारी पुलिस बल की मौजूदगी में कार्रवाई

संवाददाता, हरिद्वार

अमृत विचार : पिरान कलियर क्षेत्र में कस्बा कलियर में चारमिनार होटल के पास सरकारी सीलिंग भूमि पर बनी अवैध मजार को बुधवार को बुलडोजर से ध्वस्त कर दिया गया। इस दौरान, शासन-प्रशासन के अधिकारियों सहित भारी संख्या में पुलिस बल मौजूद रहा।

हरिद्वार जिला प्रशासन के अनुसार, यह अवैध निर्माण कलियर में सरकारी अस्पताल के लिए आवंटित जमीन पर किया गया था। प्रशासन ने दो सप्ताह पूर्व नोटिस जारी किया था, मगर कब्जाधारकों ने कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किया। डीएम मयूर दीक्षित ने बताया कि यह अवैध निर्माण कई बीघा क्षेत्र में कब्जा में किया था। प्राथमिक जांच और कानूनी प्रक्रिया के बाद कार्रवाई को अंतिम रूप दिया गया। मौके पर भारी पुलिस बल की तैनाती के बीच प्रशासनिक टीम ने अवैध मकबरा को गिराकर कब्जाधरियों से जमीन को मुक्त कराया। खाली कराई गई सरकारी भूमि का जनहित की परियोजनाओं में उपयोग किया जाएगा।

अब तक 576 अवैध संरचनाएं ध्वस्त

धामी सरकार पूरे प्रदेश में अवैध मजारों, कब्रों और विवादित अतिक्रमणों के खिलाफ अभियान चला रही है। अब तक 576 अवैध संरचनाएं ध्वस्त की जा चुकी हैं। सीएम धामी कई बार कह चुके हैं कि राज्य के धार्मिक-सांस्कृतिक स्वरूप से छेड़छाड़ करने वालों पर सख्ती जारी रहेगी। सरकार का लैंड जिहाद और श्राइन जिहाद के रूप में चिह्नित अतिक्रमणों पर भी कड़ा रुख है, उसने अभियान जारी रखने की बात कही है।

फैसला | हाईकोर्ट ने प्रस्ताव पर रोक लगाई, बार काउंसिल से मांगा चार सप्ताह में जवाब

गौलापार में बार काउंसिल की भूमि बेचने के प्रस्ताव को चुनौती

विधि संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचारः हाईकोर्ट को हल्द्वानी गौलापार में शिफ्ट करने की चर्चाओं के दौरान बार कांउसिल ऑफ उत्तराखंड की ओर से अपने कार्यालय के लिए गौलापार में खरीदी गई दो हजार वर्ग फुट भूमि को एक प्रस्ताव पास कर अब उसे बेचे जाने के प्रस्ताव को चुनौती देने वाली याचिका पर उत्तराखंड हाईकोर्ट ने सुनवाई की।

सुनवाई के बाद वरिष्ठ न्यायमूर्ति मनोज कुमार तिवारी की एकलपीठ ने उस प्रस्ताव पर रोक लगाते हुए बार काउंसिल ऑफ उत्तराखंड से चार सप्ताह में अपना जवाब पेश करने को कहा है। साथ ही प्रति शपथपत्र देने के आदेश याचिकाकर्ताओं को दिया है। मामले के अनुसार, अधिवक्ता उज्ज्वल सुनाल व पृथ्वी लमगड़िया ने हाईकोर्ट में याचिका दायर कर कहा कि जब हाईकोर्ट को गौलापार, हल्द्वानी में शिफ्ट करने की चर्चाएं चल रही थी और हाईकोर्ट ने भी आदेश दे दिया था और इसके साथ केंद्र, राज्य सरकार व न्याय विभाग ने भी सहमति दे दी थी कि हाईकोर्ट को गौलापार में शिफ्ट किया जाए। इसको देखते हुए बार काउंसिल ऑफ उत्तराखंड ने भी अपने कार्यालय को शिफ्ट करने के लिए गौलापार में 2 हजार वर्ग फुट भूमि खरीदी, जिसका शिलान्यास मुख्यमंत्री ने किया और इसे बनाने के लिए एक करोड़ रुपये स्वीकृत भी कर दिए गए लेकिन हाईकोर्ट के आदेश को हाईकोर्ट बार एसोसिएशन की ओर से सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई और शीर्ष कोर्ट ने हाईकोर्ट के आदेश पर रोक लगा दी।

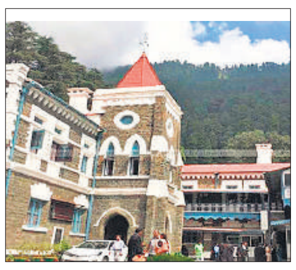

साल भर पहले बार काउंसिल ऑफ उत्तराखंड ने पारित किया था प्रस्ताव

याचिका के अनुसार, 26 अगस्त 2024 को बार काउंसिल ऑफ उत्तराखंड ने एक प्रस्ताव पास कर यह निर्णय लिया कि अब इस भूमि की उन्हें आवश्यकता नहीं है क्योंकि अब हाईकोर्ट शिफ्ट नही होगा। याचिका में कहा गया है कि अभी मामला सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन है। अंतिम निर्णय नहीं आया है जबकि एसएलपी में राज्य सरकार की तरफ से अपने जवाब में कहा है कि केंद्र, राज्य एवं न्यायपालिका की संस्तुति है। किस आधार पर बार काउंसिल यह कह सकता है कि हाईकोर्ट शिफ्ट नहीं हो सकता इसलिए बार काउंसिल की भूमि को बेचने के प्रस्ताव पर रोक लगाई जाए। मामले की सुनवाई के बाद कोर्ट ने प्रस्ताव पर रोक लगाते हुए चार सप्ताह में अपना जवाब पेश करने को कहा है।

स्टेट ब्रीफ

बरेली का जकरू दून पुलिस ने दबोचा

देहरादून: एसएसपी देहरादून अजय सिंह की रणनीति से थाना डोईवाला के चौकी प्रभारी हर्रावाला, रघुवीर कपरवाण की टीम ने नशा तस्कर जकरूदीन निवासी मजनूपुर कामुवा, बरेली उत्तर प्रदेश को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, 18 मई 2024 को डोईवाला पुलिस ने ताहिरा खातून को गिरफ्तार कर 259 ग्राम स्मैक बरामद की थी। ताहिरा ने पूछताछ में बताया था कि उसने यह स्मैक बरेली से जकरूद्दीन से खरीदी थी जिसके बाद से पुलिस ने जकरूद्दीन को नामजद किया था।

धन सिंह रावत को मिला सिल्वर एलीफेंट अवार्ड

देहरादून: भारत स्काउट एंड गाइड्स की 19वीं राष्ट्रीय जम्बूरी के मौके पर उत्तर प्रदेश राजभवन में आयोजित एक भव्य समारोह में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने राष्ट्रीय सम्मान सिल्वर एलीफेंट अवार्ड से कैबिनेट मंत्री डॉ. धन सिंह रावत को सम्मानित किया। राज्यपाल ने डॉ. रावत द्वारा उत्तराखंड में स्काउट गाइड आंदोलन को मजबूत करने, इसे व्यापक स्तर पर लागू करने और युवाओं में सकारात्मक व राष्ट्र निर्माण की सोच विकसित करने के लिए किए गए प्रयासों की सराहना की। डॉ. रावत ने कहा कि राज्य के स्कूलों व कॉलेजों में स्काउट गाइड गतिविधियों के विस्तार और उसे अधिक प्रभावी बनाने के लिए सरकार लगातार काम कर रही है।

ल्वाड-डोबा में बीएसएनएल नेटवर्क ठप

हल्द्वानी: ग्राम सभा ल्वाड-डोबा के ग्रामीणों ने बीएसएनएल नेटवर्क की खराब सेवा को लेकर गहरी नाराजगी जताते हुए विभाग से तत्काल कार्रवाई की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि वर्तमान में राशन कार्ड की ई-केवाईसी, ऑनलाइन कार्य और सामान्य मोबाइल नेटवर्क बिल्कुल भी काम नहीं कर रहे हैं।

अभियोजन विभाग का किया जाएगा डिजिटलाइजेशन: मुख्यमंत्री धामी

संविधान दिवस पर सीएम पुष्कर धामी ने पुलिस लाइन में की घोषणा, शपथ दिलायी

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: संविधान दिवस पर बुधवार को पुलिस लाइन में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने घोषणा की कि नए आपराधिक कानूनों के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए अभियोजन विभाग को सहायता राशि उपलब्ध कराने के साथ विभाग को डिजिटलीकरण के कार्य के लिए सहायता प्रदान की जाएगी। उन्होंने भारत के संविधान की उद्देशिका की शपथ दिलाई और अभियोजन विभाग की पत्रिका का विमोचन किया।

अभियोजन विभाग की पत्रिका का विमोचन करते मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी। ● अमृत विचार

सीएम ने कहा कि विभाग में उत्कृष्ट कार्य के लिए पुरस्कार प्रदान करने और अभियोजन विभाग के अधिकारियों को राज्य में बोली जाने वाली विभिन्न बोलियों का प्रशिक्षण प्रदान करने की व्यवस्था की जाएगी। अभियोजन सेवा हमारी न्याय व्यवस्था का वह महत्वपूर्ण स्तंभ है, जो सत्य को प्रतिष्ठित करने और न्याय की प्रक्रिया को पारदर्शी व प्रभावी बनाने का कार्य करती है।

26 नवंबर 1949 का दिन भारत के इतिहास में सदैव एक स्वर्णिम अध्याय के रूप में दर्ज रहेगा। इसी दिन भारत की संविधान सभा ने भारतीय संविधान को औपचारिक रूप से स्वीकार किया था। 26 नवंबर को विधि दिवस के रूप में मनाने की शुरुआत वर्ष 1979 में प्रख्यात विधिवेत्ता डॉ. लक्ष्मीमल्ल सिंघवी के प्रयासों और सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन द्वारा की गई थी।

उन्होंने कहा कि वर्ष 2015 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 26 नवंबर को 'संविधान दिवस' के रूप में एक राष्ट्रीय पर्व की भांति मनाने का निर्णय लेकर हमारे सभी संविधान निर्माताओं को सच्ची श्रद्धांजलि देने का कार्य किया है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में हमारी न्याय-व्यवस्था को आधुनिक, सशक्त, पारदर्शी और नागरिक-केंद्रित बनाने के लिए अनेक ऐतिहासिक कदम उठाए जा रहे हैं। वर्तमान परिस्थितियों के अनुसार "भारतीय न्याय संहिता 2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 और भारतीय साक्ष्य अधिनियम 2023" लागू करने का ऐतिहासिक कार्य किया गया है। लोगों को सुलभ, सरल और समयबद्ध न्याय उपलब्ध कराने के लिए व्यापक स्तर पर प्रयास किए जा रहे हैं। ई-कोर्ट्स प्रोजेक्ट, नेशनल ज्यूडिशियल डेटा ग्रिड, फास्ट ट्रैक स्पेशल कोर्ट्स, महिला एवं बाल अपराधों के लिए त्वरित न्याय तंत्र, मेडिएशन बिल, टेलीकॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सुनवाई और डिजिटल केस मैनेजमेंट सिस्टम जैसी सभी पहलें न्याय व्यवस्था को और अधिक पारदर्शी, तीव्र और सुगम बनाने की दिशा में क्रांतिकारी परिवर्तन ला रही हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि नए कानूनों के अंतर्गत, इलेक्ट्रॉनिक और डिजिटल रिकॉर्ड को भी सबूत के रूप में मान्यता प्रदान की गई है, जिससे जांच और अभियोजन प्रक्रिया पहले की तुलना में अधिक विश्वसनीय, वैज्ञानिक और प्रमाणिक बनी है। राज्य सरकार प्रदेश में न्याय व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। राज्य में न्याय व्यवस्था को आधुनिक स्वरूप देने के लिए नए न्यायालय भवनों का निर्माण और मौजूदा संरचनाओं का सुदृढ़ीकरण भी किया जा रहा है। डिजिटल कोर्ट्स, ई-फाइलिंग और वर्चुअल हियरिंग की प्रणालियों को और अधिक सशक्त किया जा रहा है। विधि शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने और युवा अधिवक्ताओं को मेंटरशिप उपलब्ध कराने के साथ ही महिला अधिवक्ताओं के लिए भी सुरक्षित व अनुकूल वातावरण विकसित करने की दिशा में निरंतर कार्य किए जा रहे हैं। इस अवसर पर विधायक विनोद चमोली, सचिव, गृह शैलेश बगोली, पुलिस महानिदेशक दीपम सेठ, निदेशक अभियोजन ए.पी. अंशुमान तथा पुलिस एवं अभियोजन विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

समारोह में मुख्यमंत्री धामी को खुखरी भेंट करते गोरखा एसोसिएशन के पदाधिकारी। ● अमृत विचार

जहां गोरखा टिके, वहां दुश्मन कभी नहीं टिक पाया: मुख्यमंत्री

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि, गोरखाओं के अदम्य साहस और वीरता की गाथाएं इतिहास के पन्नों में दर्ज हैं। कहते हैं कि 'जिस मैदान में गोरखा टिक गए, वहां दुश्मन कभी टिक नहीं पाया है'। गोरखा जवानों के लिए खुखरी सिर्फ एक हथियार नहीं, बल्कि मातृभूमि की रक्षा का संकल्प भी है। गोरखा सैनिकों ने सदियों से देश की सीमाओं की रक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, इस शौर्य, बलिदान और राष्ट्र सेवा के लिए भारत का हर एक नागरिक आपका आभारी है।

मुख्यमंत्री ने बुधवार को गढ़ी कैंट में ऑल इंडिया गोरखा एक्स-सर्विसमेन्स वेलफेयर एसोसिएशन के 75वें वर्षगांठ समारोह को संबोधित किया। बैरिस्टर अरि बहादुर गुरूंग की प्रतिमा का अनावरण करने के साथ ही एसोसिएशन की स्मारिका का भी विमोचन किया। सीएम ने कहा कि यह हम सबके लिए गर्व की बात है कि आज गोरखा समाज न केवल हमारी सीमाओं की रक्षा में बल्कि हमारे राज्य के विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। गोरखा समाज की मेहनत, अनुशासन और निष्ठा प्रत्येक क्षेत्र में स्पष्ट रूप से झलकती है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार भी गोरखा समाज की वीरता और अमूल्य योगदान को हमेशा आदर और सम्मान की दृष्टि से देखती है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि, बैरिस्टर अरि बहादुर गुरूंग न सिर्फ एक सांसद थे, बल्कि उन्होंने भारतीय संविधान के निर्माण में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया। ये सिर्फ एक संगठन का उत्सव नहीं है, बल्कि ये उस अदम्य साहस, समर्पण, राष्ट्रभक्ति और गौरवशाली परम्परा का उत्सव भी है, जिसे गोरखा सैनिकों ने सदियों से अपने पराक्रम से संजोया है। गोरखा सैनिकों के पराक्रम और बलिदान की पहचान इस बात से होती है कि दुनिया की कोई भी युद्ध गाथा गोरखाओं के बिना पूर्ण नहीं मानी जाती इसलिए भारत सरकार द्वारा ऑल इंडिया गोरखा एक्स-सर्विसमेन्स वेलफेयर एसोसिएशन को ऑल इंडिया स्टेटस प्रदान किया जाना इस समुदाय की प्रतिष्ठा और योगदान का सम्मान है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अमर वीर मेजर दुर्गा मल्ल के अद्वितीय शौर्य को भुला पाना असंभव है। इसी तरह परमवीर चक्र से सम्मानित धन सिंह थापा और आजाद भारत के प्रथम अशोक चक्र विजेता नर बहादुर थापा जैसे अनगिनत वीरों ने भारत माता की रक्षा के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया।

समारोह को सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने भी संबोधित किया। इस मौके पर विधायक सविता कपूर, सचिव केंद्रीय सैनिक कल्याण बोर्ड ब्रिगेडियर डीएस बसेड़ा, ऑल इंडिया गोरखा एक्स-सर्विसमेन्स वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष कर्नल आरएस क्षेत्री, गोर्खाली सुधार सभा के अध्यक्ष पद्म सिंह थापा, ले.ज (रिटायर्ड) एके सिंह, लेज (रिटायर्ड) रामसिंह प्रधान, मेजर (रिटायर्ड) सम्मी सब्बरवाल, मेजर (रिटायर्ड) बीएस थापा मौजूद रहे।

पूर्व मंत्री दिवाकर भट्ट को राजकीय सम्मान के साथ दी अंतिम विदाई

● हरिद्वार में हुआ अंतिम संस्कार, बेटे ललित ने दी मुखाग्नि

संवाददाता, हरिद्वार

अमृत विचार: राज्य आंदोलनकारी और पूर्व कैबिनेट मंत्री दिवाकर भट्ट को खड़खड़ी शमशान घाट पर अंतिम विदाई दी गई। गार्ड ऑफ ऑनर एवं अंतिम सलामी देते हुए राजकीय सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया गया। दिवाकर भट्ट के पुत्र ललित भट्ट ने उनके पार्थिवशरीर को मुखाग्नि दी।

उत्तराखंड राज्य आंदोलन के अग्रणी सेनानी एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री दिवाकर भट्ट के निधन पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए बुधवार को जनपद हरिद्वार के सभी सरकारी कार्यालयों में अवकाश

पूर्व कैबिनेट मंत्री दिवाकर भट्ट को अंतिम विदाई देते हरिद्वार के डीएम व एसएसपी।

रखने का आदेश जारी किया था। मुख्यमंत्री की ओर से दिवंगत नेता के पार्थिव शरीर पर

जिलाधिकारी मयूर दीक्षित एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रमेंद्र सिंह डोबाल ने पुष्पचक्र अर्पित कर उन्हें नमन करते हुए अंतिम विदाई दी। इस दौरान, पूर्व मुख्यमंत्री रमेश पोखरियाल निशंक, पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत, विधायक मदन कौशिक, आदेश चौहान, रवि बहादुर, मोहम्मद शहजाद, मुन्ना सिंह चौहान, पूर्व कैबिनेट मंत्री हरक सिंह रावत, प्रीतम सिंह पंवार, कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल, यूकेडी अध्यक्ष सुरेंद्र कुकरेती, काशी सिंह एरी आदि मौजूद रहे।

कॉर्बेट पुनर्गठन नोटिफिकेशन हाईकोर्ट में तलब

विधि संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: हाईकोर्ट ने कॉर्बेट पार्क से वन गुर्जरों के विस्थापन मामले में जनहित याचिका की सुनवाई करते हुए याचिकाकर्ताओं को दो सप्ताह में कॉर्बेट पार्क के पुनर्गठन से संबंधित नोटिफिकेशन कोर्ट में पेश करने को कहा है।

ढेला और झिरना जोन में रहने वाले अब्दुल रहमान समेत 57 वन गुर्जरों की ओर से इस मामले को हाईकोर्ट में चुनौती दी गयी है। मुख्य न्यायाधीश जी. नरेन्द्र और न्यायमूर्ति सुभाष उपाध्याय की युगलपीठ में इस प्रकरण पर सुनवाई हुई। याचिकाकर्ताओं की ओर से कहा गया कि वह लंबे समय से कॉर्बेट में रहते आ रहे हैं। वर्ष 1991 में सीटीआर के रिऑर्गेनाइजेशन के चलते वह आरक्षित वन क्षेत्र से बफर जोन में शामिल हो गए। तब से लेकर आज तक वह बफर जोन में रहते आ रहे हैं। सरकार की ओर से वन गुर्जरों को पुनर्वास के लिये योजना बनायी गयी है लेकिन आज तक उन्हें पुनर्वासित नहीं किया गया। उन्होंने कोर्ट से राज्य सरकार को इस संबंध में निर्देशित करने की मांग की। याचिकाकर्ताओं के अधिवक्ता ने कहा कि कोर्ट ने निर्देश दिया कि वह सीटीआर के पुनर्गठन को लेकर वर्ष 1991 में जारी अधिसूचना को दो सप्ताह के अंदर अदालत में पेश करें। मामले की अगली सुनवाई दो सप्ताह बाद होगी।

शिक्षक भर्ती की याचिका पर सुनवाई

नैनीताल: हाईकोर्ट ने प्रारम्भिक शिक्षक भर्ती के लिए सरकार द्वारा लागू शर्तों को चुनौती देती याचिका पर सुनवाई की। वरिष्ठ न्यायमूर्ति मनोज कुमार तिवारी की एकलपीठ ने सरकार से इस पर तीन सप्ताह में जवाब मांगा है। मामले के अनुसार, अभ्यर्थी भूपेंद्र सिंह ने याचिका में कहा कि राज्य में प्रारम्भिक शिक्षकों की भर्ती में सरकार ने यह भी शर्त रखी है कि जिस अभ्यर्थी की हाईस्कूल व इंटर की शिक्षा प्रदेश से बाहर हुई है, वह इसमें शामिल नहीं हो सकता है अन्यथा उसका आवेदन निरस्त कर दिया जाएगा। इसी आधार पर उसका आवेदन निरस्त कर दिया गया। याचिका के अनुसार, यह संविधान के विपरीत है। इस मामले में कानून बनाने का अधिकार केंद्र सरकार को है न कि राज्य सरकार को। ऐसे ही मामले में कोर्ट ने एक अभ्यर्थी को भर्ती प्रक्रिया में प्रतिभाग करने का आदेश दिया था। उनको भी उसी आधार पर इसमें शामिल होने का मौका दिया जाए।

दुष्कर्म में बर्खास्तगी का आदेश निरस्त

नैनीताल: हाईकोर्ट ने बागेश्वर के शिक्षक राजू थापा की बर्खास्तगी के आदेश को रद्द कर दिया है। कोर्ट ने फैसले में कहा कि राजू की बर्खास्तगी का एकमात्र आधार उनकी आपराधिक दोषसिद्धि थी और हाईकोर्ट द्वारा उनकी दोषसिद्धि को पहले ही रद्द कर दिया गया था इसलिए सेवा समाप्ति का आदेश कानूनी रूप से मान्य नहीं हो सकता किन्तु अपील के लंबित रहने के दौरान शिक्षक के सेवानिवृत्त हो जाने के कारण, उन्हें वास्तविक रूप से सेवा में बहाल नहीं किया जा सकता है। कोर्ट ने कहा कि उनकी सेवा समाप्ति की तिथि, 16 दिसम्बर 2010 से लेकर सेवानिवृत्ति की तारीख तक उन्हें सैद्धांतिक रूप से सेवा में जारी माना जाएगा। इसका अर्थ है कि इस अवधि को उनके पेंशन और अन्य सेवानिवृत्ति लाभों की गणना के उद्देश्य से गिना जाएगा। हालांकि, उन्हें इस अवधि का बकाया वेतन नहीं मिलेगा, क्योंकि उन्होंने इस दौरान वास्तविक सेवा प्रदान नहीं की थी।

हाईकोर्ट ने दी सीआईएसएफ जवान को राहत

नैनीताल: हाईकोर्ट ने सीआईएसएफ जवान के खिलाफ फैमिली कोर्ट द्वारा पारित भरण-पोषण के एकपक्षीय आदेश और वसूली वारंट को निरस्त कर दिया है। न्यायमूर्ति आशीष नैथानी की एकलपीठ ने कहा कि न्याय के हित में दूसरे पक्ष को अपना बचाव प्रस्तुत करने का उचित अवसर दिया जाना आवश्यक है। हाईकोर्ट ने फैमिली कोर्ट, विकासनगर के उस आदेश को रद्द कर दिया, जिसके तहत पत्नी को 15,000 रुपये मासिक भरण-पोषण देने और 75,000 रुपये की वसूली का निर्देश दिया गया था। मामले के अनुसार शिवानी ने वर्ष 2023 में धारा 125 सीआरपीसी के तहत भरण-पोषण का वाद दायर किया था। याची का पति, पांचाल रंजन, जो तमिलनाडु में सीआईएसएफ में कांस्टेबल हैं, ने अदालत को बताया कि विभागीय छुट्टी मंजूर न होने के कारण वे 5 अक्टूबर 2023 को फैमिली कोर्ट में उपस्थित नहीं हो सके थे। उनकी अनुपस्थिति में, निचली अदालत ने एकपक्षीय कार्यवाही करते हुए 10 नवंबर 2023 को फैसला सुना दिया था। इसके बाद याची ने आदेश को वापस लेने के लिए धारा 126(2) के तहत आवेदन किया, जिसे भी पारिवारिक न्यायालय ने खारिज कर दिया था।

वॉइस एडमिरल ने किया ग्रुप मुख्यालय का निरीक्षण

नैनीताल: वाइस एडमिरल राजेश धनखड़ (एवीएसएम, एनएम) ने एनसीसी ग्रुप मुख्यालय नैनीताल का निरीक्षण किया। इस दौरान 5 उत्तराखंड नेवल यूनिट एनसीसी के कैडेट्स ने आकर्षक परेड के साथ उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया। निरक्षण के दौरान ग्रुप कमांडर कमोडोर बलराजेश सिंह ने वाइस एडमिरल धनखड़ को ग्रुप मुख्यालय में संचालित उन्नत प्रशिक्षण गतिविधियों ड्रोन संचालन, रोइंग सिम्युलेटर, फायरिंग सिम्युलेटर, रॉक क्लाइम्बिंग, शिप मॉडलिंग, स्लिथरिंग, ट्रेकिंग और जलक्रीड़ा प्रशिक्षण की विस्तृत जानकारी दी। आधुनिक तकनीकी संसाधनों से युक्त ये कार्यक्रम कैडेट्स के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। वाइस एडमिरल धनखड़ ने कैडेट्स से सीधे संवाद किया और उनके अनुशासन, आत्मविश्वास तथा देशभक्ति की भावना की सराहना की। कैडेट्स द्वारा प्रस्तुत ड्रोन संचालन और फायरिंग सिम्युलेटर के प्रदर्शन ने उन्हें विशेष रूप से प्रभावित किया। उन्होंने एनसीसी ग्रुप मुख्यालय नैनीताल को देश के श्रेष्ठ एनसीसी प्रशिक्षण केंद्रों में से एक बताते हुए कहा कि यहां उपलब्ध आधुनिक सुविधाएं और प्रशिक्षकों की दक्षता युवाओं के भविष्य निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दे रही है।

गुमशुदा की तलाश

मेरे पिताजी **श्री बालम सिंह भंडारी पुत्र स्वर्गीय नर सिंह भंडारी** दिनांक 18-11-2025 को घर से बहिन के घर की ओर जाने को रवाना हुए पर वहां नहीं पहुंचे। काफी खोजबीन के बाद भी उनका कुछ पता नहीं चल पा रहा है।

गोपाल सिंह भंडारी (पुत्र)
ग्राम-मटिला पो आ.-शितलाखेत
तहसील रानीखेत
मो. 9625979826

रामनगर स्टेशन का आधुनिकीकरण तेज रफ्तार पर

देहरादून: सांसद अनिल बलूनी ने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से मुलाकात कर रामनगर स्टेशन को पहाड़ी शैली में विकसित करने, यात्री सुविधाओं के उन्नयन और नई रेल सेवाएं शुरू करने की मांगें रखी। सांसद बलूनी ने बताया कि बैठक में रामनगर रेलवे स्टेशन के आधुनिकीकरण, सौंदर्यीकरण और यहां से संचालित होने वाली रेल सेवाओं के विस्तार पर विस्तारपूर्वक चर्चा हुई।

रेल मंत्री ने स्टेशन के पहाड़ी शैली में निर्माण व सौंदर्यीकरण को लेकर सकारात्मक सहमति व्यक्त की। साथ ही नई रेल सेवाओं के संचालन पर भी विस्तृत विमर्श हुआ। बैठक के बाद विभाग ने आश्वस्त किया कि प्रस्तावित मांगों पर आवश्यक प्रक्रिया के तहत शीघ्र ही विस्तृत जानकारी साझा की जाएगी। यह पहल गढ़वाल लोकसभा क्षेत्र के यात्रियों की लंबे समय से लंबित मांगों को पूरा करने और उन्हें आधुनिक, सुरक्षित एवं सुविधाजनक रेल सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

दूरस्थ गांव बजायल में महिला दुग्ध समिति का हुआ शुभारंभ

संवाददाता, लालकुआं

अमृत विचार: नैनीताल दुग्ध संघ ने ओखलकांडा की सबसे ऊंची चोटी पर बने दूरस्थ गांव बजायल में महिला दुग्ध समिति का शुभारंभ किया। इस दौरान गांव के 30 परिवारों ने पहले ही दिन 18 लीटर दुग्ध आपूर्ति की है।

नैनीताल दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ लिमिटेड के अध्यक्ष मुकेश बोरा की अध्यक्षता में विकासखंड ओखलकांडा के अत्यंत ऊंचाई पर स्थित दूरस्थ ग्राम सुरंग में महिला दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति बजायल का शुभारंभ किया गया। समिति के गठन के साथ ही क्षेत्र की महिलाओं में उत्साह, आत्मनिर्भरता और आर्थिक उत्थान की नई किरण दिखाई दी।

दुग्ध संघ अध्यक्ष मुकेश बोरा ने कार्यक्रम में संबोधित करते हुए कहा कि ऐसे दूरस्थ एवं ऊंचाई वाले क्षेत्र में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी से दुग्ध सहकारिता और अधिक सशक्त होगी। क्योंकि उक्त गांव में सड़क की व्यवस्था नहीं होने से लोगों को सिर पर रखकर ही दूध की बाल्टी सड़क

दुग्ध समिति बजायल का शुभारंभ करते दुग्ध संघ के अध्यक्ष मुकेश बोरा व अन्य।

तक लानी होगी। उन्होंने कहा कि हमारी कोशिश है कि पर्वतीय क्षेत्रों में दुग्ध उत्पादन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया जाए ताकि यहां की महिलाएं आर्थिक रूप से और अधिक मजबूत बन सकें।

इस अवसर पर ग्राम प्रधान सुरंग पुष्पा बोरा ने कहा कि समिति बनने से दुग्ध उत्पादन क्षेत्र में पारदर्शिता बढ़ेगी, महिलाओं को आर्थिक मजबूती मिलेगी और स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर विकसित होंगे। उन्होंने बताया कि पशुपालक और पशु खरीद कर दुग्ध उत्पादन बढ़ाएंगे तथा समिति को आत्मनिर्भर बनाएंगे।

कार्यक्रम में पूर्व क्षेत्र पंचायत सदस्य नरेश खनवाल और राजेंद्र सिंह बोरा, वन पंचायत सरपंच जया बोरा, पर्वतीय क्षेत्र प्रभारी कृपाल सिंह, हरीश आर्या, हरीश सिंह कठायत और पूनम दर्मवाल, देवस्थल समिति की अध्यक्ष दीपा देवी, भवान सिंह, तथा पशु चिकित्सक डॉ. धीरज सोनल ने प्रतिभाग किया।

विधायक हरीश धामी ने लगाए भ्रष्टाचार के आरोप

संवाददाता, पिथौरागढ़

अमृत विचार: धारचूला के विधायक हरीश धामी ने अपनी विधानसभा क्षेत्र में हुए विकास कार्यों में गंभीर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए हैं। बुधवार को उन्होंने 34 कार्यों की सूची मीडिया को जारी करते हुए कहा कि इन कार्यों की सीबीआई जांच जरूरी है।

● धारचूला के विधायक ने 34 कार्यों की सूची जारी की, सीबीआई जांच की मांग

विधायक ने वर्ष 2012 से अब तक के उनके कार्यकाल में हुए विधायक निधि के कार्यों की भी जांच की मांग उठाकर गेंद सरकार के पाले में डाल दी है। पिथौरागढ़ में मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने सीमांत की पीड़ा को देखते हुए लाखों से लेकर करोड़ों रुपये तक की योजनाओं की स्वीकृति दी है, लेकिन इन योजनाओं में खुला भ्रष्टाचार कर मुख्यमंत्री की छवि को खराब किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि उनकी मांग पर एसडीएम की अध्यक्षता में जांच कमेटी बनाई गई थी, जैसे ही जांच शुरू हुई, एसडीएम को हटा दिया गया। विधायक धामी ने खंड़जा मार्ग, मंदिर सौंदर्यीकरण, ट्रैक रूट, पर्यटन स्थल विकास जैसे 34 कार्यों की सूची जारी करते हुए आरोप लगाया कि इन योजनाओं में भ्रष्टाचार हुआ है और यह सूची भ्रष्टाचार का एक छोटा हिस्सा है।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने जिलाधिकारी की अध्यक्षता में कमेटी गठित कर जांच का भरोसा दिया है, लेकिन अब प्रशासनिक जांच पर उन्हें भरोसा नहीं है। इन कार्यों की सीबीआई से जांच जरूरी है। इन कार्यों के साथ ही उनके विधायक कार्यकाल में विधायक निधि और आपदा मद से हुए कार्यों की भी जांच कराई जाए। विधायक ने कहा कि सीबीआई जांच नहीं होने पर वे विकास कार्यों की सूची लेकर हर गांव में जाएंगे और लोगों को बताएंगे कि विकास कार्य के लिए जितनी धनराशि स्वीकृत हुई उतनी धनराशि धरातल पर नहीं लगाई गई है। इसका जवाब जनता देगी।

सिटी ब्रीफ

सीएम का विरोध करने पहुंचे कांग्रेसी हिरासत में

हल्द्वानी : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के हल्द्वानी आगमन पर विरोध करने सड़क पर उतरे कांग्रेस कार्यकर्ताओं को पुलिस ने हिरासत में लिया। सीएम का कार्यक्रम समाप्त होने के बाद सभी को चालान करके छोड़ा। युवा कांग्रेस के नेता हेमंत साहू के नेतृत्व में कांग्रेसी बुधवार को सीएम के विरोध में काले गुब्बारे लेकर सड़क पर आ गए। पुलिस ने तिकोनिया के पास से उन्हें हिरासत में ले लिया। साहू का कहना है कि प्रदेश में गरीबों के घर सरकार उजाड़ रही है। महंगाई चरम पर है और बेरोजगारी दर लगातार बढ़ रही है। पुलिस की इस दौरान कांग्रेसियों से धक्का-मुक्की हो गई। पुलिस सभी को गाड़ी में बिठाकर आरटीओ चौकी ले गए। पार्षद प्रीति आर्या, कमला आर्या, साहिल राज आदि को पुलिस ने हिरासत में लिया था। जिन्हें बाद में छोड़ दिया गया।

खुशी, काजोल व हर्षिता का नेटबॉल के लिए चयन

हल्द्वानी : रामपुर रोड स्थित एसकेएम सीनियर सेकेंडरी स्कूल की तीन छात्राएं खुशी आर्या, काजोल बिष्ट और हर्षित देवरारी का चयन उत्तराखंड स्टेट नेटबॉल चैंपियनशिप के लिए हुआ है। प्रतियोगिता आगामी 30 नवंबर को ऋषिकेश में आयोजित की जाएगी, जिसमें विजेता विद्यार्थियों का चयन नेशनल प्रतियोगिता के लिए होगा। छात्राओं ने ट्रायल में बेहतरीन प्रदर्शन किया था। विद्यालय प्रबंधक यूसी जोशी, सचिव पुष्पा जोशी, प्रधानाचार्या मोनिका शर्मा, उप प्रधानाचार्या भामिनी चौहान जोशी, प्रशासक ऋषभ जोशी और शिक्षकों ने छात्राओं के चयन पर खुशी व्यक्त की।

56 पाउच कच्ची शराब के साथ एक गिरफ्तार

हल्द्वानी : पुलिस ने कच्ची शराब के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। चोरगलिया पुलिस के मुताबिक, 25 नवंबर को कांस्टेबल उत्तम सिंह, जितेन्द्र सिंह और होमगार्ड राजीव जोशी ने गश्त के दौरान दानीबंगर से जंगल की ओर जाने वाले कच्चे रास्ते से एक व्यक्ति को पकड़ा। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम मंगल सिंह पुत्र दलेर सिंह निवासी ग्राम धौराडाम नजीमाबाद किच्छा उधमसिंह नगर बताया। मंगल के पास से पुलिस ने 56 पाउच कच्ची शराब बरमद की।

सहकारिता को मजबूती और पर्यटन को बढ़ावा देगा मेला : धामी

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को एमबी इंटर कॉलेज मैदान में सहकारिता मेले का किया निरीक्षण, बोले- स्थानीय उत्पादों को मिलेगा बाजार

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

हल्द्वानी में महिला स्वय सहायता समूह की महिलाओं को चेक सौंपते सीएम पुष्कर सिहं धामी व सांसद अजय भट्ट। ● अमृत विचार

हल्द्वानी में सहकारिता मेले के दौरान आयोजित कार्यक्रम में मौजूद लोग। ● अमृत विचार

अमृत विचार : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को एमबी इंटर कॉलेज मैदान में सहकारिता से पर्यटन विकास थीम पर लगे सहकारिता मेला का भ्रमण व निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि ऐसे मेले सहकारी समितियों, स्वयं सहायता समूहों और महिला समूहों के उत्पादों को एक सशक्त मंच प्रदान कर रहे हैं। इससे स्थानीय उत्पादों को बाजार उपलब्ध होगा और उत्पादकों को आर्थिक लाभ मिलेगा। यह मेला सहकारिता की भावना को मजबूत करने के साथ पर्यटन और स्थानीय अर्थव्यवस्था को नई दिशा देगा।

सीएम धामी ने कहा कि सहकारिता मानव समाज का प्राचीन सिद्धांत है, जो सहयोग, एकता और सामूहिक प्रगति को बढ़ावा देता है। आधुनिक समय में इसकी भूमिका का महत्व और बढ़ गया है। इसी महत्व को देखते हुए संयुक्त राष्ट्र ने 2025 को अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष घोषित किया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सहकारिता के क्षेत्र में ऐतिहासिक कदम उठाते हुए केंद्र में अलग से सहकारिता मंत्रालय का गठन किया गया। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड में अब तक 671 सहकारी समितियों का कंप्यूटरीकरण हो चुका है, अब ये समितियां डिजिटली सेवाएं दे रही हैं। राज्य में 24 समितियां जन औषधि केंद्र के रूप में कार्यरत हैं, जिनसे ग्रामीण इलाकों में सस्ती और गुणवत्तायुक्त दवाइयां उपलब्ध हो रही हैं। 640 समितियों को कॉमन सर्विस सेंटर के रूप में विकसित किया है जो बीमा, पेंशन, बिजली बिल भुगतान, आधार सेवाओं सहित अनेक डिजिटली सेवाएं दे रही हैं। राज्य की 5,511 सहकारी समितियों में से 3,838 समितियों का डाटा राष्ट्रीय सहकारी डेटाबेस पर अपलोड कर दिया गया है। सहकारिता को मजबूत करने के लिए राज्य में 800 नए पैक्स का गठन किया है। उन्होंने बताया कि दीनदयाल उपाध्याय सहकारिता किसान कल्याण योजना के तहत स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को पशुपालन, दुग्ध व्यवसाय, मछली पालन, फूल उत्पादन आदि के लिए 5 लाख तक का ब्याज-मुक्त ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है। महिला सहकारी समितियों और स्वयं सहायता समूहों को प्राथमिकता दी जा रही है। प्रदेश में लगभग 1 लाख 70 हजार महिलाएं लखपति दीदी बन चुकी हैं। सांसद अजय भट्ट ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार के सहयोग से हल्द्वानी सहित पूरे जनपद में विकास काम अभूतपूर्व गति से आगे बढ़ रहे हैं। जनता की अपेक्षाओं के अनुरूप सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा, सुरक्षा और परिवहन के क्षेत्रों में उल्लेखनीय बदलाव देखने को मिल रहे हैं। सहकारिता मेला, सहकारिता के क्षेत्र को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण और अभूतपूर्व भूमिका निभाएगा। अंत में सीएम धामी ने स्वयं सहायता समूहों और सहकारी समितियों के सशक्तिकरण के लिए दीनदयाल उपाध्याय सहकारिता कल्याण योजना के तहत 16.97 करोड़ व एनआरएलएम स्वयं सहायता समूहों के लिए 75.50 लाख रुपये का चेक सौंपा। इस दौरान जिपं अध्यक्ष दीपा दरमवाल, विधायक राम सिंह कैड़ा एवं दीवान सिंह बिष्ट, दायित्वधारी डॉ. अनिल कपूर डब्बू, शंकर कोरंगा, दिनेश आर्य, सुरेश भट्ट, नवीन वर्मा, जिलाध्यक्ष प्रताप बिष्ट, भाजयुमो महामंत्री दीपेंद्र कोश्यारी, डीएम ललित मोहन रयाल, एसएसपी डॉ. मंजूनाथ टीसी आदि मौजूद रहे।

बहुत दूर तक पहुंचा दिया था पर्चा: सीएम

हल्द्वानी : सीएम धामी ने एमबी इंटर कॉलेज मैदान में संबोधन शुरू करने के साथ ही सभी लोगों के नाम लिए। इस दौरान उन्होंने पर्चा भी दिखाया और मजाकिया अंदाज में कहा कि पिछली बार पर्चा इन्होंने (मीडिया) दूर-दूर तक पहुंचा दिया था। इतना सुनते ही सब लोग हंसने लगे। उल्लेखनीय है कि कुछ दिनों पहले सीएम धामी दोगड़ा गांव भुजियाघाट में एक निजी आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज के कार्यक्रम में पहुंचे। उस दौरान वह पर्चे से सभी लोगों के नाम बोल रहे थे। पर्चे में भाजपा जिलाध्यक्ष का नाम प्रताप सिंह बिष्ट की जगह प्रदीप सिंह बिष्ट लिखा था। पर्चे को देखकर जल्दबाजी में वह भी यही नाम बोल गए। जब उन्हें गलती का अहसास हुआ तो अचानक वह नाराज हो गए और उन्होंने पर्चे को गुस्से में फेंक दिया और बोला कि इस पर्चे की क्या जरूरत है। एकदम से सभी लोग सन्न रह गए। तुरंत ही विधायक बंशीधर भगत उठे थे और उन्होंने अपना नोटपेड सीएम को दिया था। यह मामला सुर्खियों में आ गया।

राज्य की डेमोक्रेसी और संस्कृति से खिलड़ाव बर्दाश्त नहीं : धामी

नैनीताल : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी एक दिवसीय कार्यक्रम के तहत बुधवार को नैनीताल में रहे। उन्होंने कहा कि राज्य की सांस्कृतिक पहचान, परंपराएं और डेमोग्राफी किसी भी कीमत पर बदलने नहीं दी जाएगी। पिछले वर्षों में राज्य की जनसांख्यिकी में बदलाव और सांस्कृतिक मूल्यों से छेड़छाड़ के मामलों को गंभीरता से लिया गया है, इस दिशा में सख्ती बरतने के लिए सभी जिलों के प्रशासनिक अधिकारियों को निर्देश जारी किए गए हैं। सीएम ने कहा कि पिछले दस वर्षों में अवैध तरीके से राशन कार्ड, वोटर आईडी, आधार कार्ड व बिजली कनेक्शन जैसी पात्रताओं को हासिल करने के मामले सामने आए हैं ऐसे तत्व जो पात्रता की श्रेणी में नहीं आते, उन्हें अनुचित रूप से लाभार्थी वर्ग में शामिल किया गया है। कहा कि इन सभी मामलों की विस्तृत जांच कर दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।

कानून व्यवस्था से खिलड़ाव करने वाले सलाखों के पीछे

नैनीताल : सीएम धामी ने कानून-व्यवस्था पर कहा कि राज्य सरकार लगातार लॉ एंड ऑर्डर की समीक्षा कर रही है। राज्य में व्यवस्था पहले से अधिक मजबूत दिशा में आगे बढ़ रही है। जहां-जहां कोर्ट संज्ञान लेता है, वहां सरकार कोर्ट के सभी निर्देशों का पूर्ण सम्मान करती है। देवभूमि के भीतर शांति और सौहार्द का वातावरण बनाए रखना सरकार की प्राथमिकता है, जिससे कानून व्यवस्था सुचारू रूप से संचालित हो सके। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड में बड़ी संख्या में पर्यटक और श्रद्धालु आते हैं इसलिए राज्य की छवि सुरक्षित, शांत और अनुशासित दिखनी चाहिए ताकि आगंतुकों को देवभूमि में आने का सकारात्मक अनुभव मिले। उन्होंने कहा की राज्य मे बढ़ता नशा खतरा है। राज्य सरकार नशा मुक्ति अभियान को एक मिशन के रूप में संचालित कर रही है। ड्रग फ्री देवभूमि के संकल्प के साथ प्रदेश आगे बढ़ रहा है। नई पीढ़ी को नशे की गिरफ्त से बचाना सरकार की प्राथमिकता है। युवाओं को नशे से दूर रखने के लिए सुरक्षा, जागरूकता और कड़े अभियान चलाए जा रहे हैं।

सहकारिता मेले में स्टॉल में उत्पादों को देखते सीएम पुष्कर सिंह धामी। ● अमृत विचार

सहकारिता मेले में स्टॉल से उत्पाद खरीदते मंडी बोर्ड के चेयरमैन अनिल डब्बू।

12 वर्षों से सेवाएं दे रहे उपनल कर्मियों के लिए बना रहे आगे का रास्ता

उपनल कर्मियों को समान वेतन के आधार पर सुविधाएं देने की दिशा में पहले ही घोषणा की जा चुकी है और विषय पर सहमति भी बनी हुई है। उन्होंने कहा कि जो कर्मचारी 12 वर्षों से अधिक समय से सेवा दे रहे हैं, उनके लिए आगे का रास्ता निकालने पर काम किया जा रहा है। उपनल कर्मियों के साथ बातचीत जारी है और उनके हितों को ध्यान में रखते हुए समाधान जल्द सामने लाया जाएगा।

महिला पटवारी व कानूनगो पर हमला

संवाददाता, रामनगर

अमृत विचार: ग्राम कंदला क्षेत्र से सरकारी ड्यूटी पर तैनात महिला पटवारी और कानूनगो के साथ अभद्रता, धक्का-मुक्की और सरकारी दस्तावेज फाड़े जाने की घटना से राजस्व कर्मियों में रोष व्याप्त है। यह घटना बुधवार को उस समय हुई जब महिला पटवारी पूनम और कानूनगो हरीश यादव किसी मामले में जमीन की नापजोख करने पहुंचे थे।

रामनगर के ग्राम कंदला की निवासी आशा रावत की भूमि पर कब्जा विवाद चल रहा है, राजस्व टीम धारा 41 एनआर एक्ट के तहत भूमि की नापजोख करने पहुंची थी। इसी बीच एक परिवार, जिस पर जमीन पर जबरन कब्जे का आरोप है, मौके पर पहुंचा और नापजोख रुकवाने के इरादे से हंगामा खड़ा कर दिया। महिला पटवारी व राजस्व उपनिरीक्षक का आरोप है कि परिवार के सदस्यों ने महिला पटवारी के हाथ से सरकारी फाइल और दस्तावेज छीन कर फाड़ दिए, टीम के साथ अभद्रता, धक्का-मुक्की और जान से मारने की धमकी दी गई। सरकारी कामकाज में बाधा डालने के कारण नापजोख की प्रक्रिया अधूरी रह गई। उपजिलाधिकारी रामनगर प्रमोद कुमार ने बताया हमारे संज्ञान में मामला आया है कि राजस्व निरीक्षक और पटवारी पर अभद्रता की गई है और सरकारी दस्तावेज फाड़े गए हैं। यह गंभीर अपराध है। घटना की जानकारी तत्काल रामनगर थाने को दे दी गई है। एसडीएम प्रमोद कुमार ने निर्देश दिया कि कानूनगो और पटवारी इस मामले में तुरंत तहरीर दें, ताकि आरोपियों पर नियम अनुसार कठोर कार्रवाई की जा सके। उन्होंने कहा कि सरकारी कार्य में बाधा डालना, सरकारी दस्तावेज नष्ट करना और राजस्व कर्मचारियों के साथ अभद्रता दंडनीय अपराध है, प्रशासन आरोपियों के खिलाफ सख्त कानूनी कदम उठाएगा।

रामनगर में घटना स्थल पर मौजूद लोग। ● अमृत विचार

बारात में बाजे की अनुमति पर हाई बेस डीजे पर बैन

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

- बारात घर से जनवासे की दूरी नहीं होगी 200 मीटर से ज्यादा
- बड़ी व्हील लाइटिंग झालर पर भी रोक, डीजे 10 बजे के बाद बंद

अमृत विचार : शादियों का सीजन चरस पर है और नाचते-गाते बारातियों के पीछे यातायात थम चुका है। यातायात सुचारू रखने के लिए एसएसपी डॉ.मंजूनाथ टीसी ने कड़े कदम उठाए हैं। न सिर्फ हाई बेस डीजे पर बैन लगा दिया गया, बल्कि रात 10 बजे के बाद अब डीजे बजाने पर कार्रवाई भी होगी। ऐसे कई निर्देश एसएसपी ने जारी किए हैं और इन्हें लागू कराने की जिम्मेदारी थानाध्यक्ष और चौकी प्रभारियों पर होगी।

एसएसपी ने बताया कि वर्तमान में चल रहे शादी सीजन और लगातार बढ़ रहे यातायात दबाव को लेकर उन्होंने सभी अधिकारियों, थाना और चौकी प्रभारियों व यातायात निरीक्षकों को कड़े निर्देश हैं। ताजा निर्देशों के तहत अब सभी वेडिंग पॉइंट, बैंक्वेट हॉल और वेडिंग आयोजनों पर पुलिस निगरानी रखेगी। वेडिंग हॉल संचालकों, डीजे संचालकों, बड़े व्हील लाइटिंग झालरों के संचालकों के साथ बैठक कर नियमों की जानकारी और नियमों का पालन कराना होगा। बारात में पहियों वाले बड़ी लाइटिंग झालर पूरी तरह प्रतिबंधित हैं और उल्लंघन पर जब्ती की जाएगी। केवल हाथ वाले लाइटिंग झालर की अनुमति होगी। बारात घर/वेन्यू के गेट से बारात की लंबाई अधिकतम 200 मीटर तक ही होगी, ताकि यातायात प्रभावित न हो। नियमों का उल्लंघन करने पर सख्त कार्रवाई होगी।

दवा लेकर लौट रही महिला को स्कूटी ने मारी टक्कर, हुई मौत

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

- मेडिकल पुलिस चौकी के पास मंगलवार रात हुआ हादसा
- हादसे को अंजाम देने वाला चालक स्कूटी समेत फरार

अमृत विचार : घर से दवा लेने निकली महिला हादसे का शिकार हो गई। दवा लेकर लौटते वक्त तेज रफ्तार स्कूटी सवार ने उसे अपनी चपेट में ले लिया और महिला की मौत हो गई। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया है।

लाइन नंबर 12 आजादनगर बनभूलपुरा निवासी 60 वर्षीय आशा पाल यहां परिवार के साथ रहती थीं। बताया जाता है कि मंगलवार की रात वह मेडिकल पुलिस चौकी के पास स्थित एक चिकित्सक के क्लीनिक में दवा लेने गईं थीं। वह वापस लौट रहीं थी कि तभी स्कूटी सवार ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर से आशा उछल कर काफी दूर जा गिरीं और बुरी तरह घायल हो गईं। आनन-फानन में उन्हें डॉ.सुशीला तिवारी राजकीय चिकित्सालय ले जाया गया। अस्पताल में पता चला कि उनके शरीर की कई हड्डियां टूट चुकी हैं।

आनन-फानन में चिकित्सकों ने आशा का उपचार शुरू किया और सुबह करीब 3 बजे उनकी मौत हो गई। कोतवाल अमर चंद्र शर्मा का कहना है कि घटना स्थल पर लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। तहरीर मिलते ही मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी। घटना से महिला के परिजनों में कोहराम है।

स्कूटी को टक्कर मारने वाले कार चालक पर मुकदमा

हल्द्वानी : कुछ दिन पहले गौलापार क्षेत्र में स्कूटी सवार और कार में भिड़ंत हो गई थी। हादसे में स्कूटी सवार की मौत हो गई थी। इस मामले में चोरगलिया पुलिस ने आरोपी कार चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस को दी तहरीर में देवला तल्ला कुंवरपुर निवासी चंदन सिंह चौहान पुत्र स्व .गंगा सिंह ने लिखा, बीती 22 नवंबर की शाम करीब 4 बजे उनका बेटा सुंदर सिंह चौहान घर से रामबाग जाने के लिए निकला था। रामबाग और जगतपुर के बीच दानीबंगर की ओर से आई तेज रफ्तार कार ने सुंदर को अपनी चपेट में ले लिया। अस्पताल में उपचार के दौरान सुंदर की मौत हो गई। थानाध्यक्ष हरपाल ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर कार चालक की तलाश शुरू हो गई है।

दिक्कत

सिंधी चौक पर वन-वे में घुसी कार की वजह से लगा लंबा जाम

जाम में फंसी एंबुलेंस, मरीजों की जान पर बनी

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : शहर की यातायात व्यवस्था पटरी से उतर चुकी है। लगभग हर रोज लगने वाला जाम बुधवार को भी जगह-जगह देखने को मिला और सबसे बड़ी समस्या उन मरीजों के सामने खड़ी हुई, जो एंबुलेंस से अस्पताल जा रहे थे। दो जगह फंसी एंबुलेंस सायरन बजाती रही है, लेकिन उन्हें आगे जाने का रास्ता नहीं मिला।

पहली एंबुलेंस दोपहर करीब 12 बजे सिंधी चौक पर फंसी। रामपुर रोड से सिंधी चौक और अग्रसेन चौक जाने के लिए दो रास्ते हैं। ये दोनों ही रास्ते वन हैं। बावजूद इसके एक कार चालक ने उल्टी दिशा से जाकर कार को वन-वे में डाल दिया। इस कार चालक की वजह से जाम लग गया और सिंधी चौक से रामपुर रोड की ओर जा रही एंबुलेंस जाम में फंस गई। इस दौरान एंबुलेंस लगातार सायरन बजा रही थी। जाम में फंसे लोगों ने जब नाराजगी जाहिर की तो कार चालक ने कार को बैक किया और तब जाकर एंबुलेंस निकल सकी।

दोपहर करीब ढाई बजे एक एंबुलेंस बेस अस्पताल से सिंधी चौक की ओर जा रही थी। बेस अस्पताल से आगे बढ़ते ही एंबुलेंस जाम में फंस गई।

इस एंबुलेंस में भी मरीज था, जिसे अस्पताल पहुंचाना था। एंबुलेंस लगातार सायरन बजाकर रास्ता मांग रही थी। एंबुलेंस चालक कोशिश तो कर रहा था, लेकिन उसे रास्ता नहीं मिला। मजे की बात तो यह है कि इस दौरान पुलिस कहीं नजर नहीं आई। इसी तरह रोडवेज के बाहर भी जाम लगने से वाहन चालक व राहगीर परेशान रहे।

सिंधी चौक पर वन-वे में घुसी कार की वजह से जाम में फंसी एंबुलेंस। ● अमृत विचार

रेलवे स्टेशन के निर्माणाधीन कक्ष का दरवाजा उखाड़ ले गए चोर

संवाददाता, रामनगर

अमृत विचार: शहर में चोरों के बढ़ते हौसले एक बार फिर सामने आए हैं। इस बार चोर रेलवे स्टेशन परिसर के अंदर पूछताछ कक्ष (इन्क्वायरी रूम) के ठीक सामने बन रहे निर्माणाधीन कक्ष से चोर दरवाजा उखाड़कर ले गए। बता दे कि रेलवे स्टेशन परिसर में पिछले कुछ दिनों से निर्माण कार्य चल रहा है, पूछताछ कक्ष के सामने एक नया कमरा बनाया जा रहा है।

मंगलवार देर रात के समय अज्ञात चोर मौके का फायदा उठाकर कमरे का पूरा दरवाजा उखाड़कर ले गए, जिस जगह आमतौर पर यात्रियों, रेलवे स्टाफ और सुरक्षा कर्मियों की आवाजाही रहती है। वहां इस तरह की चोरी ने सुरक्षा व्यवस्थाओं पर सवाल खड़े कर दिए हैं, घटना के बाद स्टेशन परिसर में मौजूद कर्मी भी हैरान रह गए कि इतनी भीड़ वाले एरिया में चोर आखिर इस तरह दरवाज़ा कैसे निकाल ले गए और किसी की नजर तक नहीं पड़ी। स्टेशन के अधिकारियों ने तुरंत मामले की सूचना उच्चाधिकारियों को दी।

रामनगर रेलवे स्टेशन के स्टेशन सुपरिटेंडेंट राजकुमार बनवाल ने बताया कि जैसे ही चोरी की जानकारी मिली, तुरंत आरपीएफ (रेलवे सुरक्षा बल) को घटना की सूचना दे दी गई है, उन्होंने कहा कि मामले में रामनगर आरपीएफ को रिपोर्ट भेज दी गई है और आगे नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

रेलवे स्टेशन जैसे संवेदनशील क्षेत्र में चोरी होना सुरक्षा व्यवस्था की गंभीर खामी को दर्शाता है, स्थानीय लोगों का कहना है कि रेलवे और सुरक्षा एजेंसियों को स्टेशन पर सुरक्षा बढ़ाने की जरूरत है ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सके। रेलवे परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की जांच की जा रही है ताकि चोरों की पहचान की जा सके। घटना के बाद स्टेशन प्रशासन ने निर्माणाधीन जगहों और संवेदनशील बिंदुओं पर अतिरिक्त निगरानी रखने के निर्देश दिए हैं।

चोरों ने इसी कक्ष का दरवाजा किया चोरी।

होटल में भोजन को पहुंचे रोडवेज कर्मी की मौत

हल्द्वानी : खाना खाने होटल गए रोडवेज कर्मी की मौत हो गई। कर्मी ने खाने का ऑर्डर दिया था। वह टेबल पर बैठे खाने का इंतजार कर रहा था और तभी उसकी हालत बिगड़ गई। आनन-फानन में उसे सोबन सिंह जीना बेस अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया गया।

मूल रूप से जैंती अल्मोड़ा निवासी 59 वर्षीय राजेंद्र प्रसाद परिवार के साथ दो नहरिया में रहते थे और तिकोनिया स्थित परिवहन निगम के आउट सोर्स कर्मी थे। बताया जाता है कि मंगलवार को उन्हें भूख लगी तो खाना खाने के लिए केमू स्टेशन के पास एक होटल में पहुंच गए। उन्होंने खाने का ऑर्डर दिया और बैठकर खाने का इंतजार करने लगे। तभी वह गश खाकर गिर गए। आनन-फानन में उन्हें सोबन सिंह जीना बेस अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

सिटी ब्रीफ

सीएम को ज्ञापन भेजा

भीमताल : सामाजिक कार्यकर्ता पूरन बृजवासी ने मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेज भीमताल में रोडवेज बस स्टेशन और उप जिला अस्पताल खोलने की मांग की है। ज्ञापन में उन्होंने कहा कि भीमताल क्षेत्र लगातार विस्तार कर रहा है। ऐसे में यहां रोडवेज बस स्टेशन और उप जिला अस्पताल की नितांत आवश्यकता है।

पशुपालन मंत्री को बीमा के संदर्भ में पत्र लिखा

भीमताल : ब्लॉक परिसर में विभिन्न ग्रामीण योजनाओं की समीक्षा बैठक ब्लॉक प्रमुख डॉ. हरीश सिंह बिष्ट की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक के दौरान विकासखंड से आए पशुपालकों ने पशुपालन विभाग द्वारा पशुओं का बीमा नहीं किए जाने का मुद्दा उठाया। पशुपालकों ने अवगत कराया कि सरकार की कास्तकारों की आय बढ़ाने संबंधी योजनाएँ पशुओं का बीमा न होने से प्रभावित हो रही हैं। पशुपालक अब बैंकों से ऋण लेकर पशु खरीदने में हिचकिचा रहे हैं और जो पशु उनके पास हैं, उन्हें लेकर भी चिंतित हैं। समस्या की गंभीरता देखते हुए ब्लॉक प्रमुख ने बताया कि उनके द्वारा इस संबंध में पशुपालन मंत्री को पत्र लिखा जा चुका है। उन्होंने आश्वासन दिया कि वे स्वयं मंत्री और मुख्यमंत्री से भी वार्ता कर पशुओं का बीमा करवाने का अनुरोध करेंगे।

जिला विकास प्राधिकरण को समाप्त करने को लेकर तहसील में गरजे जन प्रतिनिधि

मांग नहीं माने जाने पर रामनगर में बड़ा आंदोलन होना तय, उपवास कार्यक्रम में शामिल हुए सैकड़ों लोग

संवाददाता, रामनगर

अमृत विचार: रामनगर में जिला विकास प्राधिकरण को समाप्त किए जाने की मांग एक बार फिर जोर पकड़ने लगी है, बुधवार को रामनगर तहसील परिसर में ब्लॉक प्रमुख मंजू नेगी और जेष्ठ ब्लॉक प्रमुख संजय नेगी के नेतृत्व में उपवास और धरना-प्रदर्शन का आयोजन किया गया। विकास प्राधिकरण के खिलाफ यह बड़ा विरोध कार्यक्रम था जिसमें स्थानीय जनता, जनप्रतिनिधियों और सामाजिक संगठनों की भागीदारी संयुक्त रूप से रही। धरने का नेतृत्व कर रहे ज्येष्ठ ब्लॉक प्रमुख संजय नेगी ने कहा कि विकास प्राधिकरण रामनगर की जनता के लिए उत्पीड़न व लूट का केंद्र बन गया है, उनका आरोप है कि लगभग 70 प्रतिशत क्षेत्र को प्राधिकरण के दायरे में लाने से स्थानीय लोगों पर भारी बोझ बढ़ गया है। ग्रामीण क्षेत्रों से लेकर फल पट्टी तक, हर जगह भवन निर्माण, दुकान निर्माण, होमस्टे और घर बनाने जैसी सामान्य गतिविधियां भी मुश्किल होती जा रही हैं।

धरना स्थल पर मौजूद ब्लॉक प्रमुख मंजू नेगी के साथ बैठे जनप्रतिनिधि। ● अमृत विचार

संजय नेगी ने कहा कि प्राधिकरण की प्रक्रिया इतनी जटिल और लंबी है कि लोग महीनों तक चक्कर काटते रहते हैं लेकिन नक्शा पास नहीं हो पाता है।

उन्होंने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि प्राधिकरण में भ्रष्टाचार बढ़ गया है, रिश्वत मांगना आम बात हो चुकी है और कई बार पैसे देने के बाद भी फाइलें दबा दी जाती हैं। लोगों के भवनो सील करने की धमकियां दी जा रही हैं। उन्होंने बताया कि कुछ समय पहले भी प्राधिकरण हटाने को लेकर सांकेतिक धरना दिया गया था, लेकिन सरकार ने कोई कार्रवाई नहीं की अब फिर आम जनता और जनप्रतिनिधियों के साथ एक दिन का उपवास पर बैठकर उन्होंने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने अब भी ध्यान नहीं दिया, तो रामनगर में बड़ा आंदोलन किया जाएगा। संजय नेगी ने सांसद अनिल बलूनी और विधायक दीवान सिंह बिष्ट को भी आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा कि संसदीय चुनाव को डेढ़ साल बीत गए, लेकिन सांसद एक बार भी रामनगर की समस्याओं पर बात करने नहीं आए। राजस्व ग्राम बनाने का वादा किया था, लेकिन वह आज तक सिर्फ वादा ही है, उन्होंने कहा।

रामनगर के विधायक पर भी उन्होंने सवाल खड़े करते हुए कहा कि विधानसभा में जनता की समस्या पर एक भी सवाल नहीं उठाया गया। उन्होंने चेतावनी दी अगर जनता की आवाज नहीं सुनी गई तो 2027 के चुनाव में इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा, और उनकी विदाई तय है। इस दौरान एसडीएम के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन भी भेजा गया।

धरना स्थल पर मौजूद लोगों ने एक स्वर में मांग की कि प्राधिकरण को रामनगर से तुरंत हटाया जाए और जनता पर हो रहा उत्पीड़न बंद किया जाए। इस दौरान ब्लॉक प्रमुख मंजू नेगी, ज्येष्ठ उप प्रमुख संजय नेगी, कनिष्ठ उप प्रमुख मीना रावत, क्षेत्र पंचायत संगठन अध्यक्ष मिथलेश डंगवाल, प्रतिनिधि राहुल डंगवाल, प्रधान संगठन अध्यक्ष नवीन सती, क्षेत्र पंचायत सदस्य नरेंद्र रावत, क्षेत्र पंचायत सदस्य भूपेंद्र सिंह, प्रधान हज्जन नरगिस, प्रधान प्रतिनिधि हाजी शकील अहमद अंसारी, प्रधान कंचन रावत, छात्रसंघ अध्यक्ष कृष्ण कुमार, पूर्व क्षेत्र पंचायत सदस्य महावीर रावत, पूर्व क्षेत्र पंचायत सदस्य धीरेन्द चौहान, सभासद सचिन कुमार, पूर्व सभासद शिल्पेंदर बंसल, पूर्व सभासद संजय रावत, जुल्फीकार कुरैशी, पूर्व क्षेत्र पंचायत सदस्य राहुल कांडपाल, पूर्व प्रधान इमरान खान, पूर्व प्रधान मोहम्मद अमीर, एडवोकेट पूरन पांडे, गोपू अधिकारी व मोहम्मद अकरम समेत सैकड़ों लोग मौजूद रहें।

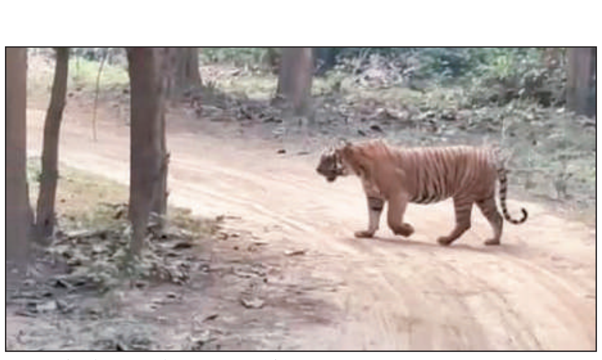

पर्यटन जोन में आराम से भ्रमण करता भोला टाइगर। ● अमृत विचार

फाटो पर्यटन जोन में भोला टाइगर बना आकर्षण का केंद्र

संवाददाता, रामनगर

अमृत विचार: कार्बेट टाइगर रिजर्व से सटे तराई पश्चिमी वन प्रभाग के फाटो पर्यटन जोन में इन दिनों एक बाघ पर्यटकों, जिप्सी चालकों एवं नेचर गाइडों के आकर्षण का केंद्र बना है। जिसे जिप्सी कारोबारी और नेचर गाइड प्यार से 'भोला टाइगर' कहते हैं। इसकी सबसे खास बात यह है कि यह अन्य बाघों की तरह आक्रामक व्यवहार नहीं दिखाता, बल्कि बेहद शांत स्वभाव का है। बताया जा रहा है कि भोला टाइगर इन दिनों लगभग रोज ही पर्यटकों की जिप्सियों के पास नजर आ रहा है। कई बार वह गाड़ियों के बिलकुल करीब आ जाता है, न दहाड़ता है और न ही किसी तरह का डर पैदा करता है। वह बेहद शांत स्वभाव से सड़क किनारे चलता है और जिप्सियों के आसपास घूमने लगता है। यही कारण है इसे स्थानीय गाइडों ने 'भोला' नाम दे दिया।

पर्यटकों का कहना है कि यह टाइगर बेहद आकर्षक है और इसके करीब आने से एक अलग ही अनुभव मिलता है। लोग इसके वीडियो बना कर सोशल मीडिया पर शेयर कर रहे हैं। जिनसे इस जोन की लोकप्रियता बढ़ रही है। जिप्सी व्यवसायियों का कहना है कि भोला के लगातार दिखने से बुकिंग में भी बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। वाइल्डलाइफ़ विशेषज्ञों और गाइडों का कहना है कि टाइगर का इस तरह ज्यादा मानव संपर्क में आना सावधानी की मांग करता है। पार्क प्रशासन भी निगरानी बनाए हुए है ताकि पर्यटक सुरक्षा के साथ जंगल सफारी का आनंद ले सकें। जोन के गाइडों का कहना है कि इस टाइगर का शांत स्वभाव लोगों को रोमांच और शांति का मिश्रण प्रदान करता है।

दिवाकर भट्ट के निधन पर गहरा शोक व्यक्त

नैनीताल : उत्तराखंड राज्य आंदोलनकारी क्रांतिकारी मोर्चा ने उक्रांद के पूर्व केंद्रीय अध्यक्ष और प्रखर राज्य आंदोलनकारी फील्ड मार्शल दिवाकर भट्ट के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। मोर्चा के पदाधिकारियों ने दिवाकर भट्ट को याद करते हुए कहा कि उन्होंने राज्य आंदोलन के दौरान जिस साहस, नेतृत्व क्षमता और जनहित के प्रति प्रतिबद्धता के साथ संघर्ष किया, वह आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत रहेगा। नेताओं ने कहा कि दिवाकर भट्ट सिर्फ राज्य आंदोलनकारियों के ही नहीं, बल्कि उत्तराखंड की जनता की आवाज़ थे। शोक व्यक्त करने वालों में जिला अध्यक्ष गणेश सिंह बिष्ट, नगर अध्यक्ष शाकिर अली, राज्य आंदोलनकारी कंचन चंदोला, इंदर सिंह नेगी, मुकेश जोशी मंटु, मुकुल कांडपाल, वीरेंद्र जोशी, महेश आर्या, मनमोहन सिंह कनवाल, महेश जोशी, पान सिंह सिजवाली, लीला बोरा, रईस अहमद, मुनीर आलम सिद्दीकी, डॉ. अखिलेश भट्ट, दीवान सिंह, पान सिंह रौतेला, मनोज साह, विशन सिंह मेहता, विजय पंत सहित अन्य शामिल रहे।

रामनगर-दून रेल सेवा के शुरू न होने से लोगों में रोष

संवाददाता, रामनगर

अमृत विचार: नगर के विभिन्न समाजिक राजनीतिक संगठनों ने सांसद अनिल बलूनी एवं रेल मंत्री से रामनगर से देहरादून तक रेल सेवा शुरू किए जाने की मांग की है। रामनगर से राजधानी के लिए रेल सेवा नहीं होने से लोगों में गुस्सा है।

राज्य आंदोलनकारी चंद्र शेखर जोशी ने कहा कि राज्य बने इतने साल हो चुके है लेकिन सत्ता में काबिज किसी भी नेता ने रामनगर से देहरादून के लिए रेल सेवा शुरू करने की पहल नहीं की। जिसके चलते रामनगर के लोग अपने को उपेक्षित महसूस कर रहे हैं। हम भारत सरकार से मांग करते हैं कि उत्तराखंड रजत जयंती के अवसर पर रामनगर से देहरादून सीधी रेल सेवा चलाई जाए और रामनगर काशीपुर को मुरादाबाद मंडल से सम्बद्ध किया जाना जरूरी है। प्रगतिशील किसान पूरन शर्मा कहते है कि अभी तक चुने गए कांग्रेस या भाजपा के किसी भी सांसद या विधायक ने आज तक देहरादून के लिए रेल सेवा शुरू किए जाने की कोशिश नहीं की यदि की होती तो लोग आज महंगा सफर बस अथवा टैक्सियों से देहरादून तक नहीं करते। जनता की मजबूर है। युकां जिलाध्यक्ष सुमित लोहनी ने भी रामनगर से देहरादून रेल सेवा शुरू किए जाने की मांग की है। उन्होंने कहा कि रेल मंत्रालय ने पहले से ही हरिद्वार एवं लखनऊ की ट्रेन बंद कर लोगो की सुविधाएं छीनी है। इसे सरकार को पूरा करना ही चाहिए। वर्ना यह माना जाएगा कि डबल इंजन की सरकारों के पायलट फेल हो चुके है।

पूरन शर्मा।

नरेंद्र शर्मा।

चंद्रशेखर जोशी।

सुमित लोहनी।

टीम को देख शराब छोड़ भागे तस्कर

रामनगर: आबकारी टीम को देख मौके से फरार हो गए शराब तस्कर। टीम ने मौके से भारी मात्रा में कच्ची शराब बरामद की। बुधवार को रामनगर के आस पास के क्षेत्र में मय जनपदीय प्रवर्तन टीम नैनीताल एवं रामनगर के द्वारा संयुक्त अलग अलग जगहों पर दबिश दी गई दबिश के दौरान मौके पर दबिश टीम को देख शराब बेचने वाले मौके से फरार हो गए टीम ने त्वरित पीछा किया परंतु कोसी नदी के पानी का सहारा लेते हुए तस्कर भागने में सफल रहे टीम ने मौके से प्लास्टिक कट्टे में 250 पाउच में लगभग 80 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद कर मौके से फरार शराब तस्करों के विरुद्ध आबकारी अधिनियम की धारा 60 में अज्ञात में अभियोग पंजीकृत कर जांच शुरू कर दी है। टीम में सहायक आबकारी आयुक्त हरीश जोशी तथा आबकारी निरीक्षक रामनगर उमेश पाल एवं रुचिका काण्डपाल प्रधान आबकारी सिपाही रमाकांत अलका एवं नव युक्त आबकारी सिपाही शामिल रहे हैं। आबकारी निरीक्षक उमेश पाल ने बताया कि क्षेत्र में लगातार छापेमारी अभियान जारी रहेगा।

पंगूट-देचौरी मोटर मार्ग को मिली वित्तीय स्वीकृति, लोगों में खुशी

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: पंगूट-देचौरी मोटर मार्ग के अवशेष निर्माण कार्य को मिली वित्तीय स्वीकृति के बाद क्षेत्रीय विधायक सरिता आर्या ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का आभार व्यक्त किया है। उन्होंने बताया कि यह सड़क वर्षों से अधर में लटक रही थी, जिसका पूरा होना अब दर्जनों गावों के लिए राहत लेकर आएगा।

लंबे समय से इस सड़क को प्राथमिकता में शामिल कराने की मांग कर रही थीं। पहली किस्त के रूप में 3 करोड़ 26 लाख जारी होने के बाद मार्ग निर्माण शुरू हो चुका था। वहीं हाल ही में जारी 4 करोड़ 63 लाख की दूसरी किस्त से शेष कार्य पूरा होने का रास्ता साफ हो गया है। विधायक सरिता आर्या ने कहा कि यह मार्ग कोटाबाग को पंगुट, नैनीताल और बेतालघाट से जोड़ते हुए पर्यटन के नए द्वार खोलेगा। इसके साथ ही नैनीताल शहर की जाम समस्या को कम करने में भी यह सड़क महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

पर्यटन को मिलेगा बढ़ावा

मंडल महामंत्री हरीश राणा ने बताया कि बगड़ पांगोट क्षेत्र नेचर वॉक और बर्ड वॉचिंग के लिए देश-विदेश में प्रसिद्ध है। सड़क बनने से कोटाबाग और कार्बेट से लगे क्षेत्रों में पर्यटन गतिविधियां बढ़ेंगी, जिससे स्थानीय लोगों को रोजगार के नए अवसर प्राप्त होंगे। यह मार्ग कोटाबाग और बेतालघाट ब्लॉक के एक दर्जन से अधिक गांवों को जोड़ेगा। भविष्य में कालाढूंगी-रामनगर-कोटाबाग होते हुए बेतालघाट, कैंची धाम और नैनीताल पहुंचने के लिए भी महत्वपूर्ण वैकल्पिक रूट साबित होगा। स्थानीय ग्रामीणों ने सड़क निर्माण के लिए मुख्यमंत्री धामी का धन्यवाद ज्ञापित किया है। सड़क निर्माण परियोजना क्षेत्र के विकास, पर्यटन विस्तार और बेहतर संपर्क व्यवस्था की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। विधायक सरिता आर्या ने मुख्यमंत्री धामी का तल्लीताल से भवाली के बीच कैंट क्षेत्र में सड़क चौड़ीकरण के लिए एक करोड़ से अधिक की राशि स्वीकृत करने पर भी आभार जताया है। मंडल

महामंत्री हरीश राणा ने बताया कि बगड़ पांगोट क्षेत्र नेचर वॉक और बर्ड वॉचिंग के लिए देश-विदेश में प्रसिद्ध है। सड़क बनने से कोटाबाग और कार्बेट से लगे क्षेत्रों में पर्यटन गतिविधियां बढ़ेंगी, जिससे स्थानीय लोगों को रोजगार के नए अवसर प्राप्त होंगे। यह मार्ग कोटाबाग और बेतालघाट ब्लॉक के एक दर्जन से अधिक गांवों को जोड़ेगा। भविष्य में कालाढूंगी-रामनगर-कोटाबाग होते हुए बेतालघाट, कैंची धाम और नैनीताल पहुंचने के लिए भी महत्वपूर्ण वैकल्पिक रूट साबित होगा। स्थानीय ग्रामीणों ने सड़क निर्माण के लिए मुख्यमंत्री धामी का धन्यवाद ज्ञापित किया है। सड़क निर्माण परियोजना क्षेत्र के विकास, पर्यटन विस्तार और बेहतर संपर्क व्यवस्था की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। विधायक सरिता आर्या ने मुख्यमंत्री धामी का तल्लीताल से भवाली के बीच कैंट क्षेत्र में सड़क चौड़ीकरण के लिए एक करोड़ से अधिक की राशि स्वीकृत करने पर भी आभार जताया है।

SAHAS Homeo Homeopathic Clinic & Medical Store
साहस होम्यो मेडिकल स्टोर एवं क्लीनिक
जर्मन तथा सभी प्रकार के होम्योपैथिक व बायोकैमिक दवाईयों के विक्रेता
डॉ. यश पाण्डेय
होम्योपैथिक फिजिशियन
बी.एच.एम.एस., जयपुर
चर्म रोग | गुर्दा रोग | पेट रोग | गुदा रोग | लिवर सम्बन्धी रोग
अन्य रोग • स्पोंडिलाइटिस • श्वास रोग • मोटापा • दमा • प्रोस्टेट • माइग्रेन • टान्सिल • एलर्जी • ब्रोनकाइटिस
बच्चों के रोग • पेट का दर्द • अपच • कान में संक्रमण / दर्द • खांसी • जुकाम • निमोनिया • बुखार • दांत निकलना
साहस होम्यो क्लीनिक
निकट गुरुद्वारा, कालाढूंगी रोड, हल्द्वानी
मो. 9456727473, 9410514531 शनिवार अवकाश

अमृत विचार की खबरें अब www.amritvichar.com पर भी पढ़ें

BAREILLY INTERNATIONAL UNIVERSITY
Rohilkhand Medical College Campus, Pilibhit Bypass Road, Bareilly-243006 (UP) India, Phone : 0581-2526051, 053, 153
Email : registrar@biu.edu.in, Website : www.biu.edu.in
For any query contact : 9520876189, 9105500202, 9105500404
Applications are invited from Indian/NRI/Foreign National Students for Admission to Ph.D. Programmes January 2026 session in the following disciplines
• Faculty of Medical Sciences (All Clinical and Non-Clinical Specialities)
• Faculty of Nursing M.Sc. (N) with 3 years teaching or clinical experience
• Faculty of Dental Sciences (All Specilities)
• Humanities and Journalism English
• Faculty of Pharmacy
• Faculty of Management
• Faculty of Allied Health Sciences (Faculty of Paramedical Sciences) (Ph.D. in Medical Laboratory Technology/Physiotherapy)
Application Fee
■ For Indian Candidate Rs. 2000/-
■ NRI/Foreign National Candidate Rs. 5000/- or $60 USD
Last Date of Receiving Application : 30th November, 2025
Application Submission Address : To, The Registrar, Administrative Block, Bareilly International University, Bareilly-243006 (U.P.) India
For more details and application form & application fee, visit university website : www.biu.edu.in
(https://biu.edu.in/reseach/Latest-Application-form-for-PHD-programme.pdf)

खो-खो प्रतियोगिता का शुभारंभ

संवाददाता, कालाढूंगी

अमृत विचार: ज्ञान प्रकाश इंटर कॉलेज धमोला में चार दिवसीय राज्य स्तरीय खो-खो प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। बुधवार को प्रतियोगिता का शुभारंभ करते हुए क्षेत्रीय विधायक बंशीधर भगत ने कहा विद्यार्थियों को खेल कूद में बढ़चढ़ कर हिस्सा लेना चाहिए। जिससे विद्यार्थी शारीरिक तौर पर भी फिट रहता है। राज्य स्तरीय खो-खो प्रतियोगिता में विभिन्न जनपदों के 850 खिलाड़ियों द्वारा प्रतिभाग किया गया। अंतर्राष्ट्रीय वेटरन एथलीट दीपक बिष्ट को सम्मानित भी किया गया। प्रतियोगिता की अध्यक्षता अपर शिक्षा निदेशक बीएस सेमवाल ने की। उद्घाटन समारोह में विद्यालय के छात्र-छात्राओं द्वारा रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। पहली बार राज्य स्तरीय विद्यालय खो-खो प्रतियोगिता मेट पर हो रही है। यहां बीईओ अंशुल बिष्ट, विद्यालय के प्रबंधक फादर साबू, प्रधानाचार्य भुवन सिंह बिष्ट, राहुल पवार, संजय वर्मा, मनीष पवार आदि रहे।

खो-खो प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते खिलाड़ी। ● अमृत विचार

चूहों और बंदरों के आतंक से शहरवासी परेशान

नैनीताल : समाजसेवी संध्या शर्मा ने नगर में बढ़ते चूहों और बंदरों के आतंक तथा चूहों द्वारा सड़क को क्षतिग्रस्त किए जाने के संबंध में एसडीएम को ज्ञापन सौंपकर त्वरित कार्रवाई की मांग की है। संध्या ने ज्ञापन में कहा कि शहर में लंबे समय से बंदरों का अत्यधिक आतंक फैला हुआ है। बंदरों के झुंड घरों, गलियों और सार्वजनिक स्थलों में आक्रामक व्यवहार कर रहे हैं, जिससे आम जनता विशेषकर बच्चों, महिलाओं और बुज़ुर्गों की सुरक्षा पर गंभीर खतरा बना हुआ है। उन्होंने बताया कि चूहे घरों और दुकानों की खाद्य सामग्री, विद्युत तारों और पाइपलाइन को नुकसान पहुंचा रहे हैं तथा कई स्थानों पर सड़कों को भी खोद दिया है। संध्या ने कहा कि कई बार संबंधित अधिकारियों को मौखिक रूप से अवगत कराया जा चुका है, लेकिन आज तक कोई प्रभावी कार्रवाई नही हुई। जिससे जनता में भारी आक्रोश है। ज्ञापन के माध्यम से संध्या ने प्रभावित क्षेत्रों का तत्काल निरीक्षण कराने, बंदरों के आतंक को नियंत्रित करने को आपातकालीन कार्रवाई करने, चूहों द्वारा घरों, दुकानों व सड़कों को नुकसान पहुंचाने से रोकने हेतु विशेष अभियान चलाने, क्षतिग्रस्त सड़कों की शीघ्र मरम्मत कराई जाए, ताकि दुर्घटनाएं रोकी जा सकें। समस्या पर नियंत्रण होने तक नियमित मॉनिटरिंग की जाए।

समस्या | विद्यार्थियों को प्रार्थना और अन्य गतिविधियों के लिए रामलीला मैदान की लेनी पड़ती है शरण

शिक्षा के मंदिर को खेल मैदान व अतिरिक्त कक्षों की दरकार

संवाददाता, भीमताल

अमृत विचार: भीमताल के मल्लीताल बाजार में स्थित सरस्वती शिशु मंदिर क्षेत्र का प्रतिष्ठित शिक्षा संस्थान है, जहां प्रतिदिन 224 विद्यार्थी शिक्षा ग्रहण करने आते हैं। विद्यालय में 13 शिक्षक-शिक्षिकाएं बच्चों को उच्च गुणवत्ता की शिक्षा प्रदान करने में निरंतर प्रयासरत हैं। प्रत्येक सुबह 9 बजे विद्यार्थी विद्यालय परिसर से निकलकर बगल के रामलीला ग्राउंड में प्रार्थना और अन्य गतिविधियों के लिए जाते दिखाई देते हैं। मंगलवार को यहां हनुमान पाठ का आयोजन होता है। वर्तमान में विद्यालय जिला पंचायत द्वारा आवंटित भवन में संचालित है।

बच्चों को शिक्षा के साथ-साथ खेलों में दक्ष बनाने के लिए शनिवार को उन्हें मिनी स्टेडियम ले जाया जाता है। शिक्षा, खेलकूद, संगीत और लोक संस्कृति के क्षेत्र में विद्यालय ने विशिष्ट पहचान बनाई है। लगातार बढ़ती छात्र संख्या के कारण मौजूदा भवन और सीमित स्थान विद्यालय के सामने प्रमुख समस्या बन चुके हैं। पूर्व मुख्यमंत्री भगत सिंह कोश्यारी ने भी विद्यालय के लिए उपयुक्त भूमि उपलब्ध कराने और अतिरिक्त कक्षों की व्यवस्था हेतु प्रशासन को निर्देश दिए थे।

किंतु आज तक ठोस कार्यवाही नहीं हो सकी है। विद्यालय अब भी समुचित भवन और खेल मैदान की प्रतीक्षा में है। भाजपा के जिला मंत्री मनोज भट्ट ने मुख्यमंत्री, सांसद और शिक्षा मंत्री को ज्ञापन भेजकर विद्यालय को आदर्श विद्यालय में स्थानांतरित करने की मांग उठाई है, ताकि भूमि और कक्षा कक्षों की कमी स्थायी रूप से दूर की जा सके।

सरस्वती शिशु मंदिर परिसर, भीमताल। ● अमृत विचार

पूर्व मुख्यमंत्री भगत सिंह कोश्यारी ने मामले पर उचित कार्यवाही के निर्देश जिला पंचायत को दिए थे। जिला पंचायत द्वारा प्रस्ताव आगे भेजा जा चुका है। **– विजय पांडे**, प्रधानाचार्य, सरस्वती शिशु मंदिर, भीमताल

विद्यालय को आदर्श विद्यालय में स्थानांतरित करने का अनुरोध मैंने किया है। ऐसा होने पर भूमि और कक्षा कक्षों की समस्या समाप्त हो जाएगी। इस संदर्भ में सांसद, मुख्यमंत्री और शिक्षा मंत्री को निवेदन किया गया है। **– मनोज भट्ट**, जिला मंत्री, भाजपा

दुनिया का सबसे बड़ा संविधान होना हमारे लिए गर्व की बात

विभिन्न संगठनों और राजनीतिक दलों ने उत्साह के साथ मनाया संविधान दिवस, संविधान की रक्षा करने का लिया संकल्प, लोकतंत्र का बताया महत्व

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: विभिन्न संगठनों ने मंगल पड़ाव स्थित डॉ. आंबेडकर पार्क में संविधान दिवस पर कार्यक्रम आयोजित किया। साथ ही पथ संचलन करते हुए बुद्ध पार्क भी गए।

मूल निवासी संघ के प्रदेश अध्यक्ष दीपक चनियाल ने कहा कि 26 नवंबर को संविधान अंगिकृत किया गया था। संविधान ने ही यह व्यवस्था करी कि भारत के राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री चुनकर आएंगे, न कि किसी राजा महाराजा कि तरह पेट से जन्म लेंगे। पीपीआईडी के राष्ट्रीय सचिव प्रमोद कुमार ने कहा कि 389 सदस्यों वाली संविधान सभा का गठन किया गया। विभाजन के बाद संविधान सभा में केवल 299 सदस्य बचे थे। भीम आर्मी के जिलाध्यक्ष नफीस अहमद खान ने कहा कि यह गर्व की बात है कि दुनिया का सबसे बड़ा संविधान भारत का संविधान है। अन्य वक्ताओं ने बाबा साहेब का बनाए गए संविधान से देश के हर नागरिक को वोट करने का हक मिला है।

इस दौरान पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष सुमित्रा प्रसाद, जीआर आर्य, आरपी गंगोला, आरआर लोहिया, जीआर टम्टा, बीएल आर्य, केके बोरा, शंकर लाल, सुंदरलाल बौद्ध, सुनीता आर्य, फिरोज खान, सखावत हुसैन, आकाश भारती, हरीश लोधी, संजय कुमार टम्टा, महेश चंद्र आर्य आदि थे।

वंदेमातरम का हुआ सामूहिक गायन : राजकीय मेडिकल कॉलेज, हल्द्वानी में संविधान दिवस गरिमा और उत्साह के साथ मनाया। इस अवसर पर राष्ट्रगीत वंदेमातरम का सामूहिक गायन हुआ। प्राचार्य डॉ. जीएस तितियाल ने कहा कि संविधान दिवस केवल एक ऐतिहासिक तिथि मात्र नहीं है, बल्कि यह भारत की आत्मा, मूल्यों, आदर्शों और लोकतांत्रिक संकल्पों का उत्सव है। कार्यक्रम में कॉलेज के विभिन्न विभागों के संकाय सदस्यों, अधिकारियों, कर्मचारियों तथा छात्रों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया।

हल्द्वानी में बुधवार को संविधान की शपथ लेते कांग्रेसी। ● अमृत विचार

कांग्रेस ने मनाया संविधान बचाओ दिवस

हल्द्वानी : संविधान दिवस के अवसर पर कांग्रेस ने संविधान बचाओ दिवस मनाया। महानगर कांग्रेस कमेटी ने डॉ. भीमराव आंबेडकर पार्क, दमुवाढूंगा में कार्यक्रम आयोजित किया। महानगर अध्यक्ष गोविंद सिंह बिष्ट ने कहा कि संविधान ने भारत को एक मजबूत लोकतांत्रिक पहचान दी है, और वर्तमान समय में इसकी मूल भावना की रक्षा करना हर नागरिक का कर्तव्य है। चुनावी प्रक्रिया में वोट चोरी, लोकतांत्रिक संस्थाओं के दुरुपयोग और संदिग्ध एसआईआर आधारित गतिविधियों के माध्यम से संविधान पर लगातार हमले हो रहे हैं। कार्यक्रम में संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक वाचन किया गया। इस दौरान हरीश लाल वैध, पार्षद मुकुल बलुटिया, जगदीश भारती, महेशानंद, लक्ष्मीकांत, विनोद कुमार पिन्नु, लाल सिंह पवार, रंजीत डसीला, प्रदीप बिष्ट, चंदन भाकुनी, संजय जोशी, बृजेश कुमार, शोभित आर्य, रमेश लाल, योगेंद्र पाठक, मोहित दुर्गापाल, सुनील कुमार, बंटू, रहमान, कुंदन बिष्ट, मनोहर सांगूड़ी, सौरव अरोरा, तरुण कुमार, निपुण देवरिया आदि थे।

नैनीताल में संविधान दिवस पर डॉ. भीमराव अंबेडकर को याद करते कांग्रेस कार्यकर्ता।

कांग्रेस ने मनाया संविधान दिवस, समतामूलक भारत निर्माण का लिया संकल्प

नैनीताल : नगर कांग्रेस कमेटी, नैनीताल द्वारा मंगलवार को संविधान दिवस के अवसर पर पार्टी कार्यालय तल्लीताल में गोष्ठी का आयोजन कर देश एवं प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं प्रेषित की गईं। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए नगर अध्यक्ष अनुपम कबड़वाल ने कहा कि भारतीय संविधान न सिर्फ देश का सर्वोच्च विधान है बल्कि देश की लोकतांत्रिक आत्मा भी है। उन्होंने संविधान निर्माताओं के ऐतिहासिक योगदान को नमन करते हुए कहा कि उन्होंने हमें न्याय, सत्यता, स्वतंत्रता, समता और बंधुत्व जैसे अनमोल मूल्य प्रदान किए, जो भारत की प्रगति की आधारशिला हैं।इस अवसर पर उपस्थित कांग्रेसजनों ने संविधान के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए एक समतामूलक, न्यायपूर्ण और सशक्त भारत के निर्माण का संकल्प लिया।कार्यक्रम में वरिष्ठ कांग्रेसी सुरेश चंद्रा, नगर वरिष्ठ उपाध्यक्ष पप्पू कर्नाटक, व्यापार मंडल उपाध्यक्ष नासिर खां, उपसचिव शैलू उप्रेती, नगर महामंत्री कैलाश अधिकारी, नगर सचिव बंटू आर्या, छात्रसंघ महासचिव आयुष कुमार, जिला उपाध्यक्ष यूथ कांग्रेस ललित सिंह बोरा सहित बलवंत सिंह चमियाल, विनोद सिंह परिहार आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

महिला कॉलेज में राष्ट्रगीत वंदे मातरम का गायन

हल्द्वानी : संविधान दिवस पर राजकीय महिला डिग्री कॉलेज में राष्ट्रगीत वंदे मातरम का सामूहिक गायन हुआ। कॉलेज परिसर में आयोजित कार्यक्रम में प्राध्यापक, शिक्षणेतर कर्मचारी और छात्राओं ने भाग लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. आभा शर्मा ने की। उन्होंने संविधान से संबंधित महत्वपूर्ण तथ्यों की जानकारी दी।

संविधान दिवस पर विशेषज्ञों ने रखे विचार

नैनीताल : डीएसबी परिसर में मंगलवार को संविधान दिवस उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ राष्ट्रगान के साथ हुआ और धन्यवाद प्रस्ताव के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम निदेशालय, भारत सरकार युवा मंत्रालय, बॉटनी विभाग, राजनीति विज्ञान विभाग, यूआईआईसी तथा डीएसडब्ल्यू ने संयुक्त रूप से आयोजित किया गया। मुख्य वक्ता निदेशक, प्रो. नीता बोरा ने कहा कि भारतीय संविधान न केवल हमें स्वतंत्रता देता है बल्कि अखंडता, समानता और शांति का मार्ग भी दिखाता है। विजिटिंग प्रोफेसर डॉ. ललित तिवारी ने संविधान की प्रमुख विशेषताओं पर प्रकाश डाला। उपनिदेशक डॉ. डोलवी टिवेटिया ने कहा कि भारत का संविधान दुनिया के सबसे बड़े लिखित संविधानों में से एक है, जो नागरिकों को समानता का अधिकार देता है। कार्यक्रम को प्रो. कल्पना अग्रहरि, विधि विभाग के डॉ. सुरेश पांडे, डॉ. दीपिका पंत, सचिव आयुष कुमार तथा सांस्कृतिक सचिव भावेश ने भी संबोधित किया। वक्ताओं को मेरा युवा भारत की ओर से प्रतीक चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर छात्र संघ द्वारा वाद-विवाद, भाषण व कविता प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

कालाढूंगी में डॉ. भीमराव आंबेडकर की मूर्ति पर माल्यार्पण करते अतिथि व आयोजक।

कालाढूंगी में धूमधाम से मनाया संविधान दिवस

कालाढूंगी : डॉ. अंबेडकर एकता फाउंडेशन कालाढूंगी के तत्वावधान में संविधान दिवस मनाया गया। मुख्य अतिथि नगर पालिका अध्यक्ष रेखा कत्यूरा, विशिष्ट अतिथि जिला पंचायत सदस्य अनिता आर्या ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया। आंबेडकर पार्क में उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण पर उन्हें याद किया गया। फाउंडेशन के अध्यक्ष जगदीश चंद्र, सामाजिक कार्यकर्ता अरविंद कुमार ने डॉ. भीमराव आंबेडकर की जीवनी पर प्रकाश डाला। इस मौके पर पालिकाध्यक्ष रेखा कत्यूरा को ज्ञापन सौंप नगर क्षेत्र में आंबेडकर मैदान, भवन, पुस्तकालय खोले जाने की मांग की। उपसचिव भुवन चंद्र टम्टा, प्रचार मंत्री भुवन चंद्र आर्या, महासचिव मदन चंद्र, सदस्य जैनब,चंद्र टम्टा, सुमन अधिकारी, महमूद हसन बंजारा, अतीक अहमद, नसीम खान, मुराद बाल्मिकी, पूर्व सभासद नवीन, अनिल, मसरूफ, सरवर अली रहे।

भाषण प्रतियोगिता की विजेता को सम्मानित करते प्राचार्य डॉ. एनएस बनकोटी।

संविधान दिवस भाषण में साक्षी ने मारी बाजी

हल्द्वानी : एमबीपीजी कॉलेज के राजनीति विज्ञान विभाग में संविधान दिवस पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसके मुख्य अतिथि प्राचार्य प्रो. एनएस बनकोटी और विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. आरके मिश्रा रहे। कार्यक्रम में संविधान दिवस पर भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें विभिन्न विभागों के विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में साक्षी कठेरिया (बीएससी प्रथम सेमेस्टर) प्रथम, सोनाक्षी (बीए प्रथम सेमेस्टर) द्वितीय और कुबेर सिंह (एमए राजनीति विज्ञान प्रथम सेमेस्टर) तृतीय स्थान पर रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विभाग प्रभारी डॉ. अलका शर्मा और मंच संचालन डॉ. अशोक कुमार ने किया। निर्णायक मंडल में डॉ. सुनीता उपाध्याय, डॉ. डिग्री जेसी जोशी और डॉ. एमएस कुटियाल ने प्रतिभागियों को भाषण कला से संबंधित मार्गदर्शन भी दिया। कार्यक्रम के समापन पर प्राचार्य ने संविधान दिवस की प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में विभाग के अन्य प्राध्यापक भी उपस्थित रहे।

सिटी ब्रीफ

संविधान दिवस पर हुए विभिन्न कार्यक्रम

हल्दूचौड़ : लाल बहादुर शास्त्री राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय हल्दूचौड़ में संविधान दिवस तथा राष्ट्रीय गीत वन्दे मातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने पर प्राचार्य प्रोफेसर डॉ. सीमा श्रीवास्तव के निर्देशन में कार्यक्रम आयोजित हुआ। यहां प्राचार्य प्रो. डॉ. सीमा श्रीवास्तव, डॉ. अरुण कुमार चतुर्वेदी, डॉ. प्रदीप मंडल, प्रो. डॉ. ललित मोहन पाण्डे, डॉ. हेम चन्द्र पाण्डे, डॉ. मनोज कुमार जोशी रहे।

व्यापार मंडल ने भट्ट के निधन पर जताया शोक

हल्द्वानी : प्रांतीय नगर उद्योग व्यापार मंडल ने प्रमुख राज्य आंदोलनकारी फील्ड मार्शल दिवाकर भट्ट के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया। संगठन के महानगर अध्यक्ष राजीव अग्रवाल और प्रदेश संगठन प्रभारी वीरेंद्र गुप्ता ने इसे राज्य की अपूरणीय क्षति बताया। शोक व्यक्त करने वालों में राजेंद्र फर्स्वाण, देवेश अग्रवाल, कुंदन बिष्ट, प्रज्ञान भारद्वाज, शकील अहमद, देवेंद्र कोहली, नुसरत सिद्दकी, चमन गुप्ता, कुंदन रावत, ललित जायसवाल शामिल रहे।

विधायक ने डामरीकरण कार्य का शिलान्यास किया

हल्द्वानी : भीमताल विधायक राम सिंह कैड़ा ने बुधवार को बोहराकुन-आमडाली-तल्लीताल से भीमेश्वर मंदिर-ढुंगासील मोटर मार्ग के डामरीकरण व सुधारीकरण कार्य का शिलान्यास किया। विधायक कैड़ा ने कहा कि उक्त मार्ग लंबे समय से बदतर हाल में था। लोनिवि ने डीपीआर शासन को भेजी थी। विधायक कैड़ा ने पैरवी कर शासन से 1.03 करोड़ रुपए मोटर मार्ग के लिए स्वीकृत कराए हैं। इस दौरान मंडल अध्यक्ष कमल जोशी, अनिल दनौतिया, पंकज उप्रेती, धन सिंह राणा मौजूद रहे।

पुलिस ने संवैधानिक निष्ठा का संकल्प लिया

हल्द्वानी : संविधान दिवस पर एसएसपी डॉ.मंजूनाथ टीसी के निर्देश पर पूरे जिले में शपथ समारोह का आयोजन किया गया। पुलिस कार्यालय हल्द्वानी में एसपी डॉ. जगदीश चंद्रा ने पुलिस कर्मियों को संविधान के आदर्शों की जानकारी दी। जिले के थाना, चौकी में संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक वाचन किया गया।

नवनिर्वाचित वार्ड सदस्यों का स्वागत करतीं ग्राम विकास अधिकारी ज्योति पांडे।

ग्राम प्रधान की अध्यक्षता में खुली बैठक का आयोजन

हल्दूचौड़ : आज ग्राम पंचायत पदमपुर देवलिया में ग्राम प्रधान रमेश चंद्र जोशी की अध्यक्षता में खुली बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में नवनिर्वाचित वार्ड सदस्यों का माल्यार्पण कर स्वागत किया गया। खुली बैठक में ग्रामीणों ने अपनी समस्या दर्ज की। जिसमें सड़क, गूल, पेयजल टैंक, पुलिया, सोलर लाइट, वृद्धावस्था पेंशन, विधवा पेंशन, किसान पेंशन, विकलांग पेंशन, लाल कार्ड, सफेद कार्ड, पीले कार्ड सहित कई समस्याओं के मुद्दे छाए रहे। जल जीवन मिशन की समस्या सबसे ज्यादा छाई रही। जल जीवन मिशन के तहत पेयजल लाइनों की जगह-जगह पर लीकेज, सड़क निर्माण सबसे ज्यादा दिक्कत कर रहा है। ग्राम प्रधान रमेश जोशी ने ग्रामीणों को आश्वासन दिया कि शीघ्र ही इन सभी समस्याओं का समाधान होगा विगत 6 महीने से रुके हुए जो विकास कार्य है वह पुन: अब शुरू होंगे। बैठक में नवनिर्वाचित सदस्य कमला कबडवाल, भावना जोशी, चंपा कबड़वाल, कमला दुर्गापाल, नेहा जोशी, कृष्णा देवी, हेमचंद्र चंदोला, केशव दत्त खोलिया, भास्कर पांडे, प्रकाश चंद्र पांडे सहित दर्जनों ग्रामीण रहे।

संविधान की रक्षा की शपथ दिलाई

रामनगर: कृषि उत्पादन मंडी समिति में संविधान दिवस मनाया गया। मंडी सचिव सहील अहमद ने मंडी कर्मचारियों एवं आढ़तियों को शपथ दिलाई गई।

यहां आढ़ती एसोसिएशन के उपाध्यक्ष मो. इकबाल, मुनाजिर हुसैन, मैराज अल्वी, मंडी सहायक सुरेन्द्र सिंह, ललित पंत, दीपक पाठक, सोहनलाल, आंचल कुमारी, मुदित दुर्गापाल, तारा दत्त जोशी, दीपा मनराल, पुष्पा देवी, गीता देवी रहे। वहीं कांग्रेस कार्यालय में आयोजित गोष्ठी में वक्ताओं ने भाजपा सरकार पर संविधान की धज्जियां उड़ाने का आरोप लगाया। पूर्व विधायक रणजीत रावत ने कहा कि संविधान की रक्षा करने के लिए आम जन को कांग्रेस के संघर्ष में साथ देने की आज जरूरत है। यहां अनिल अग्रवाल खुलासा, भुवन पांडे, नजाकत अली, लीला धर जोशी, पुष्पा देवी आदि रहे।

नए लेबर कोड्स की प्रतियों का किया दहन

संवाददाता, रामनगर

अमृत विचार: देशभर में केंद्र सरकार के नए लेबर कोड्स के खिलाफ जारी विरोध के बीच बुधवार को लखनपुर चुंगी में इंकलाबी मजदूर केंद्र ने प्रतियों का दहन कर प्रदर्शन किया गया। संगठन ने इन लेबर कोड्स को घोर मजदूर-विरोधी बताते हुए इन्हें तत्काल वापस लेने की मांग की।

बताते चलें कि संयुक्त किसान मोर्चा तथा केंद्रीय ट्रेड यूनियनों ने 26 नवंबर को ऐतिहासिक किसान आंदोलन के पांच वर्ष पूरे होने पर राष्ट्रव्यापी विरोध प्रदर्शनों का आह्वान किया था। इसी क्रम में इंकलाबी मजदूर केंद्र ने मजदूर अधिकार संघर्ष अभियान (मासा) के घटक संगठन के रूप में देशव्यापी विरोध में भागीदारी की। विरोध सभा में वक्ताओं ने कहा कि 2021 में दिल्ली की सीमाओं पर बैठे किसानों के उठने के बाद केंद्र सरकार ने जो वादे किए थे, वे आज तक पूरे नहीं हुए हैं। सभी फसलों पर न्यूनतम समर्थन मूल्य की गारंटी आज भी अधर में है। वक्ताओं ने कहा कि अब मज़दूर वर्ग पर हमला करते हुए मोदी सरकार ने चार नए लेबर कोड्स लागू कर दिए हैं। इनके माध्यम से ट्रेड यूनियन के अधिकार, 8 घंटे कार्यदिवस का कानूनी अधिकार और हड़ताल का संवैधानिक अधिकार गंभीर रूप से कमजोर कर दिया गया है। इन कोड्स में ठेका प्रथा को और बेलगाम किया गया है, जबकि महिला मजदूरों से रात की पाली में काम लेने का निर्णय पूंजीपतियों के हितों को बढ़ावा देने वाला बताया गया। विरोध प्रदर्शन में रोहित रुहेला, भुवन आर्या, तुलसी छिम्वाल, गीता आर्या, मुनीष कुमार, किशन शर्मा, लालमणि, किरण आर्या और परिवर्तनकामी छात्र संगठन के राज व प्रीति समेत कई लोग मौजूद रहे।

नये लेबर कोड्स की प्रतियां जलाते लोग। ● अमृत विचार

लेबर कोड को बताया शोषण का दस्तावेज

हल्द्वानी : संविधान दिवस के अवसर पर लेबर कोड के खिलाफ राष्ट्रव्यापी विरोध के तहत अखिल भारतीय किसान महासभा बागजाला के किसानों ने लेबर कोड को श्रमिकों के शोषण का दस्तावेज बताते हुए उसकी प्रतियां जलाकर विरोध प्रदर्शन किया। किसानों ने बागजाला को मालिकाना हक देने और नए निर्माण पर लगी रोक हटाने की मांग का समर्थन भी किया। कार्यक्रम में संगठन के प्रदेश अध्यक्ष आनंद सिंह नेगी ने वर्तमान सरकार पर संवैधानिक संस्थाओं को कमजोर करने, श्रमिक-किसानों के अधिकारों को सीमित करने और संसाधनों को कॉरपोरेट जगत के हवाले करने का आरोप लगाया। विरोध प्रदर्शन में डॉ. उर्मिला रैस्वाल, विमला देवी, मीना भट्ट, हेमा देवी, हेमलता, सुनीता, शोभा, चंदन सिंह मटियाली, दिनेश चंद्र, पार्वती रहे।

शीशमहल शिव मंदिर का पुनर्निर्माण शुरू

हल्द्वानी : शीशमहल में स्थित लगभग 50 वर्ष पुराने पौराणिक शिव मंदिर के पुनर्निर्माण कार्य का शुभारंभ बुधवार को विधिवत पूजा-अर्चना के साथ किया गया। युवा सामाजिक व सांस्कृतिक समिति, शीशमहल की ओर से आयोजित कार्यक्रम में पंडित कैलाश बेलवाल और पंडित केशव चंद तिवारी ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच भूमि-पूजन कर निर्माण कार्य की शुरुआत कराई।

समिति सदस्यों ने मंदिर निर्माण में क्षेत्रवासियों और भक्तों से सहयोग की अपील की। मंदिर पुनर्निर्माण के अवसर पर विभिन्न राजनीतिक दलों व सामाजिक संगठनों के जनप्रतिनिधियों ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। कार्यक्रम में विधायक बंशीधर भगत, सुमित हृदयेश, पूर्म मेयर जोगेन्द्र पाल सिंह रौतेला, भाजपा जिलाध्यक्ष प्रताप बिष्ट, कांग्रेस प्रवक्ता दीपक बलूटिया आदि मौजूद रहे।

शरद शब्दोत्सव में साहित्य का संगम बाल कवियों ने सुनाई अपनी रचनाएं

- बाल कवियों के 'शरद शब्दोत्सव' में प्रासंगिक विषयों की गूंज
- दिल्ली पब्लिक स्कूल में हरफनमौला साहित्यिक संस्था का आयोजन

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : दिल्ली पब्लिक स्कूल और हरफनमौला साहित्यिक संस्था के संयुक्त तत्वावधान में बुधवार को शरद शब्दोत्सव का भव्य आयोजन किया गया। इस साहित्यिक संगम में पूरे कुमाऊं क्षेत्र के लगभग 12 स्कूलों के 65 से अधिक बाल कवियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपनी रचनात्मकता से समां बांध दिया।कार्यक्रम का शुभारंभ डीपीएस के चेयरमैन भूमेश अग्रवाल, प्रधानाचार्या रंजना शाही, एलीवेट ग्लोबल स्कूल रुद्रपुर के चेयरमैन परमजीत सिंह सलूजा, डायरेक्टर गगनप्रीत कौर, इलाईट पब्लिक स्कूल गौलापार के प्रबंधक उमेश चुफाल, स्वस्त्यन स्कूल की प्रधानाचार्या लवी शर्मा ने दीप प्रज्ज्वलन कर किया।

इस उत्सव की सबसे खास बात यह रही कि बाल कवियों ने केवल पारंपरिक विषयों तक खुद को सीमित नहीं रखा। उन्होंने दिल्ली बम विस्फोट, देश की गौरवशाली महिला क्रिकेट टीम, और हाल ही में हुई घराली-थराली आपदा जैसे ज्वलंत तथा प्रासंगिक सामाजिक-राष्ट्रीय विषयों पर कविताएं सुनाकर सभी श्रोताओं और अतिथियों को आश्चर्यचकित कर दिया। बच्चों की इन गहरी और विचारोत्तेजक प्रस्तुतियों ने उनकी जागरूकता और संवेदनशीलता का परिचय दिया। आयोजकों ने बच्चों के इस प्रतिभा संगम को प्रोत्साहित करते हुए इसे साहित्य और समाज के लिए एक शुभ संकेत बताया। इस मौके पर आरती फुलेरिया, ज्योति शर्मा, पंकज कंसल रहे।

दिल्ली पब्लिक स्कूल में प्रमाण पत्रों के साथ बाल कवि, साथ में आयोजक।

कोल्ट्स की जीएनजी पर 8 विकेट से जीत

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: अंडर-14 जिला क्रिकेट लीग का आज का पहला मैच बुधवार को कोल्ट्स क्रिकेट ग्राउंड में जीएनजी और कोल्ट्स क्रिकेट अकादमी के बीच खेला गया। जीएनजी क्रिकेट अकादमी ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी की, जिसमें पूरी टीम 49वें ओवर में 190 रन बनाकर आल आउट हो गयी। विहान बवारी ने 53, ईशान जोशी ने 41, कृष्णम पांडे ने 22 और प्रखर ने 18 रनों का योगदान दिया।

कोल्ट्स क्रिकेट अकादमी के गेंदबाज वंश रावत ने 5, कुनाल हलसी ने 3, दीक्षांत और अभिषेक ने 1-1 विकेट लिया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी कोल्ट्स क्रिकेट अकादमी की टीम ने 18वें ओवर में 2 विकेट के नुकसान पर 191 रन बनाकर 8 विकेट से मैच जीत लिया। कुनाल हलसी ने 68, कार्तिक रावत ने 65 और अंश पाल ने 46 रनों का योगदान दिया। जीएनजी के गेंदबाज जय और प्रखर ने 1-1 विकेट लिया। मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार अलराउंड प्रदर्शन के लिए कुनाल हलसी को दिया गया। वहीं दूसरा मैच जीएनजी क्रिकेट ग्राउंड में डीके स्पोर्ट्स अकादमी और तन्मय क्रिकेट अकादमी के बीच खेला गया। तन्मय क्रिकेट अकादमी ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। पूरी टीम 50वें ओवर में 165 रनों पर आलआउट हो गयी। हर्षित धामी ने 55, हर्ष भगत ने 37 और अर्जुन मोहन ने 27 रन बनाए। डीके स्पोर्ट्स अकादमी के देवांग नेगी ने 6 अनामय पाण्डे ने 2, ओम और ईशान जोशी ने 1-1 विकेट लिया। डीके स्पोर्ट्स अकादमी ने 18वें ओवर में एक विकेट पर 166 रन बनाकर 9 विकेट से मैच जीत लिया। भावेश रावत ने नाबाद 72 और हार्दिकराज ने 58 रन बनाए।

आईआईटी रुड़की व यूओयू के बीच एमओयू

हल्द्वानी: उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय (यूओयू) और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) रुड़की के बीच बुधवार को एक महत्वपूर्ण एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। कार्यक्रम में उत्तराखंड मुक्त विवि की ओर से प्रो. गिरजा पांडे ने आईआईटी रुड़की के निदेशक प्रो. कमल किशोर पंत का औपचारिक स्वागत हुआ। उन्होंने कहा कि यह एमओयू पाठ्यक्रम विकास, शोध-अनुसंधान और नवाचार को मजबूत करेगा। इससे यूओयू के छात्रों और शोधार्थियों को अत्याधुनिक तकनीकी और शोध अवसरों का लाभ मिलेगा। आईआईटी रुड़की के निदेशक प्रो. कमल किशोर पंत ने बताया कि संस्थान कृषि एवं खाद्य उत्पाद तकनीक, जैविक नवाचारों और डेटा-सेंसर आधारित तकनीकों को किसानों तक पहुंचाने के लिए विशेष प्रयास कर रहा है। इस मौके पर प्रो. आशुतोष भट्ट, कुलसचिव डॉ. खेमराज, प्रो. जीतेंद्र पांडे, प्रो. राकेश रयाल, प्रो. रेनू प्रकाश रहे।

ओवरहेड टैंक निर्माण के शिलान्यास के दौरान विधायक प्रतिनिधि विकास भगत व अन्य।

ब्लॉक दफ्तर के समीप डबल डेकर ओवरहेड टैंक निर्माण का शिलान्यास

हल्द्वानी : भाजपा प्रदेश प्रवक्ता एवं विधायक प्रतिनिधि विकास भगत, पार्षद प्रमोद पंत, मनोज भट् एवं चंद्रप्रकाश ने बुधवार को ब्लॉक दफ्तर में उत्तराखंड अर्बन सेक्टर डेवलपमेंट एजेंसी ने डबल डेकर ओवर हेड पेयजल टैंक निर्माण का शिलान्यास नारियल फोड़ किया। विधायक प्रतिनिधि विकास ने कहा कि इस योजना की लागत 8 करोड़ है जिससे बनने वाले डबल डेकर टैंक की क्षमता 21 लाख लीटर होगी। इससे टीम वार्डों की लगभग 25 हजार की आबादी को लाभ होगा। वरिष्ठ भाजपा नेता महेश शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, तत्कालीन शहरी विकास मंत्री बंशीधर भगत, सांसद अजय भट्ट के अथक प्रयासों से इस हल्द्वानी के लिए हजारों करोड़ का पैकेज मिला। इसके माध्यम से हल्द्वानी में सभी वार्डों मे पेयजल योजना एवं सीवर लाइन बिछाने का काम चल रहा है। इस अवसर पर राष्ट्रीय संविधान दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को संविधान की शपथ दिलाई। इस दौरान प्रोजेक्ट मैनेजर कुलदीप सिंह, एई डीडी पांडेय, एई रोहित जोशी, गोविन्द बर्थी, सोबन भड़, डूंगर तौलिया, परमवीर पम्मा, जीएस धोपोला, नंदन सामंत, जीएस पांडेय, जगजीत भुल्लर, मनीष आर्य मौजूद रहे।

बाजपुर के नगरपालिका अंबेडकर पार्क में बाबा साहब डॉ.भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण करते सर्वसमाज के लोग।

राजकीय महाविद्यालय किच्छा में आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित छात्र-छात्राएं। ● अमृत विचार

नोजगे में विजेताओं को पुरस्कृत करते अतिथि। ● अमृत विचार

संविधान की महत्ता पर प्रकाश डाला, शपथ ली

संविधान दिवस पर विभिन्न संस्थाओं ने किए कार्यक्रम, वन्देमातरम गीत के 150 वर्ष पूर्ण होने पर सामूहिक गायन किया

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचार: संविधान दिवस पर विभिन्न संस्थाओं में आयोजित कार्यक्रमों में संविधान की महत्ता पर प्रकाश डाला गया। इस दौरान विधिक साक्षरता शिविर में बच्चों को कानून से संबंधित जानकारी दी गई।

उदयराज हिंदू इंटर कॉलेज में आयोजित कार्यक्रम में शिक्षकों तथा छात्रों ने देश के संविधान में निहित रूपरेखा के बारे में प्रकाश डालते हुए कहा कि हमारा संविधान सरकार की शक्तियों को सीमित कर सत्ता के दुरुपयोग को रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इस अवसर पर वंदे मातरम गीत जिला संयोजक जनप्रतिनिधि सर्वेश कुमार शर्मा ''शशि'', भाजपा जिला मंत्री सुशील कुमार शर्मा, सुभाष चंद्र शर्मा, मेजर मुनीशकांत शर्मा, महेश चंद्र आर्या आदि मौजूद रहे। इधर चंद्रावती तिवारी कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय में संविधान दिवस के अवसर पर "वन्देमातरम" गीत के 150 वर्ष पूर्ण होने पर सामूहिक गायन का आयोजन हुआ। राष्ट्रगान व राष्ट्रगीत गायन के बाद असि. प्रो. डॉ. रंजना ने संविधान दिवस पर संविधान पर प्रकाश डाला। वहां पर महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. कीर्ति पंत, डॉ. रंजना, एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. दीपिका गुड़िया आत्रेय आदि मौजूद थे। इधर शिवालिक होली माउण्ट एकेडमी में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वाधान में विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि सृष्टि बनियाल न्यायिक मजिस्ट्रेट एवं सचिव तहसील विधिक सेवा समिति, पीएलवी सदस्य रणधीर सिंह सैनी, कुसुमलता, एसआई बीआर पौरी, विद्यालय के प्रबंध निदेशक बसंत बल्लभ भट्ट एवं संयुक्त प्रबन्ध निदेशक कबीन्द्र सिंह डसीला द्वारा कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। मुख्य अतिथि द्वारा विद्यार्थियों को अपने मौलिक कर्तव्यों एवं अधिकारों के प्रति जागरूक रहने की शिक्षा दी। कानूनी जानकारियों के तहत शिक्षा का अधिकार, सामाजिक जीवन का अधिकार, बाल श्रम का अधिकार, मोटर व्हीकल एक्ट, नशा मुक्ति एक्ट, पॉक्सो एक्ट के विषय में बताया गया। उधर कृषि उत्पादन मंडी समिति काशीपुर के कार्यालय में मण्डी समिति कर्मचारियों तथा आढ़तिया एसोसिएशन द्वारा संविधान की शपथ ली गई। इस अवसर पर समिति के प्रभारी सचिव योगेश कुमार तिवारी, आढ़तिया एसोसिएशन के अध्यक्ष अंकुर अग्रवाल, मंडी निरीक्षक नवनीत कुमार, महेन्द्र सिंह नपल्याल आदि मौजूद रहे।

शपथ दिलाते परिषद् के वैज्ञानिक डॉ. मणिन्द्र मोहन। ● अमृत विचार

वैज्ञानिक डॉ. मणिन्द ने संविधान दिवस पर दिलायी शपथ

पंतनगर : संविधान दिवस पर उत्तराखंड जैव प्रौद्योगिकी परिषद हल्दी के वैज्ञानिकों, अधिकारियों व कर्मचारियों ने संविधान की शपथ ली। वैज्ञानिक डॉ. मणिन्द्र मोहन ने शपथ दिलायी। शपथ के दौरान संविधान दिवस का महत्व, इसकी ऐतिहासिक पृष्ठभूमि और संविधान में निहित मूल्यों जैसे न्याय, स्वतंत्रता, समानता एवं बंधुता की भावना पर प्रकाश डाला गया। यहां डॉ. कंचन कार्की, डॉ. सुमित पुरोहित सहित अनुज कुमार, सचिन शर्मा, सरिता बिष्ट, सौरभ पंडा, ललित कुमार, नितिन, अमन, सपना, मानसी, प्रदीप उपस्थित रहे।

सितारगंज में संविधान की रक्षा करने का संकल्प लेते एसएसबी जवान।

किच्छा महाविद्यालय में हुई कार्यशाला

किच्छा : राजकीय महाविद्यालय किच्छा में संविधान दिवस के अवसर पर एक कार्यशाला का आयोजन हुआ। इसका मुख्य विषय ''वंदे मातरम की महत्ता एवं संविधान दिवस की उपयोगिता'' था। प्राचार्य डॉ. राजीव रतन ने संविधान को प्रत्येक नागरिक के लिए जीवन का आधार बताया और सभी को इसके मूल्यों के प्रति निष्ठावान रहने की शपथ दिलाई। वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. प्रकाश चंद भट्ट और प्रोफेसर डॉ. उमराव सिंह ने भी अपने विचार रखे। इस दौरान, राष्ट्रीय सेवा योजना के छात्रों ने एक दिवसीय शिविर भी आयोजित किया। नोडल अधिकारी डॉ. विजय आनंद ने छात्रों को संविधान और राष्ट्रीय प्रतीकों की विस्तृत जानकारी दी। छात्रों ने महाविद्यालय परिसर में सफाई कर स्वच्छता का संदेश भी दिया। इस कार्यक्रम में प्राध्यापकों और लगभग 60 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया।

एसएसबी जवानों ने मनाया संविधान दिवस

सितारगंज : 57 वीं वाहिनी एसएसबी में संविधान दिवस का आयोजन किया गया। जवानों ने संविधान की रक्षा, सम्मान और पूर्ण निष्ठा से पालन करने की शपथ ली। साथ ही, देश की एकता, अखंडता एवं संप्रभुता को बनाए रखने का भी संकल्प लिया। द्वितीय कमान अधिकारी मनोज कुमार ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि संविधान दिवस के अवसर पर वाहिनी परिसर और सीमा चौकियों में विशेष शपथ ग्रहण और जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। जवानों को छह मौलिक अधिकार और 11 मौलिक कर्तव्यों से भी जागरूक किया। वहां उप-कमांडेंट दीपक तोमर, निरीक्षक मुन्नी बाई, सहायक उप-निरीक्षक हीरा सिंह उपस्थित रहे।

बाजपुर कोतवाली में संविधान की प्रस्तावना का पाठ करते पुलिस कर्मचारी।

संविधान की उद्देशिका का सामूहिक वाचन किया

बाजपुर : संविधान दिवस के उपलक्ष्य में कोतवाली में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मौजूद पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों ने संविधान की उद्देशिका का सामूहिक वाचन करते हुए देश की एकता, अखंडता और बंधुता को बनाए रखने का संकल्प दोहराया। उच्चाधिकारियों के दिशा-निर्देशों के क्रम में बुधवार को कोतवाली परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम में पुलिस कर्मियों ने भारत के संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक पाठ किया, जिसमें कहा गया कि हम भारत के लोग, भारत को संपूर्ण प्रभुत्व संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने तथा सभी नागरिकों को सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समानता दिलाने के लिए दृढ़संकल्प हैं। कोतवाली परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम में इंस्पेक्टर, उपनिरीक्षकों सहित बड़ी संख्या में पुलिस अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

संविधान और विधिक अधिकारों की जानकारी दी

बाजपुर : संविधान दिवस पर बाजपुर क्षेत्र में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। जहां स्कूलों में विद्यार्थियों को संविधान और विधिक अधिकारों की जानकारी दी गई, वहीं नगर के अंबेडकर पार्क में सर्वसमाज के लोगों ने बाबा साहेब डा.भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा की साफ-सफाई कर माल्यार्पण किया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ऊधम सिंह नगर के तत्वावधान में बुधवार को राजकीय इंटर कालेज हरिपुरा हरसान में जागरूकता शिविर आयोजित किया गया। उत्तराखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण नैनीताल के निर्देशानुसार तथा सचिव योगेंद्र कुमार सागर के आदेश पर पराविधिक कार्यकर्ता मोहम्मद शहीद ने विद्यार्थियों को संविधान दिवस, राष्ट्रीय लोक अदालत और नालसा हेल्पलाइन 15100 के बारे में विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रधानाचार्य एवं प्रभारी खंड शिक्षाधिकारी सत्येंद्र यादव ने की। इस दौरान प्रवक्ता विद्यासागर, प्रयाग कोहली, मोहन सिंह, अशोक कुमार, ममता शाह बोरा, धर्मपाल सिंह, डा.रमन कौर, मनोज कुमार आदि मौजूद रहे। वहीं नगरपालिका अंबेडकर पार्क में संविधान दिवस पर उत्तराखंड वाल्मीकि दलित समाज सुधार संगठन के प्रदेश अध्यक्ष अनिल वाल्मीकि के नेतृत्व में सर्वसमाज के लोग अंबेडकर पार्क में एकत्र हुए। सबसे पहले पार्क में साफ-सफाई अभियान चलाया गया। संगठन के प्रदेश अध्यक्ष अनिल वाल्मीकि, महिपाल सिंह यादव, सुरेश कुमार, मुकेश कुमार, बनवारी लाल, पूर्व सभासद रामावतार यादव, फूल सिंह, अमित कुमार, राजेश कुमार आदि मौजूद रहे।

स्कूलों में धूमधाम से मनाया संविधान दिवस

संवाददाता, खटीमा

अमृत विचार: आरडी पब्लिक स्कूल बरी अंजनिया में संविधान दिवस पर शिविर का आयोजन किया गया। जहां पीएलबी विमल कुमार, पैनल अधिवक्ता कमान सिंह धामी ने संविधान का क्या महत्व है के बारे में बताया।

नोजगे पब्लिक स्कूल में भारतीय संविधान दिवस पर प्रबन्ध निर्देशिका सुरेंद्र कौर, प्रधानाचार्य आरिज अल्वी ने भारतीय संविधान का निर्माण करने वाले डॉ. भीमराव अम्बेडकर के चित्र के सामने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। इस अवसर पर क्विज प्रतियोगिता आयोजन किया गया। जिनमें विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। प्रधानाचार्य अल्वी ने छात्रों को संविधान के बारे में जानकारी दी। सरस्वती एकेडमी में संविधान दिवस बड़े उत्साह और गरिमा के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत संविधान की प्रस्तावना के सामूहिक वाचन से हुआ। वाद-विवाद प्रतियोगिता सहित विभिन्न कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। संविधान विषयक क्विज़ में पावनी प्रथम, शिखा द्वितीय और मनीषा तृतीय स्थान पर रहीं। प्रधानाचार्य रामयश ने छात्रों को संविधान के मूल सिद्धांतों का पालन करने तथा जिम्मेदार नागरिक बनने का संदेश दिया।

नव चेतना पब्लिक स्कूल श्रीपुर बिछुआ में क्विज़ का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक दोनों वर्गों में आयोजित की गई। दोनों ही वर्गों में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को प्रबंधक विनोद कापड़ी और प्रधानाचार्य सुमन कापड़ी द्वारा पुरस्कृत कर सम्मानित किया गया और प्रमाण पत्र वितरित किए गए। इस अवसर पर मनोज भट्ट, रीता कापड़ी, भूपेंद्र बोहरा, मंजू चंद, गीता राना, गोदावरी चंद, कमल चंद, पूजा, निकिता, सचिन खाती सहित अनेक लोग उपस्थित रहे। शाहजी पब्लिक स्कूल में संविधान दिवस पर अनेक कार्यक्रम संपन्न हुए। इस अवसर पर नए हॉल का भी लोकार्पण किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए मुख्य अतिथि परवीन सिद्दीकी ने संविधान के महत्व से बच्चों को अवगत कराया। इस अवसर पर अरीबा, रुखसार, महशर, शबनम, आलिया, सोफिया, नरगिस, महक गुलबहार, कृतिका आदि उपस्थित रहे। 57 वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, सितारगंज द्वारा संविधान दिवस को अत्यंत उत्साह, सम्मान और राष्ट्रभक्ति की भावना के साथ मनाया गया, जिसमें सीमा चौकियों मेलाघाट, नारायण नगर एवं सीमलघाट में एक विशेष शपथ ग्रहण एवं जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

छात्रों ने नशा न करने का लिया संकल्प

सितारगंज : संविधान दिवस पर जीआईसी सितारगंज में सांस्कृतिक जन-जागरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान छात्रों ने नशा न करने का संकल्प लिया। बुधवार को राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। अतिथि सभासद रवि रस्तोगी ने कहा कि नशा वह दीमक है, जो व्यक्ति, परिवार और समाज तीनों को खोखला कर देता है। प्रार्थना सभा में उपस्थित सभी छात्रों को नशा न करने की प्रतिज्ञा दिलाई। इसके बाद विद्यालय परिसर ''नशा मुक्त भारत, हम सबका संकल्प'' के नारों से गूंज उठा।

संविधान देता है जीने का अधिकार

● 16 दिवसीय अभियान के दौरान विचार गोष्ठी का आयोजन किया

संवाददाता, दिनेशपुर

अमृत विचार: संविधान दिवस के अवसर पर 16 दिवसीय अभियान के दौरान विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस दौरान छात्र-छात्राओं को संविधान के बारे में विस्तृत जानकारियां दी गई।

बुधवार को लिटिल चैंपियन पब्लिक स्कूल मदनापुर में संविधान दिवस पर आयोजित गोष्ठी को संबोधित करते हुए विद्यालय प्रबंधक तरुण कुमार सिंह ने छात्र-छात्राओं से संविधान के महत्वपूर्ण पहलुओं पर अपने विचार रखे। उन्होंने डॉ भीमराव अम्बेडकर द्वारा किए गए महत्वपूर्ण कार्यों व योगदान के लिए याद किया। प्रधानाचार्य अनीता त्रिपाठी, हीरा जंगपांगी रौतेला, सूरज सामंत व अनिल रौतेला, कंचन कुनियाल, अनु गुलाटी, पवन गोस्वामी, ऋतु राजपूत, पूजा तिवारी, कोमल बिष्ट, कुलविंदर अरोरा, दीक्षा कोश्यारी, पुष्पा तिवारी, सोनी कोश्यारी, कमल बिष्ट, विपिन चंद्र जोशी आदि मौजूद रहे।

दिनेशपुर के लिटिल चैंपियन पब्लिक स्कूल में अपने विचार रखते छात्र- छात्राएं।

सबौरा के शोरूम में लाखों की चोरी

खटीमा: सबौरा तिराहे के समीप बीती रात्रि थिरपोला गारमेंट्स के शोरूम से चोर लगभग पांच लाख का सामान निकाल ले गए। शोरूम स्वामी महेश थिरपोला को घटना की जानकारी अगले दिन सुबह लगी। थिरपोला शोरूम में कपड़े, बुक डिपो, जूते- चप्पल आदि बेशकीमती सामान था। महेश थिरपोला को घटना की जानकारी अगले दिन सुबह लगी। शोरूम स्वामी थिरपोला ने बताया कि उनके शोरूम से लगभग पांच लाख से अधिक का सामान चोरी हुआ है। इधर क्षेत्र पंचायत सदस्य मनजीत सिंह राणा एवं क्षेत्र पंचायत सदस्य शकुंतला देवी, पूर्व बीडीसी तेज सिंह महर ने बताया कि यहां इससे पूर्व भी दो जगह चोरी हुई थी।

श्रमिकों ने जलाई चार श्रम संहिताओं की प्रतियां

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: केंद्र सरकार के देश में मजदूर विरोधी चार श्रम संहिताओं को लागू करने के विरोध में श्रमिक संयुक्त मोर्चा के बैनर तले श्रमिकों ने श्रम भवन पर धरना दिया और नई श्रम संहिताओं की प्रतियां जलाईं।

बुधवार को प्रदर्शन के दौरान वक्ताओं ने कहा कि चार श्रम संहिताओं को लागू करके मोदी सरकार ने मजदूरों के स्थाई नौकरी पाने, संगठित होने और हड़ताल करने के अधिकारों पर भारी चोट की है। स्थाई काम पर ठेका, कैजुअल, ट्रेनिंग और फिक्स टर्म के रूप में अस्थाई और अधिकार विहीन मजदूरों को नियोजित करने के लिए मालिकों को असीमित कानूनी छूट व अधिकार दे दिए हैं। आठ घंटे कार्यदिवस के अधिकार को एक तरह से छीन लिया है। पेंशन, पीएफ, ग्रेच्युटी, ईएसआई, ग्रेच्युटी के अधिकार पर भी हमले किये गये हैं। महिला मजदूरों को रात की पाली में और खतरनाक उद्योगों में कार्य कराने की छूट देकर महिला श्रमिकों और उनके बच्चों की स्वास्थ्य, जीवन और सुरक्षा को खतरे में डाला गया है। श्रम विभाग और श्रम न्यायालयों को कमजोर और पंगु बनाने की साजिश रची गई है। इस अवसर पर कैलाश भट्ट, सुरेंद्र, धीरज, ललित मटियाली, अनिता अन्ना, फिरोज, सुब्रत विश्वास, सुनीता, हीरा सिंह राठौर, उत्तम दास, जगमोहन डसीला, विवेक पांडे, पुरुषोत्तम मौर्या समेत विभिन्न संगठनों के श्रमिक मौजूद रहे।

श्रम संहिताओं की प्रतियां जलाते श्रमिक। ● अमृत विचार

चार लेबर कोड को रद्द करने की मांग

काशीपुर : नए लेबर कोड के खिलाफ इंकलाबी मजदूर केंद्र समेत अन्य संगठनों ने प्रदर्शन किया। इस दौरान उन्होंने चार लेबर कोड को रद्द करने की मांग करते हुए प्रतियां जलाईं। महाराणा प्रताप चौराहे पर बुधवार को क्रांतिकारी लोक अधिकार संगठन, प्रगतिशील महिला एकता केंद्र और भीम आर्मी के कार्यकर्ताओं के सहयोग से इंकलाबी मजदूर केंद्र की काशीपुर इकाई ने सरकार की ओर से लागू चार लेबर कोडों की प्रतियां फूंकी। इस दौरान एक सभा की गई, जिसमें मजदूर संगठनों के नेताओं ने कहा कि सरकार की ओर से लागू किए गए चार लेबर कोड मजदूरों की गुलामी के दस्तावेज हैं।

मंथन | गन्ना एवं चीनी आयुक्त त्रिलोक सिंह मर्तोलिया ने शरद कालीन गन्ना बुवाई की प्रगति की समीक्षा को लेकर की बैठक

गन्ना बुवाई के लक्ष्यों की शत-प्रतिशत पूर्ति सुनिश्चित करें

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचार: शरद कालीन गन्ना बुवाई वर्ष 2025-26 के लिये निर्धारित सभी लक्ष्यों की शत-प्रतिशत पूर्ति सुनिश्चित करने के लिए सहायक गन्ना आयुक्तों को निर्देश दिये गये। साथ ही विभागीय रणनीति के अनुरूप गन्ना क्षेत्रफल में वृद्धि के लिए सक्रिय प्रयास करने पर विशेष बल दिया गया।

विभागीय योजनाओं, विकास कार्यों और शरद कालीन गन्ना बुवाई की प्रगति की समीक्षा के लिये बुधवार को एक बैठक कार्यालय गन्ना एवं चीनी आयुक्त कार्यालय स्थित सभागार में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता गन्ना एवं चीनी आयुक्त त्रिलोक सिंह मर्तोलिया ने की। आयुक्त मर्तोलिया ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में जिला योजना एवं राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन के तहत आवंटित धनराशि का संपूर्ण उपयोग वित्तीय वर्ष के भीतर अनिवार्य रूप से सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। आयुक्त द्वारा सभी चीनी मिलों को उनकी स्थापित क्षमता के अनुरूप गन्ने की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिये विशेष प्रयास करने के निर्देश जिलों के सहायक गन्ना आयुक्त को दिए गए, ताकि पेराई सत्र में मिलों का संचालन सुचारू रूप से किया जा सके। बैठक में जिन कृषकों द्वारा निरंतर गन्ना आपूर्ति नहीं की जा रही है, ऐसे कृषकों को समिति द्वारा प्रदत्त लाभों से वंचित करने के लिये आवश्यक कार्रवाई करने को कहा गया। आधार एवं प्राथमिक पौधशालाओं के संबंध में निर्देश दिया गया कि सभी पौधशालाओं को क्लस्टर के रूप में अधिष्ठापित करते हुए उच्च गुणवत्ता वाले, रोगमुक्त एवं प्रमाणित बीज का उत्पादन सुनिश्चित किया जाए। बैठक में अपर गन्ना एवं चीनी आयुक्त चन्द्र सिंह इमलाल, संयुक्त गन्ना एवं चीनी आयुक्त हिमानी पाठक, प्रचार एवं जनसम्पर्क अधिकारी नीलेश कुमार, सहायक गन्ना आयुक्त (मुख्यालय) आशीष नेगी आदि मौजूद रहे।

काशीपुर में समीक्षा बैठक के दौरान चर्चा करते अधिकारी। ● अमृत विचार

प्रमाणित बीज किसानों को देय अनुदान पर उपलब्ध

काशीपुर : रबी अभियान 2025 के तहत विकास खंड गदरपुर, बाजपुर, काशीपुर व जसपुर की समस्त न्याय पंचायतों के कृषि निवेश केन्द्रों/भण्डारों में गेहूं फसल के प्रमाणित बीज किसानों को योजनानुसार देय अनुदान पर उपलब्ध कराने के लिये उपलब्ध हैं। कृषि एवं भूमि संरक्षण अधिकारी डॉ. कल्याण सिंह ने प्रेस को जारी विज्ञप्ति में बताया कि विकास खण्डों की समस्त न्याय पंचायतों के कृषि निवेश केन्द्रों/ भण्डारों में गेहूं फसल की 10 वर्ष से कम की प्रमाणित बीजों की निम्न प्रजातियों डीबीडब्लू 303, डीबीडब्लू 222, डीबीडब्लू 187, डीबीडब्लू 327 योजनानुसार देव अनुदान/डीबीटी पर प्राप्त कर सकते हैं। साथ ही विभाग में संचालित प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के तहत सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली के तहत पोर्टेबल स्प्रिंकलर सैटो पर मानकानुसार अनुदान देय है।

मानसिक मरीजों का इलाज संभव

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम (टीबी) एवं राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत वल्नरेबल(संवेदनशील) पापुलेशन स्क्रीनिंग के लिए दो दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित हुआ। इसमें जनपद के सभी सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी(सीएचओ) ने प्रतिभाग किया।

बुधवार को मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय सभागार में आयोजित प्रशिक्षण में मानसिक रोग विशेषज्ञ डॉ. ईश डल्ला एवं डॉ. निमीशा अग्रवाल ने अवसाद, चिंता विकार, सिजोफ्रेनिया, द्विध्रुवी विकार, पदार्थ-संबंधी विकार, व्यक्तित्व विकार, मूड डिसऑर्डर, व्यवहार संबंधी विकार, संज्ञानात्मक विकार व अन्य विषयों पर विशेष रूप से जानकारियां दी गयी। उन्होंने कहा कि मानसिक रोग से ग्रसित मरीजों के लिए इलाज संभव है, इससे घबराने की कोई जरूरत नहीं है। उन्होंने बताया कि मानसिक रोग और सामाजिक-आर्थिक स्थिति के बीच एक गहरा नकारात्मक संबंध है। कम सामाजिक-आर्थिक स्थिति वाले लोगों में मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं की दर अधिक होती है। कारण वे गरीबी, भेदभाव और तनाव जैसे कारकों से प्रभावित होते हैं। डॉ.संजय पांडेय ने टीपीटी को लेकर चर्चा की। उन्होंने बताया की टीबी से बचाव के लिए सभी वनरेबल पापुलेशन को टीपीटी सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों द्वारा इनीशिएट करवाना है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ.केके अग्रवाल ने मानसिक स्वास्थ्य एवं राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम पर प्रतिभागियों को विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान की गयी।

स्वास्थ्य अधिकारियों को जानकारी देती डॉ. निमीशा अग्रवाल। ● अमृत विचार

ब्रीफ न्यूज

व्यापारी नेता पर भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच के लिए कमेटी गठित

किच्छा : देवभूमि व्यापार मंडल के एक वरिष्ठ पदाधिकारी पर पुलिस के नाम पर पैसे लेने के सोशल मीडिया पर लगे आरोपों को जिलाध्यक्ष गुरमीत सिंह ने गंभीरता से लिया है। आरोपों को चिंता का विषय बताते हुए, उन्होंने संगठन को बदनाम करने की साजिश को विफल करने की बात कही। हालांकि, गुरमीत सिंह ने स्पष्ट किया कि मामले में कोई शिकायतकर्ता सामने नहीं आया है और न ही कोई साक्ष्य प्रस्तुत किया गया है। पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए, वरिष्ठ व्यापारी राजकुमार फुटेला की अध्यक्षता में एक जांच कमेटी का गठन किया गया है, जिसमें अमन मदान, रामावतार अग्रवाल और राकेश गुप्ता शामिल हैं। जांच रिपोर्ट के आधार पर दोषी पाए जाने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

चाकू लेकर घूम रहे युवक को पकड़ा

सितारगंज : पुलिस ने चाकू लेकर घूम रहे युवक को गिरफ्तार किया है। मामले में पुलिस ने युवक के विरुद्ध आर्म्स एक्ट के तहत केस दर्ज किया है। रात्रि चेकिंग के दौरान पुलिस ने गांव गौरीखेड़ा निवासी जमील अहमद (37) को गांव नकहा में बांध किनारे श्मशान घाट के पास से चाकू के साथ गिरफ्तार किया है। पूछताछ में युवक ने बताया कि वह नशे का आदी है। छोटी-मोटी चोरियां करता है। अपने बचाव के लिए चाकू रखा था।

37 लीटर कच्ची शराब के साथ तस्कर गिरफ्तार

सितारगंज : पुलिस ने 37 लीटर शराब के साथ दो लोगों को गिरफ्तार किया है। मामले में दोनों के विरुद्ध आबकारी अधिनियम के विरुद्ध केस दर्ज किया है। कानून व्यवस्था बनाए रखने के बाबत मंगलवार को पुलिस रात्रि गश्त कर रही थी। इस दौरान पुलिस ने लामाखेड़ा निवासी कुलवंत सिंह (39) और पंडरी निवासी इंद्रजीत (19) को करीब 37 लीटर अवैध कच्ची शराब के साथ अलग-अलग स्थानों से गिरफ्तार किया है।

आवारा कुत्ते ने नौ को काटा

खटीमा : आवारा पागल कुत्ते ने नौ लोगों को काटकर घायल कर दिया। जिससे गुस्साए ग्रामीणों ने कुत्ते को घेर कर मार डाला। सभी घायलों को उपचार के लिए नागरिक चिकित्सालय लाया गया। जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद घर भेज दिया गया। बुधवार की सुबह ग्राम श्रीपुर बिछुआ निवासी बनवारी सिंह 73 वर्ष, हीरा देवी 67 वर्ष, जानकी देवी 65 वर्ष, दिव्या छह वर्ष, किरन 45 वर्ष, गोपाल 44 वर्ष, कूटरा निवासी मोहन सिंह 54 वर्ष सहित एक साथ नौ लोगों को काटकर जख्मी कर दिया।

डिस्ट्रीब्यूटरशिप का झांसा देकर 22.55 लाख ठगे

- ऑनलाइन कैंपा कोला वेबसाइट पर किया था सर्च

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचारः साइबर ठगी का ग्राफ इतना बढ़ता जा रहा है कि साइबर ठगों ने एक कारोबारी को कोल्ड ड्रिंक कंपनी का डिस्ट्रीब्यूटर बनाने का झांसा दिया और फिर लाखों रुपये की साइबर ठगी को अंजाम दे डाला। साइबर क्राइम थाना सेल ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार आइडिया कॉलोनी लालपुर निवासी अक्षय अग्रवाल ने बताया कि उसे रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड कैम्पा कोला की डिस्ट्रीब्यूटरशिप की आवश्य कता थी और 28 सितंबर को गुगल सर्च के दौरान कंपनी की एक वेबसाइट मिली। जिस पर क्लिक करने के बाद एक कॉल आयी और कॉलर ने डिस्ट्रीब्यूटरशिप प्राप्त करने की सारी जानकारी दी। बताया कि देहरादून के अबाड़ी गांव में एजेंसी मिल सकती है। 31 अक्टूबर को आवेदन फॉर्म भेजा गया और फिर सारी प्रक्रिया पूर्ण करने के बाद खाते में 22.55 लाख रुपये का भुगतान भी करवा लिया। आश्वासन दिया कि ऑनलाइन डिस्ट्रीब्यूटरशिप दस्तावेज के साथ ही कोल्ड ड्रिंक का भरा ट्रक 11 नवंबर को भेज दिया जाएगा। जब कई दिन बाद भी ट्रक एजेंसी स्थल देहरादून नहीं पहुंचा तो पुनः संपर्क किया गया और कॉलर महज टालमटोल ही करता रहा। जब मोबाइल फोन बंद आने लगा तो धोखाधड़ी होने का एहसास हुआ।

आधार कार्ड केंद्र पर भारी भीड़ से हो रही दिक्कतें

काशीपुर : आधार कार्ड केंद्र पर लोगों की भीड़ होने से कर्मचारियों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। केंद्र में भीड़ को नियंत्रित करने के लिये सीडीपीओ ने पुलिस विभाग को पत्र लिखा है। पिछले एक सप्ताह से आधार कार्ड केंद्र पर लोगों की भीड़ ज्यादा हो गई है। सुबह आधार कार्ड केंद्र पर पहुंचने वाले लोगों का दोपहर तक नंबर आ रहा है। ऐसे में परिसर के अंदर लोगों की भीड़ कई बार आक्रोशित भी हो रही है। राशन कार्ड की केवाईसी होने की जानकारी होने के बाद लोगों की भीड़ आधार कार्ड केंद्र पर उमड़ रही है। लोग आधार कार्ड को अपडेट कराने पहुंच रहे हैं। किसी को आधार कार्ड में उम्र ज्यादा करनी है, किसी को आधार कार्ड में नया फोटो अपलोड करना है तो किसी को नाम में परिवर्तन कराना है। अत्यधिक भीड़ होने की वजह से ब्लॉक परिसर में अव्यवस्था फैल रही है। सीडीपीओ मोहिनी बिष्ट ने बताया कि व्यवस्था बनाने के लिए पुलिस को पत्र लिखा है। ताकि एक या दो पुलिसकर्मियों की तैनाती होगी तो शांतिपूर्ण ढंग से काम हो सकेगा।

मीटर मुद्दे पर होनी चाहिए सीबीआई जांच, विधायक बोले-उनका संघर्ष हुआ सफल

जनता की हुई जीत, भाजपा हुई बेनकाबः बेहड़

संवाददाता, रुद्रपुर

पत्रकारों से वार्ता करते किच्छा विधायक तिलकराज बेहड़। ● अमृत विचार

अमृत विचारः किच्छा विधायक तिलकराज बेहड़ ने कहा कि स्मार्ट मीटर को लेकर वह अकेले विधायक थे। जिनके द्वारा जनता के साथ मिलकर स्मार्ट मीटर को तोड़ा था और वह लगातार कहते रहे कि यह स्मार्ट मीटर खून चूसने वाला मीटर है, लेकिन भाजपा नेता मीटर के फायदे गिनाते हुए जनता को भ्रमित करते रहे और जब मीटर के दुष्परिणाम सामने आने लगे तो भाजपा सरकार ने ही स्मार्ट मीटर लगाने पर रोक लगा दी। बेहड़ ने यूपीसीएल के एमडी के कार्यकाल की सीबीआई जांच का मुद्दा उठाया।

बुधवार को पत्रकार वार्ता के दौरान विधायक बेहड़ ने कहा कि जिस वक्त पूरे प्रदेश में भाजपा की धामी सरकार के अफसर भयभीत व फोर्स लेकर स्मार्ट मीटर लगवा रहे थे। उस वक्त वह जनता के साथ मिलकर विरोध कर रहे थे। सीएम और महज कुछ विधायकों ने अपने घरों पर स्मार्ट मीटर लगाकर प्रदेश की जनता को भ्रमित किया। गरीब जनता हो या फिर उद्योगपति यह कहता रहा कि स्मार्ट मीटर लगने के बाद तिगुना बिल आ रहा है। कारण स्मार्ट मीटर लगाने का कॉन्ट्रैक्ट पूंजीपति को बेच दिया था तो धामी सरकार भी मुहिम चलाकर मीटर लगवा रही थी। बेहड़ ने पार्टी हाईकमान को भी नसीहत दी कि यदि प्रदेश नेतृत्व स्मार्ट मीटर मुद्दे को प्रदेशव्यापी आंदोलन बना देती तो निकाय चुनाव का परिणाम कांग्रेस के पक्ष में होता। अब पार्टी हाईकमान को एक बड़ा आंदोलन खड़ा करने की जरूरत है और चुनावी घोषणा पत्र में स्मार्ट मीटर के मुद्दे को जोड़ने की सलाह दी। बेहड़ ने कहा कि धामी सरकार को यूपीसीएल के एमडी के कार्यकाल की जांच करनी चाहिए। यदि ऐसा नहीं होता है तो कांग्रेस सरकार आने पर सीबीआई जांच कराने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि वह स्मार्ट मीटर के मुद्दे को छोड़ने वाले नहीं है और सरकार ने जल्द ही लगे मीटर को उखाड़ने व ज्यादा बिल वाले उपभोक्ताओं को राहत नहीं दी तो एक बड़ा आंदोलन छेड़ा जाएगा। इस मौके पर मोहन लाल खेड़ा, संजय जुनेजा, पार्षद जितेंद्र शर्मा, इंद्रजीत सिंह आदि मौजूद रहे।

मानकों के अनुसार बनाया जा रहा एयरपोर्ट

सांसद भट्ट ने कार्यदायी संस्थाओं को आपसी समन्वय के साथ कार्यों को त्वरित गति से करने के निर्देश

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचारः सांसद एवं भारतीय विमानपत्तन हवाई अड्डा सलाहकार समिति पंतनगर के अध्यक्ष अजय भट्ट ने कहा कि पंतनगर हवाई अड्डा अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार बनाया जा रहा है। जिसमें 380 करोड़ की लागत से पंतनगर हवाई अड्डा विस्तारीकरण कार्य किये जा रहे हैं। उन्होंने सभी संबंधित कार्यदायी संस्थाओं को आपसी समन्वय के साथ कार्यों को त्वरित गति से करने के निर्देश दिए।

बुधवार को सांसद व समिति के अध्यक्ष भट्ट ने अधिकारियों के साथ जिला सभागार में बैठक की। इस दौरान उन्होंने कहा पंतनगर एयरपोर्ट रीजनल कनेक्टिविटी स्कीम उड़ान योजना के तहत भारत सरकार, उत्तराखंड सरकार व विमानपत्तनन प्राधिकरण द्वारा संचालित है। इसलिए यात्रियों को अधिक से अधिक सुविधाएं उपलब्ध करायी जाए और एयरपोर्ट की सुरक्षा व्यवस्था पर भी विशेष ध्यान दिया जाए। पंतनगर एयरपोर्ट विस्तारीकरण से प्रदेश व क्षेत्र में पर्यटकों की आवाजाही में अत्यधिक बढ़ोतरी होगी जिससे क्षेत्र व प्रदेश की आर्थिकी भी मजबूत होगी।

अधिकारियों के साथ बैठक करते सांसद व समिति के अध्यक्ष अजय भट्ट। ● अमृत विचार

मुख्य विकास अधिकारी दिवेश शाशनी ने बताया कि पंतनगर एयरपोर्ट विस्तारीकरण के लिए 524.70 एकड़ भूमि एयरपोर्ट प्राधिकरण के नाम आवंटित कर दी गयी है। साथ ही टीडीसी पंतनगर विश्वविद्यालय, सैनिक फर्म आदि की जो भी भूमि एयरपोर्ट को आंवटित की गयी है उसमें भवनों का ध्वस्तीकरण व पेड़ों का कटान कार्य किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि समय-समय पर एयरपोर्ट प्राधिकरण, जिला प्रशासन व वन विभाग की आपसी समन्वय से एयरपोर्ट के भीतर जानवरों को भगाने, झाड़ी व पेड़ कटान किये जा रहे हैं और प्रतिबंधित प्रजाति के पेड़ों को चिन्हित कर लिया गया है जिनका शीघ्र कटान किया जाएगा।

निदेशक पंतनगर हवाई अड्डा पवन कुमार ने बताया कि एयरपोर्ट के विस्तारीकरण कार्यों में बाउंड्री निर्माण कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार तीन हजार मीटर का रनवे बनाया जा रहा है। नया टर्मिनल के साथ ही हैंगर, आइएलएस सुविधा, कार्गो बनाया जाएगा। उन्होंने बताया कि वर्तमान एयरपोर्ट में भी यात्रियों की सुविधा देने के लिए एटीएम, कार पार्किंग, टैक्सी रिटेल काउंटर, वाईफाई सुविधा कार्य किए जाएंगे। साथ ही यात्रियों के लिए हेल्प डेस्क व प्राथमिक चिकित्सा व एम्बुलेंस सुविधा भी रखी गयी है।

उन्होंने बताया कि वर्तमान में एयरपोर्ट में सुरक्षा व्यवस्था के लिए 75 पदों के सापेक्ष 20 ही कार्मिक तैनात है। रिक्त सुरक्षा कार्मिकों व क्यूआरटी टीम की तैनाती कराने का अनुरोध किया। जिस पर सांसद भट्ट ने डीजीपी को सुरक्षा कार्मिकों की तैनाती करने के लिए पत्र लिखने व स्वयं भी बात करने का आश्वासन दिया। पीडी एनएचएआई ने बताया कि एयरपोर्ट विस्तारीकरण की जद में आ रहे राष्ट्रीय राजमार्ग को शिफ्ट करने कार्य का सर्वे कर लिया गया है। टेंडर कर लिए गए हैं शीघ्र ही कार्य प्रारंभ किया जाएगा।

जल्द होगा नालों की सफाई और ड्रेनेज का कार्य प्रारंभ

रुद्रपुर : उप जिलाधिकारी मनीष बिष्ट ने बताया कि एयरपोर्ट के अंदर वर्षा काल में नदी, नालों से होने वाले जलभराव से निजात दिलाने के लिए सिंचाई विभाग के साथ नदी, नालों का निरीक्षण व चिन्हिकरण कर लिया है। शीघ्र ही नालों की सफाई व ड्रेनेज कार्य प्रारंभ किया जाएगा।

ये रहे मौजूद

पुलिस अधीक्षक निहारिका तोमर, अपर जिलाधिकारी कौस्तुभ मिश्र, नगर आयुक्त शिप्रा जोशी, डीजीएम एयरपोर्ट अनूप गुप्ता, पीएस बृजवाल, सदस्य हेमंत कुमार नरूला, शुभम टंडन, लोकेश जोशी, नरेश चंद्र, विमल लोसाली, सांसद कपिल शर्मा, योगेश वर्मा, पीडी एनएचएआई मेहुल जिंदल, प्रबंधक मीनू आदि मौजूद थे।

चुनावी रंजिश को लेकर कुंडेश्वरी चौकी में हंगामा

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचारः चुनावी रंजिश को लेकर दो पक्षों ने कुंडेश्वरी चौकी में बवाल काट दिया। एसआई चंदन बिष्ट की तहरीर के आधार पर दोनों पक्षों के 33 लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। चौकी प्रभारी कुंडेश्वरी एसआई चंदन सिंह बिष्ट ने बताया कि 25 नवंबर को हरदीप सिंह निवासी गुलजारपुर चौकी में आये और बताया कि जगदीप सिंह पन्नू उर्फ जेडी निवासी ग्राम गुलजारपुर ने उन्हें जान से मारने की धमकी दी है। इस संबंध में उनके द्वारा अपने फोन पर की गई रिकार्डिंग उन्हें सुनाई जा रही थी कि दोपहर के लगभग 1:15 बजे चौकी प्रांगण से काफी शोर-शराबा व गाली-गलौज की आवाजें सुनाई दीं। बताया कि जब उन्होंने बाहर निकलकर देखा, तो करीब 30-40 लोग आपस में किसी बात को लेकर बाहर से लड़ते हुए चौकी प्रांगण में घुस आये और प्रांगण के अंदर भी एक-दूसरे को गाली-गलौज, मारपीट करते हुए लड़-झगड़कर जान से मारने की धमकी देकर बलवा करने लगे। दोनों पक्षों को उन्होंने चौकी पर मौजूद हेड कांस्टेबल मौ. शाहिद, जितेंद्र बिष्ट, कां. जगदीश पपनै, किशोर फर्त्याल तथा दर्शन सिंह के साथ मिलकर आवश्यक बल प्रयोग कर तितर-बितर किया। एसआई बिष्ट कहा कि जब उन्होंने झगड़े के कारण के बारे में जानकारी की, तो पता चला कि ग्राम गुलजारपुर में हुए ग्राम प्रधान चुनाव में गगनदीप सिंह व बलविन्दर सिंह उर्फ बिन्दा ने एक-दूसरे के विरुद्ध चुनाव लड़ा था, जिसमें हरदीप सिंह आदि ने बलविन्दर सिंह उर्फ बिन्दा का तथा जगदीप सिंह उर्फ जेडी आदि ने गगनदीप सिंह का समर्थन किया था।

एसआई बिष्ट ने बताया कि एक पक्ष के बलविन्दर सिंह उर्फ बिन्दा, गुरसेवक सिंह, हरविंदर सिंह, अनमोल सिंह, सतनाम पुरेवाल उर्फ सत्ता, रेशम सिंह, गुरजंट सिंह, जसकरन सिंह, नवजोत सिंह, विक्रमजीत सिंह, गुरचरन सिंह उर्फ गुग्गू, हरदीप सिंह, विरेन्द्रजीत सिंह, जसकरन सिंह, प्रभजोत सिंह निवासीगण गुलजारपुर, बॉबी संधू निवासी पच्चावाला, एस्कोर्ट फार्म, मोनू संधू निवासी बाजपुर, गुरमुख सिंह निवासी गांधीनगर खत्ता, जसजीत सिंह निवासी बलवंत फार्म, ढकिया नं. दो व दूसरे पक्ष से गगनदीप सिंह, जगदीप सिंह उर्फ जेडी, गुरजीत सिंह, जसवीर सिंह, लवप्रीत सिंह, जगमोहन सिंह, परमजीत सिंह उर्फ पम्मा आदि ने अपने अन्य अज्ञात साथियों के साथ मिलकर राजकार्य में बाधा उत्पन्न कर बलवा किया है।

कार में लगी आग बुजुर्ग की जान बची

रुद्रपुरः कार निर्माता कंपनियों के उत्पाद पर लगातार सवाल खड़े हो रहे हैं कि आखिरकार कब तक कार अग्निकांड की घटनाएं घटित होती रहेगी। ऐसा ही एक मामला काशीपुर बाईपास मार्ग पर देखा गया है। जहां अचानक कार की डैशबोर्ड से लपटें उठने लगी और कार सवार बुजुर्ग ने फौरन बाहर निकलकर अपनी जान बचाई। व्यापारियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आवास विकास निवासी बुजुर्ग बलविंदर सिंह चावला अपनी कार से बाजार की ओर जा रहे थे। इस बीच कार काशीपुर बाईपास मार्ग पर पहुंची ही थी कि अचानक कार के डैशबोर्ड एरिया से धुआं व आग की लपटें उठने लगीं। कार सवार बुजुर्ग ने शीघ्र ही कार को साइड लगाई और बाहर निकल अपनी जान बचाई।

किच्छा में अतिक्रमण पर ईओ सख्त, चालान काटे

संवाददाता, किच्छा

अमृत विचार : नगर पालिका प्रशासन ने अधिशासी अधिकारी (ईओ) प्रदीप शुक्ला के नेतृत्व में नगर को अतिक्रमण मुक्त बनाने के लिए पुनः कड़ा अभियान चलाया। टीम ने महाराणा प्रताप (एमपी) चौक और पुरानी गल्ला मंडी क्षेत्रों का पैदल निरीक्षण किया।

ईओ शुक्ला ने व्यापारियों द्वारा सड़क पर व्यावसायिक सामान रखकर किए गए अतिक्रमण पर गहरी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने कहा कि लगातार मिल रही शिकायतों के कारण राहगीरों और वाहन चालकों को आवाजाही में भारी दिक्कतें हो रही हैं।

प्रारंभिक चरण में, अतिक्रमण करने वाले व्यापारियों को फटकार लगाते हुए चालान किए गए और जुर्माना वसूला गया।

ईओ शुक्ला ने सख्त लहजे में चेतावनी दी कि यदि अपील के बावजूद अतिक्रमण जारी रहा, तो अगले चरण में सामान जब्त करने और कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने जोर दिया कि सड़क किनारे की सफेद पट्टी या नाली पर सामान रखना बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

ईओ शुक्ला ने नागरिकों से यातायात व्यवस्था व्यवस्थित रखने और शहर को साफ-सुथरा रखने में पालिका प्रशासन का सहयोग करने की अपील की। उधर, व्यापारियों में हड़कंप रहा।

ट्रैक्टर के सामान को लेकर मारपीट

बाजपुरः ट्रैक्टर के सामान को लेकर हुए विवाद में दो पक्षों के बीच मारपीट का मामला सामने आया है। पीड़ित पक्ष की ओर से पुलिस चौकी सुल्तानपुर पट्टी में तहरीर दी गई है।

ग्राम जगन्नाथपुर निवासी सुभान रजा ने पुलिस को बताया कि उसने मोहल्ला आदर्शनगर सुल्तानपुर पट्टी निवासी अपने एक रिश्तेदार को सालभर पहले ट्रैक्टर का सामान दिया था। आरोप है कि एक वर्ष उपयोग करने के बाद जब सामान वापस करने आए, तो एक सप्ताह में पैसे लौटाने की बात कही गई। पीड़ित का आरोप है कि इसके बाद आरोपी गाली-गलौज करने लगा। सुभान जब अपनी कार से मिलने ससुराल पहुंचा तो आरोपित ने अपने अन्य रिश्तेदारों के साथ मिलकर उससे मारपीट की और अतिरिक्त रुपये वसूलने का दबाव बनाया।

बहनोई ने हड़पी भूमि, डीएम ऑफिस पर प्रदर्शन

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचारः बहनोई पर भूमि हड़पने का आरोप लगाते हुए भड़के लोगों ने डीएम कार्यालय पर प्रदर्शन किया। साथ ही डीएम को संबोधित ज्ञापन देकर प्रकरण की जांच कराकर आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। आगाह किया कि यदि प्रशासन ने कोई कार्रवाई नहीं की तो आंदोलन किया जाएगा।

भदईपुरा के रहने वाले संतोष कुमार ने बताया कि भदईपुरा में उनके 11 बीघा भूमि मां के नाम पर दर्ज है। बहन की शादी के वक्त सभी भाइयों ने एक प्लाट बहन के नाम दर्ज करवा दिया था और लोन लेकर उसका मान सम्मान भी किया। आरोप था कि शादी के कुछ माह बाद ही बहनोई ने बहन को दिए प्लाट पर लोन ले लिया। 4

डीएम कार्यालय पर प्रदर्शन करता पीड़ित परिवार। ● अमृत विचार

मार्च 2025 भाइयों की अनुस्थिति में बहनोई कुछ दोस्तों के साथ आया और निरक्षर व बुजुर्ग मां को बैंक जाने का बहाना बनाकर साथ ले गया और भाइयों के नाम की भूमि को अपने नाम दर्ज करवा ली। कारण वर्तमान में इस भूमि की कीमत करोड़ों में है।

उन्होंने बताया कि बहनोई ने भूमि के एक हिस्से को अपने दोस्त के नाम पर भी दर्ज करवा लिया है। साथ ही धमकी दे रहा है कि इस भूमि को विक्रय करेगा, जबकि मां भूमि की रजिस्ट्री करने से इंकार कर रही है। आरोप था कि बहनोई द्वारा साजिश के तहत धोखाधड़ी कर भूमि हड़पने का जाल बुना था। ऐसे में प्रशासन प्रकरण की जांच कर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई कर भूमि दिलवाए। इस मौके पर प्रेम प्रकाश, वंश बहादुर, दीपक यादव, ऋषिपाल, होशियारी देवी, खुशबू यादव, सुशील कुमार, राज पाल सिंह आदि मौजूद रहे।

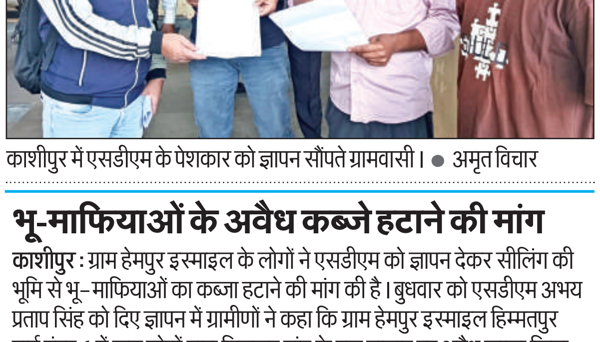

काशीपुर में एसडीएम के पेशकार को ज्ञापन सौंपते ग्रामवासी। ● अमृत विचार

भू-माफियाओं के अवैध कब्जे हटाने की मांग

काशीपुर : ग्राम हेमपुर इस्माइल के लोगों ने एसडीएम को ज्ञापन देकर सीलिंग की भूमि से भू-माफियाओं का कब्जा हटाने की मांग की है। बुधवार को एसडीएम अभय प्रताप सिंह को दिए ज्ञापन में ग्रामीणों ने कहा कि ग्राम हेमपुर इस्माइल हिम्मतपुर वार्ड नंबर 6 में कुछ लोगों द्वारा मिलकर गांव के एक तालाब पर अवैध कब्जा किया गया है। भू-माफियाओं द्वारा तालाब को पूरी तरह पाटा जा चुका है और तालाब के आसपास कि सीलिंग की भूमि पर भी अवैध कब्जा किया जा चुका है। कहा कि इसके अलावा अतिरिक्त भूमि पर भी कब्जा करने की प्रक्रिया जारी है। सिलिंग की भूमि खसरा संख्या 32, 43, 44, 45 है। ग्रामवासियों ने सिलिंग की सभी भूमि को अवैध कब्जे से जल्द मुक्त कराने और भू-माफियाओं पर भू-कानून के तहत कार्रवाई करने की मांग की है। चेतावनी दी कि यदि भूमि को भू-माफियाओं के अवैध कब्जे से मुक्त नहीं किया गया, तो ग्रामवासी आंदोलन करने को बाध्य होंगे।

रोष किसानों ने किया हंगामा, एसडीएम का किया घेराव

तकनीकी खराबी से गन्ना पेराई कार्य ठप

संवाददाता, बाजपुर

अमृत विचारः बाजपुर सहकारी चीनी मिल में तकनीकी दिक्कत के कारण गन्ना पेराई कार्य ठप हो गया। किसानों ने इस स्थिति पर कड़ी नाराजगी जताते हुए प्रधान प्रबंधक एवं एसडीएम डॉ.अमृता शर्मा का घेराव किया। किसानों ने कहा कि वह पिछले 48 घंटे से मिल गेट पर खड़े हैं, लेकिन उनकी समस्याओं की ओर किसी अधिकारी का ध्यान नहीं है।

इस बार चीनी मिल में गन्ना पेराई का कार्य सुचारू रूप से संचालित नहीं हो पा रहा है। टरवाई में तकनीकी समस्या आने के कारण बुधवार तड़के कारखाने के चक्के फिर से जाम हो गए। बार-बार हो रहे ब्रेकडाउन के कारण किसान आक्रोशित हो गए, जिन्होंने गन्ना केन यार्ड गेट के पास हंगामा किया। इसी बीच मौके पर पहुंची मिल की प्रधान प्रबंधक का कार्य देख रहीं एसडीएम बाजपुर डॉ. अमृता शर्मा का घेराव कर गहरी नाराजगी जताई। किसानों का कहना था कि हर बार मेंटेनेंस पर करोड़ों रुपये खर्च होते हैं, लेकिन फिर भी कारखाना पेराई शुरू होते ही मिल की मशीन में तकनीकी खराबी का शिकार हो जाता है। किसानों ने जल्द से जल्द पेराई सुचारू रूप से शुरू करने और मिल प्रबंधन में सुधार की मांग की। साथ ही चेतावनी दी कि एक-दो दिन में व्यवस्था पटरी पर नहीं आई तो किसान मजबूरन उग्र आंदोलन करने को बाध्य होंगे। इस दौरान जीएम डॉ.अमृता शर्मा ने उन्हें भरोसा दिलाया कि कुशल इंजीनियर एवं कर्मकार आई तकनीकी समस्या को दूर करने का प्रयास कर रहे हैं, जल्द व्यवस्था को सुचारू कर दिया जाएगा। इस मौके पर भारतीय किसान यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष कर्म सिंह पड्डा, प्रदेश सचिव बिजेंद्र सिंह डोगरा, किसान नेता जसबीर सिंह भुल्लर, मेजर रंजीत सिंह, इंदरपाल सिंह उर्फ पिंटू राणा, डॉ.राजीव अरोड़ा आदि मौजूद रहे।

एसडीएम डॉ .अमृता शर्मा का घेराव कर मिल शुरू करवाने की मांग करते किसान।

युवक पर चाकू से किया हमला, हालत नाजुक

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचारः कोतवाली इलाके के गांव भगवानपुर में एक युवक की उस वक्त जान बच गई। जब हमलावरों ने एक युवक पर चाकू से हमला कर दिया। चाकू युवक की पीठ के नीचे एक इंच घाव बनाते हुए धंस गया और युवक लहूलुहान होकर नीचे गिर गया। सूचना मिलते ही पुलिस ने घटनास्थल का मौका मुआयना किया और एक हमलावर को भी हिरासत में लिया। घायल को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां उसकी हालत नाजुक बनी हुई है।

गांव भगवानपुर निवासी विशाल कुमार परिवार के साथ रहता है। मंगलवार की देर रात्रि को गांव के ही कुछ युवकों ने विशाल को बुलाया और फिर हाथापाई कर जमीन पर गिरा दिया।

इसी दौरान एक युवक ने चाकू निकाला और युवक की पेट में घोपने की कोशिश की। जब युवक भागा तो चाकू उसकी पीठ के नीचे जा लगा और वह लहूलुहान होकर नीचे गिर गया। चीख पुकार की आवाज सुनकर ग्रामीण भी घटनास्थल की दौड़ पड़े और एक हमलावर को दबोच लिया। आनन-फानन में युवक को जिला अस्पताल ले जाया गया। घायल युवक का कहना था कि दो साल पहले उसका गांव के युवकों से विवाद हो गया था।

ब्रीफ न्यूज

ईसीएचएस बनबसा को मिला छह सीटर गोल्फ कार्ट वाहन

बनबसा : पूर्व सैनिकों की सुविधा को देखते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने ईसीएचएस पॉलीक्लिनिक बनबसा छावनी के लिए छह सीटर गोल्फ कार्ट वाहन उपलब्ध कराया है। इससे क्षेत्र के हजारों पूर्व सैनिकों, वीर नारियों एवं आश्रितों को अब मुख्य राजमार्ग से पॉलीक्लिनिक तक पहुंचने में सुविधा मिलेगी। पूर्व सैनिक संगठन के अध्यक्ष कैप्टन भानी चंद ने कहा कि यह गोल्फ कार्ट न केवल उनकी आवाजाही को आसान बनाएगा, बल्कि राज्य सरकार की "सैनिक सम्मान सर्वोपरि" प्रतिबद्धता का सशक्त और भावनात्मक प्रतीक भी है।

केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट वेलफेयर सोसाइटी का सदस्यता अभियान शुरू

काशीपुर : केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट वेलफेयर सोसाइटी के अध्यक्ष संजय सिंह ने बताया कि सोसाइटी का सदस्यता अभियान शुरू हो रहा है जो 27 नवंबर से 8 दिसंबर तक चलेगा। जिन मेडिकल स्टोर स्वामियों को सदस्यता लेनी है वह नृप फार्म शुगर फैक्ट्री रोड, उत्तरांचल ड्रग हाउस रामनगर रोड, अमर मेडिकल स्टोर मेन बाजार, भारत फार्मा नई सब्जी मंडी और सत्यम मेडिकल स्टोर आर्यनगर से सदस्यता फॉर्म ले सकते हैं।

संविधान का पालन करने एवं कर्तव्यनिष्ठ रहने की शपथ ली

अल्मोड़ा में धूमधाम से मनाया संविधान दिवस, गोष्ठी में पुलिस ने बेहतर कानून व्यवस्था बनाए रखने का संकल्प दोहराया

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचार: जिले भर में संविधान दिवस धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर विभिन्न सरकारी व गैरसरकारी संगठनों सहित राजनीतिक पार्टियों ने राष्ट्रीय प्रतीकों और संविधान के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहने की शपथ ली।

बुधवार को एसएसपी देवेंद्र पींचा ने पुलिस कार्यालय में जवानों और अधिकारियों को बाबा साहब को याद करते हुए संविधान की शपथ दिलाई गई। इस दौरान सभी से संविधान का पालन करने और राष्ट्र हित में योगदान की अपील की। उन्होंने कहा कि संविधान हमारे देश की आत्मा है। हमें इसका सम्मान करना चाहिए। इस दौरान संविधान की प्रस्तावना को भी पढ़ा गया। वहीं, सभी पुलिस कर्मियों ने यह भी संकल्प लिया कि हम अपने प्रदेश में बेहतर कानून व्यवस्था बनाये रखने और देश में शांति, उन्नति और समृद्धि को बढ़ाने का निरंतर प्रयास करेंगे। इधर, कलक्ट्रेट समेत अन्य संस्थानों में अधिकारियों और कार्मिकों को राष्ट्र के संविधान की एकता, अखण्डता व सम्प्रभुता को बनाये रखने को संविधान दिवस की शपथ दिलाई गई।

यूथ कांग्रेस ने डॉ. आंबेडकर को दी श्रद्धांजलि: संविधान दिवस पर यूथ कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मंगलवार को चौघानपाटा में स्थित पार्क में स्थापित बाबा साहेब डॉ. भीम राव आंबेडकर की मूर्ति पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी गई। इस मौके पर नगर अध्यक्ष जगदीश तिवारी ने कहा कि बाबा साहेब डॉ. भीमराव ने समाज में शिक्षा का प्रचार प्रसार किया। जात पात के भेदभाव को समाप्त करने में उनके योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता है। इस अवसर पर प्रदीप बिष्ट, संजय पांडे, अभिनव बुधोरी, दीपक मेहरा, भगवान भोजक, विश्वास टम्टा, राहुल कुमार, रितिक भट्ट, करन बेलवाल, नीरज जोशी व कमल मेहता आदि मौजूद रहे।

अल्मोड़ा पुलिस कार्यालय में एसएसपी ने पुलिस कार्मिकों को संविधान दिवस की शपथ दिलाई।

रानीखेत में सशस्त्र सीमा बल मुख्यालय में संविधान दिवस के अवसर पर मौजूद अधिकारी और जवान। ● अमृत विचार

भाजपाइयों ने मनाया राष्ट्रीय गौरव उत्सव

अल्मोड़ा : 'वंदे मातरम्' की रचना के 150 वर्ष पूर्ण होने पर अल्मोड़ा में बुधवार को भाजपा कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रीय गौरव उत्सव मनाया। वहीं, संविधान दिवस के अवसर पर जिले के सभी विद्यालयों एवं संस्थानों में सामूहिक वंदे मातरम् का गायन आयोजित किया गया। यहां कार्यक्रम में जिलाध्यक्ष महेश नयाल, पूर्व विधायक रघुनाथ सिंह चौहान, जिला महामंत्री दर्शन रावत, ब्लॉक प्रमुख हिमानी कुंडू, पूर्व जिलाध्यक्ष रवि रौतेला, नगर अध्यक्ष विनीत बिष्ट, मनीष जोशी, नगर महामंत्री देवेंद्र भट्ट, शुभम रौतेला, गिरीश पांडे, निशा बिष्ट, संदीप श्रीवास्तव, इंद्रमोहन, दीपक भंडारी, प्रेम लटवाल, जगत भट्ट, चंपा देवी, बलवंत बिष्ट, किशन बिष्ट, मनोज बिष्ट, भावेश, शांति बिष्ट, पवन लटवाल, गोदावरी चतुर्वेदी, राजीव गुरुरानी, पूनम पालीवाल आदि रहे।

सशस्त्र सीमा बल मुख्यालय में संविधान दिवस का आयोजन

रानीखेत : भारत सरकार गृह मंत्रालय के निर्देशों पर 26 नवम्बर 1949 को भारतीय संविधान को अंगीकार करने के उपलक्ष्य में संविधान दिवस का आयोजन किया गया। सीमांत मुख्यालय रानीखेत में संविधान दिवस के उपलक्ष्य में उप महानिरीक्षक दुर्गा बहादुर सोनार के मार्गदर्शन में अधिकारियों व जवानों ने मिलकर संविधान की प्रस्तावना को उच्चारित किया। कार्यक्रम के माध्यम से संविधान निर्माण में योगदान देने वाले महापुरुषों विशेषकर भारत रत्न बाबा साहब भीम राव अंबेडकर का भी स्मरण किया गया।

संविधान दिवस पर जिलाधिकारी ने दिलाई शपथ

टनकपुर : संविधान दिवस पर जनपद चम्पावत में विभिन्न कार्यालयों, संस्थानों, विभागों, शैक्षिक परिसरों एवं संगठनात्मक इकाइयों में भारतीय संविधान की उद्देशिका का सामूहिक वाचन व पाठ किया गया। राजकीय महाविद्यालय टनकपुर में संविधान दिवस एवं वंदे मातरम कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन राजनीति विज्ञान विभाग के तत्वावधान में आयोजित हुआ। कार्यक्रम के अध्यक्षता और प्रभारी प्राचार्य प्रोफेसर डॉ. एसके कटियार द्वारा की गई है। इस मौके पर प्रोफेसर डॉ एम एस चौहान, डॉ अब्दुल शाहिद, डॉ. सुमन कुमारी, डॉ. सुषमा मक्कड़, डॉ. विमल जोशी, डॉ. होशियार सिंह, डॉ. पूनम, डॉ. रोहित शर्मा, डॉ. मीनाक्षी जोशी व छात्र-छात्राएं मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. सुल्तान सिंह यादव ने किया। इधर जिला मुख्यालय चम्पावत स्थित जिला सभागार में मुख्य कार्यक्रम आयोजित हुआ, जिलाधिकारी मनीष कुमार ने स्वयं उद्देशिका का वाचन कर उपस्थित अधिकारियों, कर्मचारियों एवं नागरिकों को संविधान के प्रति निष्ठा, समर्पण एवं कर्तव्य पालन की शपथ दिलाई। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने भारत के लोकतांत्रिक मूल्यों, न्याय, स्वतंत्रता, समानता एवं बंधुत्व की भावना को जीवन और कार्य शैली में अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि संविधान सिर्फ एक दस्तावेज नहीं, बल्कि समावेशी, सशक्त और प्रगतिशील भारत की आधारशिला है।

वरिष्ठ कांग्रेस नेता रतन सिंह डोगरा का निधन

दिनेशपुर : वरिष्ठ कांग्रेस नेता रतन सिंह डोगरा (75) का बुधवार प्रातः 10:30 बजे अपने निवास चरनपुर में आकस्मिक निधन हो गया। गुरुवार को प्रातः 10 बजे चरनपुर डोगरा फॉर्म में अंतिम संस्कार किया जाएगा। उनके निधन पर परिवार में कोहराम मच गया। वह अपने पीछे पत्नी पार्वती देवी, तीन पुत्रों में भुवन डोगरा, मोहन डोगरा, गोपाल डोगरा,व एक पुत्री प्रिया शर्मा का भरापूरा परिवार छोड़ गए हैं। निधन का समाचार सुनते ही उनके निवास चरनपुर में शोक व्यक्त करने वालों का तांता लग गया। मास्टर रतन सिंह डोगरा पूर्व में कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष और विभिन्न पदों पर रहते हुए पार्टी संगठन के लिए कार्य किया। राजनीति के साथ वह सामाजिक व धार्मिक कार्यक्रमों में बढ़-चढ़कर भाग लेते थे। शोक व्यक्त करने वालों में महिला अधिकार मंच की हीरा जंगपांगी रौतेला, जिपंस प्रतिनिधि नरेंद्र सिंह कोरंगा उर्फ नम्मू, भाजपा प्रदेश मंत्री गुंजन सुखीजा, समिति डायरेक्टर बलवंत सिंह कोरंगा, पूर्व सुबेदार मेजर हिम्मत सिंह कुंवर, चंद्रमणि देवराड़ी, श्याम सिंह देऊपा, राम सिंह कोरंगा, अनिल रौतेला, मोहन जोशी, चंचल सिंह देऊपा, मान सिंह कोरंगा आदि मौजूद रहे।

रतन सिंह (फाइल)।

आयुष ने हासिल किया प्रथम स्थान

संवाददाता, टनकपुर

अमृत विचार: ऑल इंडिया स्तर पर आयोजित प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में विवेकानंद विद्या मंदिर इंटर कॉलेज, टनकपुर जनपद चम्पावत के होनहार छात्र आयुष द्वारा प्रथम स्थान प्राप्त करना समस्त विद्यालय परिवार के लिए अत्यंत गर्व एवं हर्ष का विषय है। यह उपलब्धि उनकी कठोर मेहनत, उत्कृष्ट प्रतिभा और अनुशासित प्रयासों का परिणाम है, जिसने विद्यालय का नाम राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित किया है।

विद्यालय के दो विद्यार्थियों का चयन ऑल इंडिया टॉप 100 में हुआ था, जिनमें से एक छात्र ने पूरे भारत स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त कर विद्यालय के इतिहास में स्वर्णिम अध्याय जोड़ दिया है। यह असाधारण सफलता अटल इनोवेशन लैब के मेंटर केशर सिंह बिष्ट के कुशल दिशा-निर्देशन और जगदीश सिंह बोहरा अटल लैब सहायक के निरंतर मार्गदर्शन एवं तकनीकी सहयोग, प्रधानाचार्य कृष्ण वर्धन जोशी के प्रेरणादायी नेतृत्व तथा समस्त अध्यापकगण के अथक प्रयासों का प्रतिफल है। साथ ही विद्यालय के पूर्व छात्र अभय रावत द्वारा विद्यार्थियों के प्रोजेक्ट निर्माण में दिए गए दिशा-निर्देश एवं सहयोग ने भी इस सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिससे छात्रों को तकनीकी दृष्टि से सशक्त बनने की प्रेरणा मिली। विद्यालय परिवार की ओर से आयुष सहित चयनित सभी विद्यार्थियों को इस गौरवपूर्ण उपलब्धि के लिए, शुभकामनाएं दी गई है।

टनकपुर विवेकानंद विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में होनहार छात्रों को किया सम्मानित।

चीड़ की तस्करी मामले में तीन साल की सजा

अल्मोड़ा : चीड़ तस्करी के एक मामले में सिविल जज जूनियर डिवीजन भिकियासैंण की अदालत ने फैसला सुनाया है। मामले में न्यायालय ने आरोपी को तीन साल की सजा सुनाई हुई है। सहायक अभियोजन अधिकारी ने बताया कि साल 2017 में वादी हीरानगर शीशमहल हल्द्वानी निवासी नवीन चंद्र टम्टा ने भतरौंजखान थाने में एक मुकदमा दर्ज कराया था। जिसमें आरोपी दीन दयाल जोशी, निवासी लामाघेड़ मुखानी नैनीताल पर लीसा तस्करी के आरोप लगाए थे। इसके बाद मामले की जांच की गई। जांच में सामने आया कि अभियुक्त दीन दयाल जोशी ने फर्जी रवन्नों से 12 और 18 जनवरी को अवैध तरीके से चीड़ की निकासी की। रवन्नों में रेंजर और वन दरोगा के फर्जी हस्ताक्षर भी किए गए। जांच में समाने आया कि दिखाए गए रवन्ने डीएफओ कार्यालय से रेंज कार्यालयों को आवंटित नहीं किए गए थे। न्यायाधीश ने अभियुक्त दीन दयाल जोशी को तीन साल सश्रम कारावास की सजा सुनाई।

आपातकालीन मामलों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं

● अल्मोड़ा में डीएम ने रेफरल प्रकरणों की समीक्षा बैठक ली

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचार: जिले के अस्पतालों से रेफरल प्रकरणों की बुधवार को डीएम अंशुल सिंह ने समीक्षा बैठक ली। इस दौरान उन्होंने रेफर किए गए प्रत्येक प्रकरण में रेफर के बाद भी अपडेट लिए जाने के निर्देश दिए। वहीं, कहा कि आपातकालीन मामलों में लापरवाही कतई बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

कलक्ट्रेट में आयोजित समीक्षा बैठक में डीएम ने स्वास्थ्य विभाग सहित अन्य संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि रेफरल से संबंधित प्रत्येक प्रकरण का नियमानुसार समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि गंभीर मरीजों को समय पर उपयुक्त चिकित्सा सुविधा मिलना सर्वोच्च प्राथमिकता है, इसलिए, सभी अधिकारी समन्वय के साथ कार्य करें। कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि जो संसाधन उपलब्ध हैं, उनका शत प्रतिशत उपयोग हो। रेफर हुए प्रत्येक प्रकरण में मरीज या मरीज के रिश्तेदार का फोन नंबर भी उपलब्ध कराया जाए, जिससे मरीज के उपचार के बारे में अपडेट ली जा सके। कहा कि सभी अस्पतालों में जच्चा बच्चा के सभी केसों का सुव्यवस्थित डेटा रखा जाए। यहां बैठक में सीडीओ रामजी शरण शर्मा, एडीएम युक्ता मिश्र, सीएमओ डॉ. नवीन चंद्र तिवारी, पीएमएस जिला अस्पताल डॉ. हरीश चंद्र गढ़कोटी आदि मौजूद रहे।

अल्मोड़ा कलक्ट्रेट में बुधवार को डीएम ने रेफरल प्रकरणों की समीक्षा बैठक ली।

रेफर मरीजों का डाटा अपडेट रखने के निर्देश

डीएम ने कड़े निर्देश दिए कि जब भी कोई मरीज रेफर किया जाता है, तो रेफर होने के बाद भी मरीज के बारे में अपडेट लेते रहें। उन्होंने कहा कि रेफर करने से पूर्व ही यह सुनिश्चित कर लिया जाए कि जहां मरीज रेफर किया जा रहा है, वहां उस मरीज का इलाज संभव है या नहीं। मरीज को निकटतम हॉस्पिटल में ही रेफर किया जाए। बैठक में सीएमओ ने जानकारी दी है कि एक नवंबर से 23 नवंबर तक जनपद के अस्पतालों से रेफर हुए मरीजों की प्रतिशतता, ओपीडी मरीजों के सापेक्ष एक प्रतिशत से भी कम है।

निर्माणाधीन मेडिकल कॉलेज का निरीक्षण करते पेयजल निर्माण निगम के जीएम।

जीएम ने किया मेडिकल कॉलेज का निरीक्षण

रुद्रपुर : रुद्रपुर में मेडिकल कॉलेज का निर्माण कार्य तेजी से किया जा रहा है। इसको लेकर पेयजल निर्माण निगम के जीएम अनूप पांडे ने मेडिकल कॉलेज निर्माण स्थल पहुंचे और कार्य की प्रगति का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने निर्माण कार्य की रफ्तार धीमी होने पर नाराजगी जताई। बुधवार को निरीक्षण के दौरान जीएम अनूप पांडे ने कार्यदायी संस्था को स्पष्ट निर्देश दिए कि गुणवत्ता में किसी तरह की कमी न हो और तय समय सीमा में कार्य पूरा किया जाए। उन्होंने कहा कि मेडिकल कॉलेज क्षेत्र की एक महत्वपूर्ण जरूरत है, इसलिए निर्माण में अनावश्यक देरी कतई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। साथ ही कार्यदायी संस्था को दिसंबर के अंत तक निर्माण कार्य पूरा करने के निर्देश दिए। यहां बता दें कि रुद्रपुर में मेडिकल कॉलेज का निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है। हर हाल में वर्ष 2026 के सत्र से मेडिकल कॉलेज की पढ़ाई शुरू करानी है। इसको लेकर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की काफी गंभीर है। इस अवसर पर प्रोजेक्ट मैनेजर नरेंद्र नवानी, ईई पेयजल सुनील जोशी आदि मौजूद रहे।

यूकेडी नेता भट्ट के निधन पर जताया शोक

अल्मोड़ा : यूकेडी नेता व पूर्व कैबिनेट मंत्री दिवाकर भट्ट के निधन पर कार्यकर्ताओं ने शोक जताया। उनके निधन को उत्तराखंड की राजनीति अपूर्ण क्षति बताया। साथ ही उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। बुधवार के उत्तराखंड क्रांति दल की ओर से एक शोक सभा आयोजित की गई। जिसमें कार्यकर्ताओं ने दो मिनट का मौन रख भगवान से मृतक आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। यहां यूकेडी जिलाध्यक्ष दिनेश जोशी, नगर अध्यक्ष मोहित शाह, जिला उपाध्यक्ष सुजीत टम्टा, महिला जिला अध्यक्ष दीपा जोशी, पान सिंह लटवाल, किरण मेहरा, जगदीश जोशी, पुष्कर सिंह, पवन सिंह, अनीता आर्य, कुंदन कनवाल, दीपक कुमार, धीरज कुमार, गोपाल मेहता, दीवान बनौला, गणेश मस्यूनी, गिरीश नाथ गोस्वामी, गिरीश बनौला आदि रहे। वहीं, उपपा ने भी दिवाकर भट्ट के निधन पर शोक जताया।

बलिया गया परिवार, घर में चोरी

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: थाना ट्रांजिट कैंप इलाके के गांव गणेशपुर में बंद पड़े मकान पर धावा बोलकर चोरी की बड़ी वारदात को अंजाम दे डाला। सूचना मिलने पर पुलिस ने घटनास्थल का मौका मुआयना किया और प्रकरण की जांच शुरू कर दी है। बताया कि परिवार यूपी अपने बेटे की शादी करने गया था और आशंका जताई है कि चोरों ने लाखों की चोरी को अंजाम दिया होगा। फिलहाल पुलिस ने तलाश तेज कर दी है।

जानकारी के अनुसार फुलसुंगा मार्ग स्थित गांव गणेशपुर निवासी मनोज पाठक परिवार के साथ रहते हैं और 15 दिन पहले ही अपने बेटे की शादी करने पैतृक गांव बलिया गए हुए थे। सात दिन पहले ही बेटे की यूपी के लिए, रवाना हुए थे। बताया जा रहा है कि 30 नवंबर को बेटे की शादी तय हुई है। बुधवार को जब मकान के सीसीटीवी कैमरे बंद आने लगे तो मकान स्वामी मनोज पाठक ने परिचित सब्जी विक्रेता को घर पर जाने की बात कही और सब्जी वाले ने चोरी की घटना गांव के लोगों को दी। सूचना मिलने पर जब पुलिस ने घटनास्थल का मौका मुआयना किया तो पाया कि मुख्य गेट का दरवाजा तोड़कर चोरों ने अंदर प्रवेश किया और जिस प्रकार प्रत्येक कमरे की अलमारी व सामान बिखरा पड़ा था। उससे साफ है कि लाखों की चोरी हो सकती है।

चोरी के बाद बिखरा सामान। ● अमृत विचार

लोन दिलाने के नाम पर महिला से 38 हजार ठगे

संवाददाता, खटीमा

अमृत विचार: गांगी गौझरिया पटिया निवासी कृष्णा देवी ने पुलिस को सौंपी तहरीर में कहा है कि दो माह पूर्व चारूबेटा निवासी सलमान पुत्र उसके पास आया और कहने लगा कि मैंने कई लोगों को आधार कार्ड पर लोन दिलाया है। जिसके लिए बैंक में खाता खुलवाना पड़ता है और चार लाख रुपये तक का आपका लोन हो जाता है। वह सलमान की बातों में आ गई और लोन करवाने के लिए कहने लगी। जिस पर सलमान ने कहा कि आपका हस्ताक्षर किया हुआ 10 रुपए का स्टाम्प राशन व आधार कार्ड की आवश्यकता है। जिससे कि पहले खाता खुलवाया जा सके तब उसने आधार कार्ड की प्रति व राशन कार्ड व अपने फोटो और हस्ताक्षर किया हुआ स्टाम्प सलमान को दे दिया। जिसके पश्चात 550 रुपये लेकर सीएससी सेन्टर चारूबेटा में खाता खुलवाया गया। उसी दिन 2000 रुपये बैंक आदि के कागजात बनाने के लिए। जिसके बाद 20 नवंबर 2024 को 2700/, 21 को 23 को 2000, 25 को 2000, 26 को 1000, 29 को 5000 सहित कई बार में कुल 38050 रुपये ले लिए। ठगे जाने की आशंका के बाद जब पैसा वापस कर दो तब सलमान द्वारा कहा गया कि तुम्हारा सिविल खराब है। तुम्हारा लोन नहीं हो सकता।

अपील

राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने किया कार्यशाला का आयोजन

जागरूकता से लगेगा बाल अपराधों पर अंकुश

संवाददाता, पिथौरागढ़

अमृत विचार: राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने जिला पंचायत सभागार में कार्यशाला आयोजित की। इसमें काफी संख्या में बच्चे शामिल रहे। आयोग के सचिव डॉ. एसके बरनवाल ने बच्चों को उनके अधिकार बताते हुए साइबर क्राइम, सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक किया। कहा कि, बच्चों की जागरूकता से ही बाल अपराधों पर अंकुश लगेगा।

जिला पंचायत सभागार में हुई कार्यशाला में डॉ. बरनवाल ने बच्चों के मानसिक, शारीरिक एवं भावनात्मक रूप से सुरक्षित वातावरण में जीने का अधिकार, नाम एवं राष्ट्रीयता प्राप्त करने का अधिकार तथा सरकारी संरक्षण की जानकारी साझा की। कहा कि, हर बच्चे को उसके अधिकार मिलें, आयोग इसके लिए गंभीर है। आयोग स्कूलों में आरटीई के तहत निर्धन बच्चों को दिए गए प्रवेशों की भी जानकारी ले रहा है। सीटों के सापेक्ष हर निजी स्कूल को निर्धन बच्चों को प्रवेश देना होगा।

जिलाधिकारी पिथौरागढ़ आशीष भटगाईं ने बच्चों को नशा मुक्ति के प्रति जागरूक किया। पुलिस विभाग ने बच्चों को साइबर अपराधों की जानकारी दी। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि बच्चों को इंटरनेट का उपयोग कम करना चाहिए। इंटरनेट, सोशल मीडिया की जानकारी के अभाव में बच्चे साइबर क्राइम के जाल में फंस रहे हैं। मास्टर ट्रेनर चंद्रशेखर जोशी ने बच्चों को यातायात के नियम बताते हुए इनका पालन करने की अपील की। कार्यशाला में बाल संरक्षण आयोग के अनु सचिव सतीश कुमार सिंह, एडीएम योगेंद्र सिंह, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव मंजू देवी सहित कई अधिकारी और विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थी शामिल रहे।

पिथौरागढ़ में बालिकाओं को पुरस्कृत करते मुख्य अतिथि। ● अमृत विचार

सरस्वती विद्या मंदिर में कार्यक्रम का किया आयोजन

सितारगंज : गुरु तेग बहादुर शहीद दिवस के अवसर पर सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। बुधवार को आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि कैप्टन आत्मा सिंह, कार्यक्रम अध्यक्ष सुखबीर सिंह बेदी, मुख्य वक्ता गुरु सेवक सिंह, विद्यालय के अध्यक्ष अजीत सिंह जोशन ने सामूहिक रूप से किया। मुख्य वक्ता गुरु सेवक सिंह ने कहा कि गुरु तेग बहादुर ने तिलक और जनेऊ की रक्षा करने के लिए भाई सती दास, भाई मतीदास, भाई दियाला सिंह के साथ अपने जीवन का बलिदान किया था। वहीं, विद्यालय के अध्यक्ष अजीत सिंह जोशन ने बच्चों से गुरु तेग बहादुर जी का साहित्य पढ़ने का आह्वान किया। इधर, कार्यक्रम अध्यक्ष सुखबीर सिंह बेदी ने विद्यालय प्रबंधन का आभार व्यक्त किया। वहीं, संचालन सुनील पाठक ने किया। इस मौके पर प्रधानाचार्य निरंजन सिंह, अनिल गर्ग, अनिल मित्तल मौजूद रहे।

द विल्बर स्कूल के स्थापना दिवस पर कार्यक्रमों की प्रस्तुति देतीं छात्राएं।

आकर्षण का केंद्र रहा नाटक "टोनी का पोनी"

शक्तिफार्म : द विल्बर स्कूल के स्थापना दिवस पर "स्वदेश : एक सोच, एक पहचान" थीम पर, भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें नाटक "टोनी का पोनी" मुख्य रूप से आकर्षण का केंद्र रहा। जिसमें विदेश जाने की बढ़ती प्रवृत्ति पर व्यंग्यात्मक रूप से प्रकाश डाला गया। द विल्बर स्कूल के स्थापना दिवस पर आयोजित नाटक ने दर्शाया कि, विदेशी चमक-दमक के मोह में देश छोड़ना हमेशा उचित निर्णय नहीं होता। युवा अपने देश में आत्मनिर्भरता और सम्मानजनक आय का मार्ग चुन सकते हैं। नाटक के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि, विदेशी सपनों के नाम पर युवाओं का शोषण करने वाले एजेंट आर्थिक और मानसिक क्षति पहुंचाते हैं। समारोह के मुख्य अतिथि मनोज कुमार, कमांडिंग ऑफिसर सशस्त्र सीमा बल ने विद्यार्थियों की प्रस्तुति की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम, युवाओं में जागरूकता और राष्ट्रप्रेम की भावना का संचार करते हैं। कार्यक्रम में मानवेंद्र सिंह, सुकुमार वैध, प्रकाश हालदार, विद्यालय प्रबंधक राजीव बख्शी आदि मौजूद रहे।

डिजिटलाइजेशन: ग्राउंड मैपिंग के लिए टीमें रवाना

किच्छा : भारत सरकार की योजना के तहत किच्छा नगर पालिका क्षेत्र को डिजिटलाइजेशन से जोड़ने के दूसरे चरण का कार्य शुरू हो गया है। पहले चरण में ड्रोन मैपिंग पूरी होने के बाद, अब ग्राउंड मैपिंग (स्थल निरीक्षण) की प्रक्रिया शुरू की गई है। किच्छा तहसील में तहसीलदार गिरीश चंद्र त्रिपाठी की अध्यक्षता में नगर पालिका, तहसील प्रशासन और भारत सरकार की संयुक्त टीम की बैठक हुई। इसमें ग्राउंड मैपिंग को धरातल पर उतारने के लिए विस्तृत रूपरेखा तैयार की गई। बैठक के बाद, स्थल निरीक्षण के लिए तहसील, नगर पालिका और चकबंदी विभाग के अधिकारियों-कर्मचारियों को शामिल करते हुए छह सर्वे टीमों का गठन किया गया और उन्हें उपकरणों के साथ अलग-अलग क्षेत्रों में रवाना किया गया। इस परियोजना का लक्ष्य किच्छा की संपूर्ण भूमि का डिजिटाइजेशन करना, सही आंकड़े तैयार करना और भूमि प्रबंधन करते हुए निवासियों के लिए अर्बन कार्ड बनाना है।

मेरा शहर-मेरी प्रेरणा

वीरेंद्र कुमार सिंह : बरेली की योग्यतम संतान को मुख्यधारा में लाए

बरेली शहर अपने अस्तित्व के साथ ही वाणिज्य का प्रमुख केंद्र बना रहा। सल्तनत काल के बाद मुगल आए, उन्होंने भी बड़ा व्यापारिक केंद्र होने के नाते बरेली पर फोकस रखा। अंग्रेजों ने तो प्रशासनिक व्यवस्था के संचालन के लिए बरेली को ही केंद्र बना लिया। यहां तैनात रहे तमाम अधिकारियों ने शहर के विकास पर ज्यादा जोर दिया। इन सबके बीच जिले में तैनात रहे कुछ अफसरों ने लीक से हटकर काम किया और उनकी यादें लोगों के दिलो-दिमाग पर कायम हो गईं। ऐसे अफसरों की कार्यशैली की प्रशंसा करते हैं और नजीर के तौर पर पेश भी करते हैं। बरेलियंस के दिलो-दिमाग पर छाए अफसरों की फेहरिस्त लंबी है। इनमें जिन अफसरों की यादें लोगों के जेहन में लंबे समय से पैबस्त हैं, उनमें आईएएस अफसरों में दीपक सिंघल, रमारमण, नितीश कुमार, देशदीपक वर्मा, टी. वेंकटेश, वीरेंद्र कुमार सिंह, केबी अग्रवाल, संजय भूस रेड्डी, सीताराम मीणा, अनिल गर्ग, पुलिस अफसरों में सीडी कैंथ, उदयन परमार, वीके मौर्य, आनंद स्वरूप, गुरु वचन लाल, पीसीएस अफसरों में बाबा हरदेव सिंह,मंजुल जोशी, दिनेश कुमार सिंह शामिल हैं। कलेक्ट्रेट के प्रशासनिक अधिकारी के पद से सेवानिवृत्त हो चुके बनवारी लाल अरोड़ा बताते हैं कि बरेली में तैनात रहे सभी पुलिस और प्रशासनिक अफसर अपनी काबिलियत में बेमिसाल थे, लेकिन कई अफसरों ने अपनी कार्यशैली के जरिये लोगों को अपना मुरीद बना लिया। यही कारण है कि लोग आज भी उन्हें बड़े ही प्यार और अदब से याद करते हैं। अमृत विचार की मेरा शहर -मेरी प्रेरणा सीरीज में कुछ खास अफसरों के बारे में सुनील सिंह की विशेष रिपोर्ट ...

राधेश्याम कथावाचक के जरिये बना दिया साहित्यिक माहौल

रिटायर्ड आईएएस अफसर वीरेंद्र कुमार सिंह वर्ष 2018-19 में बरेली के कलेक्टर रहे। प्रशासनिक कार्यों के बीच बरेली में साहित्यिक माहौल बनाने में उन्होंने बड़ा योगदान किया, जो कि एक प्रशासनिक अफसर की भूमिका के रूप में बेहद अलग था। वह बताते हैं कि जब इस शहर में आए और उन्होंने लोगों से बात शुरू की तब पता चला कि बरेली शहर की योग्यतम संतान राधेश्याम कथावाचक को लोग विस्मृत कर रहे हैं। राधेश्याम रामायण देश के तमाम हिस्सों में आज भी प्रचलित है। अवधी रामलीला का मुख्य आधार ही राधेश्याम रामायण है। इसके अलावा पंजाब से लेकर लाहौर तक उनकी रामायण पढ़ी और मंचित की जाती थी। यही नहीं अपनी विशिष्ट शैली के कारण उनके लिखे नाटकों का उत्तर भारत में जबरदस्त आकर्षण था। वह कहते हैं कि इस बात से उन्हें बहुत आघात लगा कि बरेली शहर के ही लोग राधेश्याम कथावाचक को भूलते जा रहे हैं।

वह कहते हैं कि इसके बाद तय किया कि बरेली की योग्यतम संतान राधेश्याम कथावाचक को एक बार फिर जनमानस के बीच में स्थापित करेंगे। इसके लिए शहर के प्रमुख रंगकर्मियों और साहित्यकारों को जोड़ा। शहर के प्रबुध लोगों को योजना पसंद आई और पहली संजय कम्युनिटी हाल में उनके जन्मदिन 25 नवंबर पर सप्ताह भर का पंडित राधेश्याम कथावाचक नाट्य उत्सव का आयोजन किया गया। इसमें पंडित जी के नाटकों का मंचन किया गया। शहर के गणमान्य लोग, प्रबुद्ध जन और आम लोग पहुंचे। कार्यक्रम के बाद से पंडित जी के लेखन को लेकर शहर में सकारात्मक माहौल बना। वह बताते हैं कि उनके कार्यकाल में दो बार आयोजन हुआ। उनके जाने के बाद शहर के लोगों इस आयोजन की कमान संभाल ली। तीसरा आयोजन फ्यूचर यूनिवर्सिटी में किया गया। इस आयोजन में वह लखनऊ से आकर शामिल हुए थे। शहर के वरिष्ठ पत्रकार रणजीत पांचाले समेत अन्य लोग आयोजन की कमान संभाले हुए हैं। रणजीत पांचाले बताते हैं कि पिछले दो सालों से इस आयोजन का स्वरूप थोड़ा बदल गया है। अब उनके नाटकों के मंचन से ज्यादा बौद्धिक पक्ष पर चर्चा पर फोकस किया जाता है। हालांकि उनके नाटकों का मंचन भी जारी है। अभी कुछ समय पहले उनकी पुण्यतिथि पर शहर में आयोजित नाट्य महोत्सव में राधेश्याम कथावाचक के नाटकों का मंचन किया गया है। उन्होंने प्रेमचंद की कहानियों पर आधारित नाट्य उत्सव का आयोजन कराया था।

जिला लाइब्रेरी में स्थानीय रचनाकारों की बनवाई दीर्घा

बकौल वीरेंद्र कुमार सिंह राधेश्याम कथावाचक के नाटकों का आकर्षण महान उपान्यासकार प्रेमचंद के उपन्यास गबन को पढ़कर समझा जा सकता है। गबन उपन्यास का नायक गबन करने के बाद पुलिस की गिरफ्त से बचने के लिए कलकत्ता में जाकर छिप जाता है। अपनी फरारी के दौरान उसे पता चलता है कि कलकत्ता शहर में राधेश्याम कथावाचक के नाटक का मंचन होने जा रहा है। यह जानते हुए कि पुलिस उसकी गिरफ्तारी के लिए प्रयासरत है, लेकिन उपन्यास का नायक अपने छिपे हुए स्थान से बाहर निकल कर नाटक देखने के लिए पहुंच जाता है। रणजीत पांचाले कहते हैं कि वीरेंद्र कुमार सिंह का योगदान यहीं नहीं रुक जाता है। उन्होंने इस शहर के प्रमुख साहित्यकारों प्रख्यात शायर वसीम बरेलवी से लेकर प्रबुद्ध आलोचक मधुरेश तक की रचनाओं को संकलित कराकर राजकीय पुस्तकाल में अलग दीर्घा बनवाई थी। इस दीर्घा में बरेली के सभी साहित्यकारों की रचनाओं को स्थान दिया गया था। जिला जेल में प्रेमचंद का साहित्य रखवाया गया था।

एलेक्जेंटर इज्जत : पहाड़ पर ट्रेन चढ़ाकर इज्जत नगर के रूप में शहर का हिस्सा हो गए

अंग्रेजी शासनकाल में बरेली व्यापार के साथ ही शासन प्रशासन का महत्वपूर्ण केंद्र बन गया था। अंग्रेजों ने आसपास के क्षेत्रों पर अपना आधिपत्य बरकरार रखने के साथ कारोबार के लिए द्रुतगामी यातायात के साधनों का विकास शुरू किया। अंग्रेजों ने 1857 में पहाड़ों को मैदानी हिस्से से जोड़ने की परियोजना पर काम शुरू हुआ। ब्रिटिश रेलवे अफसर एलेक्जैंडर इज्जत ने 1883 में परियोजना की कमान संभाली। उन्होंने बरेली-काठगोदाम रेलवे ट्रैक काम शुरू किया। इसके साथ ही बरेली से लखनऊ के लिए रेलवे लाइन बिछा दी।

Allexandar Izat (Father) | W.R. Izat (Son) | R. Izat (Grandson)

एलेक्जेंडर इज्जत की तीन पीढ़ियों ने 31 साल की रेलवे की सेवा

अलेक्जेंडर इज्जत के नाम पर वाराणसी-प्रयागराज रेलवे लाइन पर प्रयागराज में गंगा नदी पर बने पुराने पुल को भी इज्जत पुल कहा जाता था। इस पुल के पहले कमांडर अलेक्जेंडर इज्जत थे। उन्होंने 1883 से 1904 तक बीएनडब्ल्यूआर के दूसरे एजेंट के रूप में कार्य किया। इसी दौरान सोनपुर से चोपन, सीवान, गोरखपुर होते हुए लखनऊ तक बीएनडब्ल्यूआर की मुख्य लाइन बिछाई गई थी। एलेक्जेंडर इज्जत के पुत्र लेफ्टिनेंट कर्नल डब्ल्यू. आर. 1920 से लेकर 1927 तक बीएनडब्ल्यूआर के एजेंट नियुक्त रहे। उनके पुत्र सर जे. रेनी इज्जत 1941 से 1944 तक बीएनडब्ल्यूआर के एजेंट रहे। पिता-पुत्र-पौत्र की इस तिकड़ी ने 31 वर्षों तक इस रेलवे के भविष्य को आकार दिया, जो पूर्वोत्तर रेलवे के गठन के महत्वपूर्ण वर्ष थे।

इज्जत स्टेशन से रेलवे डिवीजन बनने की कहानी

बरेली स्थित इज्जत नगर रेलवे स्टेशन की स्थापना 1875 में की गई थी। नार्दर्न रेलवे मेंस यूनियन से जुड़े बसंत चतुर्वेदी कहते हैं कि अलेक्जेंडर इज्जत की तीन पीढ़ियों ने पहाड़ पर ट्रेन चढ़ाने के लिए कार्य किया। अलेक्जेंडर इज्जत के काम के सम्मान में, स्टेशन का नाम इज्जत रेलवे स्टेशन रखा गया था। लोगों ने धीरे-धीरे इसे इज्जत नगर कहना शुरू कर दिया और यही नाम रेलवे रिकॉर्ड में भी दर्ज हो गया है। आजादी के बाद 14 अप्रैल 1952 को इज्जत नगर को पूर्वोत्तर रेलवे का डिवीजन बना दिया गया।

बाबा हरदेव सिंह : रसूख के आगे कभी नहीं थमा निगम का बुलडोजर

मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ के बुलडोजर बाबा के रूप में प्रसिद्ध होने से करीब 23 साल पहले यूपी सरकार के पीसीएस अफसर हरदेव सिंह बुलडोजर वाला अफसर के नाम से प्रसिद्धि पा चुके हैं। बाद में तो उनके नाम के बाबा शब्द जुड़ गया और वह आज भी बाबा हरदेव सिंह के नाम से ही जाने-पहचाने जाते हैं। बरेली शहर में 30 साल पहले मात्र छह महीने के कार्यकाल में ही उन्होंने नगर निगम जैसी राजनैतिक संस्था को प्रशासनिक संस्था के रूप में बदल दिया था।

पीसीएस अफसर हरदेव सिंह को 27 सितंबर 1995 को बरेली के नगर आयुक्त पद पर तैनाती मिली थी। यहां पहुंचते ही उन्होंने सबसे पहले नगर निगम कार्यालय के कर्मचारियों पर अंकुश लगाया। उनकी लेटलतीफी, बिना बताये कार्यालय से गायब होने पर अंकुश लगा दिया। इसके बाद उन्होंने सफाई कर्मचारियों पर शिकंजा कसना शुरू किया। बरेली के वरिष्ठ पत्रकार डॉ. अनुपम मार्कंडेय बताते हैं कि हरदेव सिंह सुबह छह बजे ही सड़कों पर निकल पड़ते थे। सड़कों और नालियों की सफाई को बेहद संजीदगी से चेक करते थे। कई बार तो वह स्वयं नाली में हाथ डालकर चेक करते थे कि सिल्ट पूरी तरह से निकाली गई है या नहीं। सफाई मनमाफिक न मिलने पर दुबारा अपने सामने सफाई कराते थे।

वह कहते हैं कि हरदेव सिंह का असली रूप तो अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई को लेकर दिखा। हरदेव सिंह ने इस शहर को पहली बार बताया कि कानून की नजर में सभी बराबर हैं। उस दौर में शहर के बड़े-बड़े शूरमाओं के अतिक्रमण देखते-देखते ध्वस्त करा दिए। धीर-धीरे उनके खिलाफ माहौल बनने लगा। रसूख वालों ने हरदेव सिंह से परेशान नगर निगम कर्मचारियों से उनके खिलाफ मोर्चा खुलवा दिया। सफाई कर्मचारी हड़ताल पर चले गए। नगर निगम के गेट पर मरा हुआ कुत्ता रस्सी से बांध कर लटका दिया गया और कूड़े के ढेर लगा दिए गए। इसके बाद शासन ने 31 मार्च 1996 को उनका तबादला कर दिया।

मंजुल जोशी : बवालियों को नाम से बुलाकर कर देते थे शर्मशार

सांप्रदायिक रूप से संवेदनशील हो चले बरेली शहर में लंबे समय तक या यूं कहें कि रिकॉर्ड समय तक एडीएम सिटी रहने वाले मंजुल कुमार जोशी शहर के लोगों के दिलों में आज भी बसते हैं। सिटी मजिस्ट्रेट फिर एडीएम सिटी के दो कार्यकाल पूरे करने वाले मंजुल कुमार जोशी उत्तराखंड राज्य बनने पर वहां भेज दिए गए थे। उत्तराखंड में आईएएस कैडर से सेवानिवृत्त होने वाले मंजुल कुमार जोशी इन दिनों हल्द्वानी में रहते हैं, लेकिन बरेली लगातार उनके दिलों में बसता है। मंजुल कुमार जोशी की खासियत यह रही है कि वह बरेली शहर के चप्पे-चप्पे से ही वाकिफ नहीं थे, बल्कि यहां रहने वाले लोगों को भी व्यक्तिगत रूप से जुड़े हुए थे। बरेली शुरू से ही संवेदनशील शहर था और आए दिन दोनों समुदायों के लोग आमने-सामने आ जाते थे, लेकिन जब मंजुल जोशी उनके बीच में आ जाते तो दो दोनों पक्ष शांत हो जाते थे, क्योंकि आमने-सामने खड़े अधिकांश लोग उनके अजीज हुआ करते थे। ऐसे में उन लोगों की तनी हुई हुईं भौंहें अपने आप झुक जाया करती थीं। मंजुल जोशी बरेली में 1982 से 1984 तक एसडीएम, फिर 1990 से 1995 तक सिटी मजिस्ट्रेट और एडीएम सिटी के रूप में तैनात रहे। बाद में दो साल के लिए नैनीताल स्थित प्रशासनिक अकादमी में तैनात रहे और वर्ष 1997 में फिर एडीएम सिटी के पद पर नियुक्त किए गए। बाद में कुछ समय के लिए अपर आयुक्त के पद भी तैनात रहें। वर्ष 2001 में अलग उत्तराखंड राज्य बनने पर उन्हें वहां भेज दिया गया।

बरेली में तैनाती के दिनों को लेकर जब उनसे बात शुरू हुई तो जैसे उनके अंदर से 10 साल से ज्यादा समय तक बरेली में गुजारे गए समय की बहुत सी यादों की गांठें खुलती चली जा रही हों। वह कहने लगे कि

> मैंने काफी समय पहले एक फिल्म देखी थी, फिल्म का नाम तो नहीं याद आ रहा है, लेकिन उसके विलेन का एक बहुत चर्चित डॉयलाग था, वह आज भी याद है। फिल्म में डायलाग था कि इस शहर की ऐसी कोई हूर नहीं जिसे वह जानता नहीं,उसी तरह बरेली शहर के बारे में मेरा अनुभव है। बरेली शहर की ऐसी कोई गली नहीं और वहां रहने वाला चाहे नोटोरियस हो या फिर प्रबुध नागरिक, सभी को वह जानते हैं। इनमें से बहुत सारे लोगों से आज भी संपर्क है और त्योहारों तथा खास मौकों पर शुभकामनाओं का आदान-प्रदान भी होता है।

बरेली बहुत हसीन जगह थी और यहां का सहजीवन लाजवाब था। जैसे पूरे देश का सहजीवन बिखर रहा है, उसी तरह बरेली में भी दरारें खिंचती जा रही हैं। पहले ऐसा नहीं था। सत्ता में भागीदारी और आर्थिक साधनों को लेकर टकराव तो अवश्य होते थे, लेकिन दिलों की दूरियां कम नहीं होती थीं। बरेली में पहली बार बाबरी मस्जिद विध्वंस के समय जो बवाल हुआ उसमें कई लोगों की जानें गईं। हालात इतने बिगड़ गए कि प्रशासन के हाथ से निकल गए और शासन के निर्देश पर स्थिति को नियंत्रित करने के लिए सेना बुलानी पड़ी। धीरे-धीरे माहौल शांत हुआ, जीवन पटरी पर लौटने लगा, लेकिन दिलों में खाई चौड़ी हो गई। बाद में वर्ष 1995 में बिहारी पुर मोहल्ले से एक जुलूस निकाला गया और सिविल लाइन्स में हनुमान मंदिर के सामने नमाज अता किए जाने से बवाल भड़क उठा। उन लोगों ने संभालने के लिए बहुत प्रयास किए। अगले दिन तत्कालीन मुख्यमंत्री मायावती का बरेली दौरा प्रस्तावित था। यह माहौल खराब करने की जान-बूझकर कोशिश की गई थी। हालात नियंत्रित न होते देखकर शहर में कर्फ्यू लगाना पड़ा और पूरे प्रशासनिक अमले का ट्रांसफर कर दिया गया। हालांकि दो साल बाद पुनः एडीएम सिटी के पद पर तैनाती मिल गई, लेकिन शहर की फिजां काफी बदल चुकी थी। लोग उनकी बात तब भी सुनते थे, लेकिन अदब-लिहाज तो कम हुआ था।

वह कहते हैं कि बरेली की बसावट ऐसी है कि बिना सहजीवन के अस्तित्व ही नहीं बचेगा। प्रशासनिक अफसरों को इसे समझना होगा। इसके लिए उन्हें बरेली की गलियों में जाकर देखना होगा। सामाजिक ताने-बाने को समझना होगा। वहां के लोगों से राब्ता कामय करना होगा। उनके सुख-दुख में शरीक होना होगा। वह कहते हैं कि उम्मीद अभी कायम है। शहर में कई इंस्टीट्यूशन ऐसे हैं जो अभी भी समाज को जोड़े रखने की कोशिशों में जुड़े हुए हैं। वह कमजोर अवश्य हुए हैं, लेकिन पूरी तरह से खारिज नहीं हुए हैं, इससे एक उम्मीद अवश्य जगती है। अंत में वह कहते हैं कि ...

भरोसे पर किसी के जब भी ठोकर खाई होती है,
तो सारी जिंदगी उस जख्म की तुरपाई होती है।

पीटर क्लटर बक : कलक्टरबक गंज आज भी गाता जिसकी गौरव गाथा

यूनाइटेड प्रॉविंस के चीफ कंजरवेटर ऑफ फॉरेस्ट सर पीटर क्लटर बक तत्कालीन संयुक्त प्रांत में अपनी तैनाती के दौरान वनों को संरक्षित करने के लिए उन्हें आर्थिकी के साथ जोड़ने का प्रयास किया। उनका मानना था कि जब तक वनोपज धनोपार्जन का जरिया नहीं बनेगी तब तक वनों को संरक्षित नहीं किया जा सकेगा। स्थानीय लोगों को वनों को आर्थिक रूप से मददगार या उनके रोजगार का जरिया बनाना बेहद जरूरी है। इसी उद्देश्य से उन्होंने बरेली जनपद में 1918 में एक यूटिलाइजेशन सर्किल बनाया था। पहले इस इलाक़े को महेशपुर अटरिया के नाम से जाना जाता था। बाद में इसे सर पीटर के सम्मान में क्लटर बक गंज कहा जाने लगा। स्थानीय लोगों की जुबान पर अंग्रेजी नाम चढ़ने में दिक्कत दे रहा था, इसलिए धीरे-धीरे इसका नाम कलक्टरबक गंज प्रचलित हो गया। यह आज भी बरेली के औद्योगिक क्षेत्र के रूप में विकसित है।

पीटर क्लटर बक के प्रयास रंग लाए और यहां पर वनोपज पर आधारित उद्योग स्थापित हुए। इससे जंगली क्षेत्र और इसके आसपास रहने वाले स्थानीय लोगों को रोजगार मुहैया हुए। यहां पर 1926 में भारतीय तारपीन और राल (आईटीआर) की स्थापना हुई। वनों से निकलने वाला लीसा इसका मुख्य कच्चा माल था। अंग्रेजी कंपनी के ठेकेदार भारतीय मजदूरों से जंगल से लीजा इकट्ठा कराते थे और कंपनी को आपूर्ति करते थे। इसके कुछ समय बाद 1937 में वेस्टर्न इंडियन मैच कंपनी (WIMCO) स्थापित हुई। यहां पर कैंफर फैक्ट्री की भी स्थापना की गई। इन उद्योगों के जरिये क्लटर बक गंज की पहचान प्रमुख औद्योगिक केंद्र के रूप में होने लगी। बड़े उद्योग धंधे स्थापित हुए तो आवागमन बढ़ा, इसलिए क्लटर बक गंज के नाम पर मुरादाबाद-लखनऊ रेल रूट पर रेलवे स्टेशन स्थापित किया गया। आजादी के बाद 1958 में यूपी राज्य औद्योगिक विकास निगम (यूपीएसआईडीसी) ने क्लटर बक गंज में औद्योगिक एस्टेट की स्थापना की। इसके बाद कई स्थानीय उद्यमियों ने अपने उद्योग स्थापित किए। हालांकि औद्योगिक नीतियों में बदलाव और अन्य स्थानीय कारणों से भारतीय तारपीन और राल (आईटीआर) कारखाने ने अप्रैल 1998 में उत्पादन बंद कर दिया और कभी देश भर में माचिस की आपूर्ति करने वाली विमको फैक्ट्री 2014 में बंद हो गई। हालांकि क्लटर बक गंज से ही सटे परसाखेड़ा में कई नई औद्योगिक इकाइयां स्थापित हो रही हैं।

एफआरआई देहरादून में क्लटर बक के नाम पर सड़क

बरेली के वरिष्ठ पत्रकार प्रभात सिंह बताते हैं कि वनों के संरक्षण और उनके आर्थिक दोहन के लिए लिए सर पीटर क्लटर बक की ओर से किए गए उल्लेखनीय कार्यों को सम्मान देने के लिए देहरादून स्थित फॉरेस्ट रिसर्च इंटीट्यूट में एक सड़क का नाम क्लटरबक रोड रखा गया है। वह आगे जोड़ते हैं कि जंगलों के संरक्षण और उन्हें विस्तार देने के लिए किए गए प्रयासों के लिए क्लटर बक इससे ज्यादा सम्मान के पात्र थे, लेकिन कलक्टरबक गंज के रूप में वह हमेशा हमारे बीच जीवित रहेंगे।

आलोचना और स्वतंत्र सोच, क्रांतिकारी के दो अनिवार्य गुण हैं।
–शहीदे आजम भगत सिंह

हवा की दवा करें

धरती पर सबसे जहरीली हवा हमारी राजधानी की है। यह न केवल देश की, बल्कि वायु प्रदूषण की वैश्विक राजधानी बन गई है। इसका वायु प्रदूषण स्तर विश्व स्वास्थ्य संगठन के मानक से 20 गुना होना दर्शाता है कि स्थिति बेलगाम है। हर साल अक्टूबर से फरवरी तक राजधानी की जहरीली हवा पर खबरों का तकरीबन रोजाना रिपीट होना इस बात का प्रमाण है कि इस स्थिति के प्रति हम महज बयानबाजी और खानापूरी तक सीमित हैं। समस्या के समूल समाधान के प्रति हमारी व्यवस्था में व्यापक अकर्मण्यता और पर्याप्त उदासीनता व्याप्त है। इसका सबूत है कि डब्ल्यूएचओ ने जब 2016 में दुनिया के सबसे 15 प्रदूषित शहरों की सूची जारी की, तो दिल्ली अव्वल थी। आज 2025 में भी हालात कमोबेश वही हैं।

आज सर्वाधिक वायु प्रदूषण वाले 183 देशों में हमारा स्थान 177वां है। यह धारणा बलवती है कि दिल्ली या बड़े औद्योगिक शहरों की हवा ही जहरीली है और बाकी जगहें अपेक्षाकृत दुरुस्त हैं, पर ऐसा नहीं है। बरेली, मुरादाबाद, लखनऊ, अयोध्या जैसे तमाम शहरों के लोग वायु गुणवत्ता सूचकांक के 200 के आसपास की हवा में जी रहे हैं, जो बहुत अस्वास्थ्यकर है। वे यह सोच भी नहीं सकते कि कभी वायु प्रदूषण से ग्रस्त नार्वे के ओस्लो का औसत एक्यूआई 1–2 तक, ऑटो इंडस्ट्री के चलते कभी कुख्यात डेट्रॉइट का 8 और भारी वाहन यातायात व औद्योगिक गतिविधियों के लिए जाना जाने वाला अल्जीयर्स का 11 भी हो सकता है। सरकार हो या समाज, यह लापरवाही आत्मघाती है। इससे पहले के वातावरण दमघोंटू हो जाए और सवा दशक पहले के बीजिंग, हेबेई और तिआनजिन जैसे शहरों की तरह अस्पतालों के बेड वायु प्रदूषण प्रभावितों से भर जाएं, लोग कैन या पाउच में अपनी साफ हवा लेकर चलें और खास तरह के मास्क व पोर्टेबल ऑक्सीजन कैन जैसे उत्पादों वाला 'प्रदूषण बाजार' लोगों को बेजार करे, हमें इस समस्या का स्थायी हल खोजना होगा। तय है कि पानी का छिड़काव, कृत्रिम बारिश या कुछ समय के लिए वाहनों पर रोक जैसे अस्थायी समाधान इस जहरीली हवा की अकसीर दवा नहीं बन सकते। हमें दीर्घकालिक, संरचनात्मक उपाय करने होंगे।

बहुत से देशों और शहरों ने अपने वायु गुणवत्ता सूचकांक को सैकड़ों से सतत प्रयासों के जरिए दहाई पर ला दिया है। क्या हमें उनसे सीख लेकर वैसे ही उपाय अपनाने चाहिए, या अपनी व्यवस्था, समाज और मिजाज के अनुरूप समाधान तलाशने होंगे? यूरोपीय देशों या शहरों की बजाय हमारे लिए चीन एक अधिक उपयुक्त मॉडल लगता है, क्योंकि दोनों के लिए विकास और शहरीकरण वायु प्रदूषण के समान कारक हैं। उसने दीर्घ अवधि की नीतियों और त्वरित क्रियाओं का संयोजन लागू किया है। चीन ने इस बाबत सहयोग की पेशकश भी की है। संभव है सरकार सीमा विवाद को परे रख इस मामले में सहयोग की पहल करे। कुछ भी हो वर्तमान में जब सांस दर सांस भारी होती जा रही है, ऐसे में ऐसी भयावह स्थिति में सबसे ज़रूरी है कि साफ हवा के लिए जन-जागरूकता बढ़े और सरकार वोट का मुद्दा न होने के बावजूद इससे निबटने का पूरा ईमानदारी से स्थायी प्रयास करे।

भारतीयों की सभ्यता और सोच के संदर्भ

अनिल यादव
वरिष्ठ पत्रकार

यूरोप व अमेरिका से जब नस्लीय भेदभाव और हिंसा की खबरें आती हैं, तो हम हिंदुस्तानी जाहिर करते हैं, जैसे इन देशों ने आर्थिक तरक्की भले कर ली हो, लेकिन वास्तव में उनका सभ्य होना अभी बाकी है। इस तरह की धारणाएं हमारे अतीत या भविष्य में 'वसुधैव कुटुंबकम्' का उद्घोष करने वाला विश्वगुरु होने के दावे को वैधता भी देती हैं। हमारे समाज की सचाई अचानक सामने आ गई, जब कोलकाता में भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच चल रहे टेस्ट मैच के दौरान भारतीय क्रिकेट खिलाड़ी जसप्रीत बुमराह और विकेट कीपर ऋषभ पंत ने दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेट टीम के कप्तान टेंबा बेवुमा को 'बौना' कहकर संबोधित किया। बुमराह ने एक बहुप्रचलित देसी गाली भी दी। याद आना स्वाभाविक है कि इसके पहले हरभजन सिंह ने एंड्रू साइमंड को 'मंकी' कहा था, जिसे एक नस्लीय टिप्पणी मानकर उन्हें दंडित भी किया गया था।

भारत जब अंग्रेजों के अधीन था, यह नस्लवाद दो स्तरों पर दिखाई देता था। अंग्रेज खुद को श्रेष्ठ मानते थे। भारतीयों को काला और असभ्य कहते थे। वे घमंड से भरकर सोचते थे कि श्रेष्ठ होने के कारण असभ्य और गंदे भारतीयों को सभ्य बनाना उनका दायित्व है। इस सिद्धांत को 'वाइट मैंस बर्डेन' के नाम से जाना जाता है। यानी बलपूर्वक कायम किए गए अपने औपनिवेशिक वर्चस्व को सभ्यता का दायित्व बताया जाता था। दूसरे स्तर पर कुछ शास्त्र सम्मत घोषित ऊंची जातियों के भारतीय दूसरे अनार्य, द्रविड़ और आदिवासी भारतीयों को अपने से नीचा ही नहीं मानते थे, बल्कि उनको छूने से भी बचते थे। स्पर्श हो जाए तो उन्हें दंडित करने के बहुत से क्रूर तरीके प्रचलन में थे।

नस्ली सोच के इन दो स्तरों का एक अच्छा उदाहरण आजादी से पहले बांबे जिमखाना क्लब की क्रिकेट टीम हुआ करती थी, जिसमें गोरे और भारतीय दोनों तरह के खिलाड़ी शामिल थे। इस टीम के इकलौते मीडियम पेसर गेंदबाज का नाम था, पावलंकर बालू, जिसे अन्य भारतीय खिलाड़ियों के साथ ड्रेसिंग रूम में जाने की मनाही थी। दलित होने के कारण उसके लंच की व्यवस्था भी बाकी खिलाड़ियों से अलग की जाती थी। बंगाल की जैसोर रियासत के राजा ने यह भेदभाव देखा तो पी बालू को अपने यहां ले गए। पी बालू पहले डॉ. भीमराव आंबेडकर के समर्थक रहे, फिर कई साल बाद उनके खिलाफ चुनाव भी लड़े।

इस नस्लीय श्रेष्ठता का एक तीसरा स्तर पर भी है, जिसके तहत भारतीय अफ्रीकी लोगों को अपने से नीचा मानते रहे हैं। भारतीय क्रिकेट टीम के खिलाड़ी जसप्रीत बुमराह और ऋषभ पंत का ईडन गार्डेन मैदान पर पहले टेस्ट मैच के दौरान दक्षिणी अफ्रीकी टीम के कप्तान टेंबा बेवुमा को 'बौना' कहना इस सोच का एक और नमूना भर है। अपने यहां काला, नाटा, काना, लूला-लंगड़ा यानी हर तरह की भिन्नता के आधार पर अपमानजनक शुभ-अशुभ विचार और कर्मकांडों की परंपरा रही है। अंदाजा लगाना मुश्किल नहीं है कि भारत दशकों तक गोरे करने वाली एक खतरनाक क्रीम का सबसे बड़ा उपभोक्ता देश क्यों रहा है! काला होना सामाजिक अभिशाप है! यह आज भी वैवाहिक विज्ञापनों पर एक नजर डालने से समझ में आ जाएगा।

जब दुनिया में अपने ही जैसा काला या भूरा समझा जाने वाला कोई भारतीय नस्ली आधार पर अफ्रीकियों का उपहास करता है, तो उन्हें दोहरी चोट लगती है। अफ्रीका के लोग भारतीयों की ही तरह गोरों के नस्लवाद के शिकार रहे हैं। वहां के राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक जीवन पर गोरों का लंबे समय तक वर्चस्व रहा है। नेल्सन मंडेला ने चौथाई सदी से लंबी जेल काटी और लंबा संघर्ष चला, तब जाकर रंगभेदी शासन का अंत हुआ। याद आना स्वाभाविक है कि 1948 में गोरों ने एक ऐसा कानून बनाया था, जिसके तहत कोई भी अश्वेत दक्षिण अफ्रीका की क्रिकेट टीम में शामिल नहीं हो सकता था। अभी सिर्फ नौ साल पहले 2016 में 11 में से छह अश्वेत खिलाड़ियों को अफ्रीकी क्रिकेट टीम में शामिल करना अनिवार्य किया गया। इन छह में से भी कम से कम दो खिलाड़ी 'अफ्रीकी ब्लैक' होने चाहिए, यह व्यवस्था की गई।

यह आरक्षण है जिसके तहत दो स्थान अफ्रीका के मूल निवासियों के लिए निश्चित हैं। इस नई व्यवस्था के समय कहा गया था कि इससे प्रतिभाशाली खिलाड़ी टीम से बाहर हो जाएंगे और अफ्रीका क्रिकेट में फिसड्डी हो जाएगा। ऐसा कुछ नहीं हुआ, बल्कि अफ्रीकी ब्लैक खिलाड़ी इस टीम की रीढ़ बन गए। इसके एक उदाहरण अफ्रीकी टीम के कप्तान टेंब बेवुमा भी हैं। उन्होंने अफ्रीकी टीम को वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का खिताब आस्ट्रेलिया को हरा कर दिलाया।

भारतीयों का यह नस्लीय श्रेष्ठता बोध बहुत प्राचीन है और यह सिर्फ अफ्रीकी लोगों तक सीमित नहीं है। हिंदी पट्टी के गेंहुए रंग के लोग खुद को दक्षिण भारत के और हिंदीभाषी प्रांतों के भी काले रंग के लोगों की तुलना में श्रेष्ठ मानते हैं। हिंदी पट्टी के लोग खुद को आर्य मानते हैं और दक्षिण भारत के काले रंग के लोगों को दोयम दर्जे की द्रविड़ नस्ल का। आज भी देखते हैं। इस बोध के सबसे बुरे शिकार पूर्वोत्तर के आदिवासी होते आए हैं जिन्हें अपमानजनक 'चिंकी' नाम से पुकारा जाता रहा है। अन्य हिस्सों के आदिवासियों को भी इसका दंश झेलना पड़ता है।

इन दोनों प्रसिद्ध खिलाड़ियों को अपने शर्मनाक व्यवहार के लिए सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी चाहिए और यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि क्रिकेट का खेल नस्ली संघर्ष नहीं, सद्भावना का प्रतीक बने। पहले ही उसे एशिया के धार्मिक कट्टरपंथियों ने लगभग युद्ध का रूप दे दिया है। खेलों ने इतिहास में मनुष्यों के सर्वश्रेष्ठ गुणों को सामने लाने में अहम भूमिका निभाई है, उन्हें घृणा और युद्ध की जगह बनाने वालों के हवाले नहीं किया जाना चाहिए।

हिंदी पट्टी के लोग खुद को आर्य मानते हैं और दक्षिण भारत के काले रंग के लोगों को दोयम दर्जे की द्रविड़ नस्ल के रूप में देखते रहे हैं और आज भी देखते हैं।

आमने सामने

एसआईआर के नाम पर लोगों को डराया जा रहा है। बीजेपी इसके जरिए वोटर लिस्ट फिक्स कर रही है। भाजपा मेरे खेल में मुझे हरा नहीं सकती। बीजेपी ने बंगाल में उन पर हमला करने की कोशिश की, तो वो पूरे भारत में बीजेपी की नींव हिला दूंगी।
–ममता बनर्जी
मुख्यमंत्री, पश्चिम बंगाल

अब पश्चिम बंगाल में भी भारतीय जनता पार्टी की ही सरकार बनेगी। वो अब डरी हुई हैं। ममता बनर्जी अब पश्चिम बंगाल को नहीं बचा पाएंगी। वहां पर भी कमल खिलने जा रहा है। ये उनकी घबराहट का नतीजा है।
–केशव प्रसाद मौर्य
डिप्टी सीएम,
उत्तर प्रदेश

मनरेगा: 27 लाख श्रमिक हटे, सवालों में प्रक्रिया

शिवालिक अवस्थी
लेखक

मेहनत करके कमाने वाला हर श्रमिक यह सोचता है कि वह रोजगार प्राप्त करके अपने परिवार का पालन-पोषण कर सके। विशेषकर अकुशल श्रमिक का यह सपना होता है कि उसे सरकार द्वारा प्रदान किए जाने वाले रोजगार के दृष्टिकोण से सीधा लाभ प्राप्त हो सके, जिसके लिए वह सदैव प्रयासरत भी रहता है और जिस कारण वह पलायन करने से भी नहीं घबराता। किसी श्रमिक को काम यदि घर के आस-पास ही मिल जाए तो वह उसी काम को और भी लगन के साथ करता है।

आज के दौर में श्रमिकों को अपने घर-परिवार छोड़ कर कहीं दूसरी जगह जाकर काम करना पड़ता है। या यूं कहें तो एक राज्य से दूसरे राज्य में जाकर काम की तलाश करनी पड़ती है। एक जगह से दूसरी जगह पलायन करने के कारण श्रमिकों को कई तरह की कठिनाईयों का सामना करना पड़ता है। निश्चित ही अपना घर छोड़कर कहीं ओर जाकर काम करना भला किसको अच्छा लगता है? लेकिन परिवार की जिम्मेदारी श्रीमिकों को पलायन करने से रोक नहीं पाती। हालांकि सरकारें चाहती हैं कि श्रमिकों को उनके घर द्वार पर ही रोजगार के साधन उपलब्ध करवाए जाएं लेकिन यह कहना जितना सरल है वास्तविकता में उतना ही कठिन भी है।

इसी कड़ी में वर्ष 2005 को भारत की केंद्र सरकार द्वारा श्रमिकों के लिए रोजगार गारंटी योजना शुरू की गई। इस योजना का नाम राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी रखा गया। हालांकि बाद में यानी वर्ष 2009 में इसका नाम महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी रख दिया गया। इस योजना के अंतर्गत ग्रामीण परिवारों के सदस्यों को न्यूनतम मजदूरी भत्ते पर 100 दिन का रोजगार उपलब्ध करवाना सुनिश्चित किया गया। इसके परिणामस्वरूप किसी भी ग्रामीण परिवार के वयस्क सदस्य इस योजना का हिस्सा बन सकते थे।

इसके तहत अकुशल वयस्क सदस्यों को भी कार्य करने के प्रति प्रोत्साहन दिया गया। यह मुख्यतः काम का अधिकार पर आधारित है। काम का अधिकार मतलब समाज में रह रहे हर व्यक्ति को अपनी रोजी-रोटी कमाने अथवा अपना परिवार चलाने के लिए काम का अधिकार उपलब्ध करवाना है। सामाजिक सुधार, महिलाओं का सशक्तिकरण, सुरक्षित आय व गांव का विकास इसके संचालन के मुख्य कारण माने जाते हैं।

हाल ही में सामने आई एक रिपोर्ट के तहत बड़े चौंकाने वाले आंकड़े सामने आए हैं। दरअसल, 10 अक्टूबर 2025 से 14 नवंबर 2025 के बीच लगभग 27 लाख मनरेगा श्रमिकों को हटा दिया गया है। इतने बड़े स्तर पर श्रमिकों को हटाना निश्चित ही चौंकाने वाला है। करीब 10.50 लाख नए श्रमिकों को इस योजना के तहत जोड़ा गया है। गत पहली नवंबर 2025 से इस योजना के तहत ई-केवाईसी को भी अनिवार्य कर दिया गया है। इसके अलावा करीब 15.2 लाख श्रमिकों को अप्रैल से सितंबर 2025 के मध्य मनरेगा योजना से हटाया जा चुका है और 98.8 लाख श्रमिकों को इस योजना के अंतर्गत जोड़ा भी गया है, जो कुल मिलाकर 83.6 लाख की वृद्धि आंकी गई है। श्रीमिकों को योजना से हटाए जाने वाला आंकड़ा जो करीब इन छह महीनों में सामने आया, उससे कहीं अधिक आंकड़ा तकरीबन एक महीने में सामने आ गया।

रिपोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया है कि लगभग छह लाख के करीब सक्रिय श्रमिकों की कमी भी सामने आई है। यह ऐसे श्रमिक हैं, जिन्होंने पिछले तीन वर्षों में कम से कम एक दिन का रोजगार प्राप्त किया है। यह सब तब सामने आया है जब मंत्रालय द्वारा ई-केवाईसी को आवश्यक कर दिया गया है, ताकि अमान्य अथवा अपात्र श्रमिकों को इस योजना से हटाया जा सके। शीर्ष तीन राज्यों में जहां ई-केवाईसी का कार्य संपन्न हो चुका है, उनमें सबसे ज्यादा अपात्र श्रमिकों को हटाए जाने वाला राज्य आंध्र प्रदेश है। आंध्र प्रदेश में तकरीबन 78.4 प्रतिशत श्रमिकों को मनरेगा योजना से हटाया गया है, जबकि तमिलनाडु में यह आंकड़ा 67.6 प्रतिशत और छतीसगढ़ में यह आंकड़ा 66.6 प्रतिशत सामने आया है।

एक तरफ देखा जाए तो ई-केवाईसी एक ऐसी प्रक्रिया है, जिसे अपनाना अति आवश्यक भी है, ताकि किसी भी तरह की अव्यवस्था से बचा जा सके, हालांकि सरकार के अनुसार गड़बड़ियों का निपटारा करने के लिए ही ई-केवाईसी प्रणाली को लागू किया गया है। ई-केवाईसी प्रणाली से मनरेगा के कार्यों पर पारदर्शिता लाई जा सकेगी, लेकिन ई-केवाईसी के दौरान विलोपन में भारी वृद्धि देखना कहीं न कहीं अव्यवस्था को जरूर दर्शाता है। या तो अभी तक अपात्र लोग श्रमिकों का स्थान लिए बैठे थे या ई-केवाईसी के दौरान श्रमिकों के पास उचित दस्तावेज ही उपलब्ध नहीं थे, जिसकी वजह से विलोपन का आंकड़ा इतना ज्यादा बढ़ गया।

यानी किसी न किसी किनारे में चूक तो अवश्य हुई है। ई-केवाईसी का कार्य पूर्ण रूप से अभी संपन्न भी नहीं हुआ है और आंकड़ों ने सभी को चौंका दिया है। सरकारी योजना चाहे कोई भी हो, यदि पात्र लोग वंचित रह जाएं और अपात्र लोगों तक इसका सीधा फायदा पहुंचे तो यह उस योजना पर निश्चित तौर पर सवालिया निशान खड़ा कर देता है।

एक महीने में लगभग 27 लाख श्रमिक मनरेगा से हटा दिए गए हैं। कई लाख जोड़े भी गए हैं। यह आंकड़े प्रक्रिया पर सवाल उठाते हैं।

प्रसंगवश

यूपी-बिहार से लौट रहे श्रमिकों का संकट

दिवाली, छठ पूजा और बिहार चुनाव हो जाने के बाद यूपी–बिहार के लाखों प्रवासी श्रमिक अब सूरत, मुंबई, उदयपुर, चित्तौड़गढ़ और देश के अन्य औद्योगिक शहरों की ओर लौट रहे हैं, लेकिन वापसी की यह यात्रा उनके लिए पहले से अधिक कष्टदायक, महंगी और जोखिम भरी साबित हो रही है। रेल प्रशासन द्वारा पर्याप्त विशेष ट्रेनों की व्यवस्था न किए जाने, बस ऑपरेटरों द्वारा मनमाना किराया वसूलने और जनरल कोचों में भयावह भीड़ जैसी समस्याओं ने मजदूरों की मुश्किलें कई गुना बढ़ा दी हैं। यह स्थिति केवल यात्रियों की परेशानी नहीं, बल्कि उन औद्योगिक क्षेत्रों के लिए भी गंभीर चुनौती है, जिनकी अर्थव्यवस्था यूपी–बिहार के श्रमिकों पर निर्भर है। खासकर सूरत का टेक्सटाइल सेक्टर।

कांतिलाल मांडोत
वरिष्ठ पत्रकार

उत्सव की उमंग के बाद लौटने का संघर्ष है। दिवाली और छठ बिहार-यूपी के लिए सबसे बड़े सामाजिक, धार्मिक पर्व माने जाते हैं। इन दिनों प्रवासी श्रमिक अपने परिवारों के बीच रहना चाहते हैं, इसलिए लाखों की संख्या में लोग वापस अपने गांव, कस्बों की ओर जाते हैं। त्योहार और चुनाव खत्म होते ही जब वे रोज़गार के लिए लौटना चाहते हैं, तो उन्हें सबसे पहले जिस समस्या का सामना करना पड़ता है, वह है कन्फर्म टिकट का संकट। सूरत, अहमदाबाद, मुंबई, दिल्ली, राजस्थान सहित देश के प्रमुख औद्योगिक शहरों से यूपी–बिहार आने वाली लगभग सभी ट्रेनों में वेटिंग लिस्ट लंबी है।

इधर से जाने वाली तकरीबन सभी ट्रेनों में एक भी कन्फर्म सीट मिलना लगभग नामुमकिन हो चुका है। स्थिति यह है कि त्योहार वाले सप्ताह में भर गई वेटिंग अब भी कम होने का नाम नहीं ले रही। कन्फर्म टिकट न मिलने के कारण लाखों यात्री मजबूरी में जनरल कोचों में सफर कर रहे हैं। इन डिब्बों की स्थिति इतनी दयनीय है कि लोग इसे दहनिय कोच कहने लगे हैं। भीड़, घुटन, गर्मी और जान जोखिम में डालने वाली यात्रा हो गई है। एक कोच की क्षमता 100-120 यात्रियों की होती है, लेकिन इसमें 400-500 लोग ठूंसे जा रहे हैं। शौचालय तक पहुंचना असंभव है। खड़े रहने की जगह तक नहीं। बच्चे, महिलाएं और बुजुर्ग सबसे ज्यादा परेशान होते हैं। रेल प्रशासन इस भीड़ को नियंत्रित करने में असमर्थ दिखाई देता है। सुरक्षा और स्वास्थ्य के लिहाज से यह स्थिति बेहद खतरनाक है।

बस ऑपरेटरों की मनमानी की वजह से किराया ढाई से तीन गुना बढ़ा दिया गया है। जब ट्रेन में जगह नहीं मिलती, तो श्रमिकों के पास बस का विकल्प बचता है, लेकिन बस ऑपरेटर स्थिति का फायदा उठाकर यात्रियों से मनमाना किराया वसूल रहे हैं। बिहार–यूपी से सूरत का किराया सामान्य दिनों में 1800–2200 रुपये होता है। मौजूदा स्थिति में वसूला जा रहा किराया 5000 रुपये तक है। किराए में न भोजन मिलता है न आराम और कई बार तो असुरक्षित व अवैध बसों में यात्रा करनी पड़ती है। दिहाड़ी मजदूरों के लिए यह खर्च बहुत भारी पड़ता है। जो लोग त्योहार के दौरान अपनी जमा-पूंजी खर्च कर चुके होते हैं, वे लौटते समय कर्ज लेने को मजबूर हो जाते हैं।

बाधित यात्रा का सबसे बड़ा असर सूरत की टेक्सटाइल इंडस्ट्री पर पड़ा है। सूरत, जो देश का सबसे बड़ा सिंथेटिक टेक्सटाइल हब है, उसकी रीढ़ यूपी–बिहार के ही श्रमिक हैं। पावरलूम, डाइंग, प्रिंटिंग, एम्ब्रॉयडरी और फिनिशिंग यूनिट्स में काम करने वाले 60–70% मजदूर इन्हीं राज्यों से आते हैं। त्योहार के बाद आधी मशीनें बंद पड़ी हैं। मजदूर नहीं लौटने से उत्पादन घट रहा है।

सोशल फोरम

द हीरो हू लिव्ड

भारत के इतिहास में शोले शायद इकलौती फ़िल्म होगी, जिसका हर किरदार, हर डायलॉग, उसके रिलीज के 50 साल बाद भी लोगों की जुबान पर चढ़ा हुआ है। गब्बर सिंह के रूप में अमजद खान तो आईकॉनिक हैं ही। जया, हेमा, अमिताभ, धर्मेन्द्र, संजीव कुमार, जगदीप, असरानी, मैक मोहन, लीला मिश्रा, जलाल आगा, हेलन, एके हंगल जैसे मिनट भर की प्रेजेंस वाले रोल भी हमारी स्मृतियों में ताजा हैं। इनमें हीरो कौन था? कुछ नियमों को फॉलो करें- मेन हीरोइन किसे मिलती है, अंत में विलेन किससे पिटता है- इस आधार पर धर्मेंद्र हीरो हैं, ट्रेजेडी यही है। हीरो होकर भी, वे पूरी फिल्म में, डोमिनेटिंग हीरो बनकर जेहन में छप नहीं पाते। मर जाने वाले अमिताभ सारी सहानुभूति लूट जाते हैं। जी जाने वाले धर्मेंद्र पीछे रह जाते हैं। फ़िल्म इंड्रस्टी में 50 साल से अधिक साल तक छाए रहने के बावजूद, वे सुपरस्टार नही गिने गए। कभी राजेश खन्ना, कभी अमिताभ ने वह दर्जा रखा, लेकिन धर्मेंद्र का औरा कायम रहा। अनपढ़ और बंदिनी जैसी फिल्मों से फूल और पत्थर, हकीकत, सत्यकाम, खामोशी से सफर यमला पगला दीवाना तक पहुंचता है, लेकिन मौजूदा दौर में ज्यादातर लोगों के जेहन में उनकी छवि, 80-90 के दशक के हीमैन की है।

रिबोर्न मनीष
ब्लॉगर

यही उनके साथ अन्याय है। उनका असली कद उनकी अभिनय रेंज में छिपा है। छह दशक के कॅरियर और तीन सौ से अधिक फिल्मों में उन्होंने हर छोर को छुआ। सत्यकाम में सत्यनिष्ठ शख्स, अनुपमा में टूटे पिता का अपराधबोध, जीवन मृत्यु में एक ही फिल्म में क्रूर ठाकुर से शांत डॉक्टर तक का सफर और चुपके-चुपके में का वो प्रोफेसर, जिसके हालात से हंसी फूटती थी। गंवई जट से शहरी बुद्धिजीवी तक, एक्शन हीरो से हास्य कलाकार तक, वे फिट रहे। ह्रषिकेश मुखर्जी, ऋत्विक घटक और रमेश सिप्पी, तीन अलग ध्रुवों के निर्देशकों के सबसे भरोसेमंद अभिनेता थे। उनकी रेंज यह नहीं कि वे कितने रोल कर सकते थे, बल्कि मिलने वाले हर रोल में वह कितना असली लगते हैं। धर्मेंद्र उस श्रेणी के अभिनेता रहे। हिंदी सिनेमा में इतनी लंबी पारी और ऐसी रेंज के अभिनेता कम हैं।

निजी जीवन में भी उनकी रेंज दिलचस्प है। आजकल ज्यादा बात उनके दिलावर खान बनकर, हेमा मालिनी से विवाह की होती है, पर एक सेलिब्रिटी होकर, स्टार और पब्लिक की आलोचना की तमाम संभावनाओं के बावजूद, उन्होंने प्रेम को निबाहा- सबके सामने अंगीकार किया। ये साहस और जिद की बात है। नों लड़के स्टार हुए। धन, यश, प्रेम, आनंद और कंट्रोवर्सी से भरपूर, एक जीने योग्य जीवन के बाद, धर्मेंद्र गए हैं। –फेसबुक वाल से

सामयिकी

नारी सुरक्षा पर चुप्पी नहीं बदलाव की जरूरत

आधी आबादी के सम्मान, सुरक्षा और स्वतंत्रता पर हर दिन गहरा आघात पहुंच रहा है। महिलाओं पर बढ़ती हिंसा न केवल मानवाधिकारों का सबसे गंभीर उल्लंघन है, बल्कि सामाजिक प्रगति, न्याय, समानता और सतत विकास के मार्ग में सबसे बड़ी बाधा भी है। आज स्थिति यह है कि संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुतारेस स्वयं यह स्वीकार करते हैं कि महिलाओं के विरुद्ध हिंसा मानव जाति के इतिहास में सबसे व्यापक, सबसे स्थायी और सबसे कम दंडित अपराधों में से एक है। वैश्विक स्तर पर हर तीन में से एक महिला अपने जीवनकाल में किसी न किसी प्रकार की शारीरिक, मानसिक या यौन हिंसा का शिकार होती है। वर्ष 2024 और 2025 की संयुक्त राष्ट्र महिला (यूएन) की रिपोर्टें बताती है कि दुनियाभर में 15 से 19 वर्ष आयु वर्ग की लगभग डेढ़ करोड़ किशोरियां कभी न कभी यौन उत्पीड़न या हिंसा झेलती हैं। मानव तस्करी के शिकार लोगों में आधे से अधिक व्यस्क महिलाएं शामिल हैं।

श्वेता गोयल
शिक्षिका

चौंकाने वाली बात यह है कि हिंसा का बड़ा हिस्सा कभी रिपोर्ट ही नहीं होता। नई वैश्विक रिपोर्टों के अनुसार, 60 प्रतिशत से अधिक महिलाएं किसी भी प्रकार की हिंसा की शिकायत दर्ज कराने से कतराती हैं। कभी समाज के डर से, कभी परिवार की दबाव नीति के कारण, तो कभी इसलिए कि उन्हें पुलिस की संवेदनशीलता और न्यायिक प्रक्रिया पर भरोसा नहीं होता। यही कारण है कि असंख्य पीड़िताएं अपने घाव छिपाकर जीने को मजबूर हैं और अपराधी निर्भीक होकर समाज में घूमते रहते हैं। डिजिटल युग ने हिंसा के रूपों को और जटिल बना दिया है। आज साइबर स्टॉकिंग, डॉक्सिंग, मॉर्फिंग, ट्रोलिंग, बदनाम करने वाले अभियान और ऑनलाइन उत्पीड़न की घटनाएं तेजी से बढ़ी हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर महिलाओं की निजी जानकारी का दुरुपयोग, बदनाम करने वाले वीडियो, ऑनलाइन ब्लैकमेलिंग और 'डीपफेक' तकनीक के इस्तेमाल से उत्पन्न यौनिक हिंसा ने एक नया संकट खड़ा कर दिया है। संयुक्त राष्ट्र ने 2024-25 की रिपोर्ट में डिजिटल हिंसा को 'नई वैश्विक महामारी' तक कह दिया है।

एक अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन के अनुसार, महिलाओं पर हिंसा के कारण वैश्विक अर्थव्यवस्था को प्रतिवर्ष खरबों डॉलर का नुकसान होता है क्योंकि इससे महिलाओं की उत्पादकता घटती है, स्वास्थ्य खर्च बढ़ता है, सामाजिक असमानता गहराती है और विकास की गति प्रभावित होती है। भारत में भी स्थिति अत्यंत चिंताजनक है। निर्भया कांड के बाद उम्मीद जगी थी कि समाज में संवेदनशीलता बढ़ेगी, कानून कठोर होंगे और अपराधियों में भय पैदा होगा। वास्तव में कानून तो कठोर हुए, फास्ट-ट्रैक कोर्ट बने, महिला सुरक्षा के लिए नई पहलें की गईं, लेकिन धरातल पर तस्वीर बदली नहीं। आज भी कोई दिन ऐसा नहीं गुजरता, जब देश के किसी न किसी हिस्से से बलात्कार, छेड़छाड़, दहेज हत्या, घरेलू अत्याचार, अपहरण या क्रूरता की घटनाएं सामने न आती हों।

डिजिटल प्लेटफॉर्म पर महिलाओं की सुरक्षा भी आज की सबसे बड़ी जरूरत है। सरकारों और तकनीकी कंपनियों को मिलकर मजबूत साइबर सुरक्षा ढांचे, एआई-आधारित मॉनिटरिंग, अभद्र व्यवहार की त्वरित रिपोर्टिंग और डिजिटल अपराधियों को कड़ी सजा देने वाली प्रणाली तैयार करनी होगी। महिलाओं के प्रति हिंसा रोकना केवल शासन का काम नहीं बल्कि सरकार, समाज, डिजिटल प्लेटफॉर्म, शिक्षा प्रणाली, मीडिया और नागरिकों की संयुक्त जिम्मेदारी है। जब तक समाज स्त्री को बराबरी के सम्मान योग्य मनुष्य के रूप में नहीं स्वीकार करेगा, तब तक कानून अकेले कोई बदलाव नहीं ला पाएंगे।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं मकान नं.197/1, समता आश्रम गली, रामपुर रोड, हल्द्वानी, जिला नैनीताल, उत्तराखंड-263139 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक - अमित शर्मा*** 05946292618 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UTTHIN/2021/79698, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र नैनीताल होगा)।

कैम्पस

मानद उपाधियां
घटता सम्मान-बढ़ता व्यापार

शिक्षा के पवित्र क्षेत्र में पिछले कुछ समय में एक विचित्र प्रवृत्ति उभर आई है। देश-विदेश की तमाम तथाकथित संस्थाएं रुपये लेकर लोगों को 'डॉ.' बना रही हैं, जो उपाधि कभी उपलब्धि का प्रतीक थी, अब दिखावे और प्रचार का माध्यम बन गई हैं। ऑनरेरी (मानद) डॉक्टरेट, जिसका उद्देश्य असाधारण योगदान देने वाले व्यक्तियों को सम्मानित करना था, अब पैसों के लेन-देन का औजार बन गई है। इंटरनेट पर ऐसे प्रमाणपत्र आसानी से उपलब्ध हैं- बस भुगतान कीजिए, एक 'ग्लोबल समिट' में मंच पर फोटो खिंचवाइए और नाम के आगे 'डॉ. (Dr.)' जोड़ लीजिए, जो कभी उपलब्धि का प्रतीक था, अब प्रदर्शन का औजार बन गया है।

डॉ. शिवम भारद्वाज
असिस्टेंट प्रोफेसर, मथुरा

ऑनरेरी डॉक्टरेट या मानद उपाधि का मूल विचार बहुत ही गरिमामय था। इसका उद्देश्य उन व्यक्तियों को सम्मानित करना था, जिन्होंने समाज, विज्ञान, साहित्य, कला या मानवता के क्षेत्र में असाधारण योगदान दिया हो। पश्चिम में ऑक्सफोर्ड, हार्वर्ड या कैंब्रिज जैसे विश्वविद्यालय जब ऐसी उपाधियां देते हैं, तो यह स्पष्ट कर देते हैं कि यह शैक्षणिक डिग्री नहीं, बल्कि प्रतीकात्मक सम्मान है। भारत में भी कुछ प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय यह परंपरा निभाते हैं। उद्देश्य केवल सम्मान देना है, न कि 'डॉक्टर' कहलाने का अधिकार प्रदान करना।

क्या कहता है कानून

कानून भी इस भेद को स्पष्ट करता है। यूजीसी अधिनियम, 1956 की धारा 22 के अनुसार, 'डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी' या 'डॉक्टर ऑफ साइंस' जैसी उपाधियां केवल वही विश्वविद्यालय प्रदान कर सकते हैं, जिन्हें विधिवत मान्यता प्राप्त है। कोई भी निजी संस्था या पंजीकृत सोसायटी ऐसा करने का अधिकार नहीं रखती। इसके बावजूद, सोशल मीडिया पर सैकड़ों 'इंटरनेशनल यूनिवर्सिटीज' और 'ग्लोबल काउंसिल्स' सक्रिय हैं, जो विदेशी नामों और सुनहरी मोहरों वाले आकर्षक प्रमाणपत्र थमा रही हैं। इन प्रमाणपत्रों का कोई शैक्षणिक मूल्य नहीं होता, फिर भी इन्हें लेने वाले अपने विजिटिंग कार्ड, सोशल मीडिया प्रोफाइल और नामपट्ट पर 'Dr' जोड़ लेते हैं। यह सब इतना गंभीर क्यों है? इसलिए कि यह न केवल कानून का उल्लंघन है, बल्कि शिक्षा की नैतिकता पर सीधा प्रहार है। जो व्यक्ति वर्षों की मेहनत, शोध और मार्गदर्शन के बाद डॉक्टरेट की उपाधि अर्जित करता है, उसका श्रम उस समय बेमानी हो जाता है, जब कोई व्यक्ति कुछ हज़ार रुपये देकर वही उपाधि 'सम्मान' के नाम पर हासिल कर लेता है। असली डॉक्टरेट के पीछे कठोर अनुसंधान, थीसिस, समीक्षाएं और प्रकाशन की प्रक्रिया होती है, जबकि इन 'ऑनरेरी उपाधियों' के पीछे सिर्फ़ एक पेमेंट लिंक होता है।

भ्रामक प्रतिष्ठा

यह प्रवृत्ति केवल शिक्षा की साख नहीं गिरा रही, बल्कि समाज में ज्ञान की विश्वसनीयता भी तोड़ रही है। जब कोई व्यक्ति अपनी सोशल मीडिया बायो में 'Dr.' जोड़ लेता है, तो लोग उसे विशेषज्ञ मान लेते हैं चाहे वह असल में किसी विषय का प्राथमिक ज्ञान भी न रखता हो। ऐसे लोग अक्सर 'लाइफ कोच', 'मोटिवेशनल स्पीकर' या 'ग्लोबल एंबेसडर' के रूप में सामने आते हैं और 'ऑनरेरी डॉक्टरेट' को अपनी योग्यता का प्रमाण बना लेते हैं। यह समाज में भ्रामक प्रतिष्ठा और झूठे अधिकार का भ्रम पैदा करता है। यह आचरण केवल भ्रामक नहीं, बल्कि यदि जानबूझकर किसी को भ्रमित करने या व्यक्तिगत लाभ के लिए किया जाए, तो कानूनन धोखाधड़ी की श्रेणी में भी आ सकता है। इससे भी अधिक गंभीर बात यह है कि यह सच्चे शोधकर्ताओं और विद्वानों की मेहनत का अनादर है, शिक्षा की गरिमा और ईमानदारी दोनों पर धब्बा है। यह भी सच है कि दोष केवल इन संस्थाओं का नहीं। उतनी ही बड़ी जिम्मेदारी उस मौन स्वीकृति की है, जो समाज देता है। मंचों पर ऐसे लोगों को 'डॉ.' कहकर बुलाया जाता है, उन्हें सम्मानित किया जाता है, मीडिया में उनके 'अंतर्राष्ट्रीय सम्मान' की खबरें छपती हैं। तालियों की वह गूंज नकली उपाधियों को वैधता दे देती है। धीरे-धीरे असली और नकली के बीच की रेखा मिटने लगती है।

इस प्रवृत्ति पर सख्ती जरूरी

यूजीसी समय-समय पर फर्जी विश्वविद्यालयों और अवैध उपाधियां बांटने वाली संस्थाओं की सूची जारी करता है, परंतु फिर भी बड़ी संख्या में लोग इनके जाल में फंस रहे हैं। विदेशी नामों, अंग्रेजी आभा और तथाकथित 'ग्लोबल' पहचान का आकर्षण हमारे समाज की उस मानसिकता को भी उजागर करता है, जहां दिखावे को सार से अधिक महत्व दिया जाता है। यह शिक्षा नहीं, प्रतिष्ठा का सौदा है। जब सम्मान बिकने लगता है, तो वह सम्मान नहीं रहता- वह विज्ञापन बन जाता है। इस प्रवृत्ति पर सख्ती जरूरी है। यूजीसी और शिक्षा मंत्रालय को ऐसे संस्थानों और उनसे उपाधि लेने वालों के विरुद्ध निरंतर और ठोस कार्रवाई करनी चाहिए। साथ ही समाज को भी अपनी सोच में परिपक्वता लानी होगी। ऑनरेरी डॉक्टरेट का असली अर्थ सम्मान में निहित है, व्यापार में नहीं। जब यह खरीदी जाती है, तो 'सम्मान' शब्द अपनी गरिमा खो देता है और शिक्षा, जो समाज की आत्मा है- सिर्फ दिखावे का मुखौटा बन जाती है। शिक्षा का सार ज्ञान है और ज्ञान का सार ईमानदारी, जब उपाधियां बिकने लगती हैं, तो शिक्षा का अर्थ ही खो जाता है। मानद डॉक्टरेट का वास्तविक सौंदर्य उसकी विनम्रता में है। सम्मान देने और पाने, दोनों की मर्यादा में। यह परंपरा तभी जीवित रह सकती है, जब इसे दिखावे, प्रचार और पैसों की पहुंच से बचाया जाए। डॉक्टरेट की उपाधि का मूल्य उसकी कठिनाई और श्रम में है। उसे खरीदा नहीं जा सकता, केवल अर्जित किया जा सकता है। इसलिए किसी नाम के आगे "डॉ." देखकर अंधविश्वास न करें, बल्कि यह जानें कि उपाधि कहां से और किस आधार पर प्राप्त की गई है। यही समझ जब समाज में फिर से स्थापित होगी, तब 'सम्मान' अपनी खोई हुई ऊंचाई पर लौट आएगा।

जॉब अलर्ट

राइट्स लिमिटेड (RITES Ltd.)

- पद का नाम : सहायक प्रबंधक
- पदों की संख्या : 400 पोस्ट
- वेतन : 42,478 रुपये प्रतिमाह
- योग्यता : प्रासंगिक इंजीनियरिंग में स्नातक और 2 वर्ष का अनुभव
- आयु सीमा : 40 वर्ष
- अंतिम तिथि : 25-12-2025
- वेबसाइट : www.rites.com

इंटेलिजेंस ब्यूरो (IB)

- पद का नाम : मल्टी-टास्किंग स्टाफ
- पदों की संख्या : 362 पोस्ट
- वेतन : 42,478 रुपये प्रतिमाह
- योग्यता : 10 th या समकक्ष
- आयु सीमा : 18-25 वर्ष
- अंतिम तिथि : 14-12-2025
- वेबसाइट : www.mha.gov.in

दूरदर्शन केंद्र हैदराबाद

- पद का नाम : प्रसारण सहायक, कॉपी एडिटर
- वेतन : 1500-2400 रुपये प्रतिदिन
- योग्यता : स्नातक या डिप्लोमा
- आयु सीमा : 21-50 वर्ष
- अंतिम तिथि : 15-12-2025
- वेबसाइट : prasarbharati.gov.in

सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया

- पद का नाम : फैकल्टी
- वेतन : 30,000 रुपये प्रतिमाह
- योग्यता : पदानुसार स्नातक/ स्नाकोत्तर
- आयु सीमा : 22-40 वर्ष
- अंतिम तिथि : 10-12-2025
- वेबसाइट : www.centralbankofindia.co.in

कैंपस में पहला दिन: आईए एक-दूसरे को जानने की शुरुआत करें...

स्कूल के दिनों से ही हम सब कॉलेज लाइफ की चमकदार कहानियां सुनते आते हैं। कॉलेज में कोई नहीं रोकेगा, वहां असली आजादी मिलेगी, यूनिफॉर्म नहीं, नए दोस्त, नए सपने, नए अनुभवइन्हीं ख्वाबों को अपने दिल में सजाए, मैं 16 अगस्त 2019 की सुबह इनवर्टिस के गेट के सामने खड़ी थी। थोड़ी देर से एडमिशन लेने की वजह से यह दिन और भी खास था, जैसे मेरी खुद की कहानी अब शुरू हो रही हो। कॉलेज के पहले दृश्य ने दिल जीत लिया। जब मेरी नजर उस बड़े, खूबसूरत कैंपस पर पड़ी, तो आंखें खुद-ब-खुद बड़ी हो गईं। वो चौड़ा गेट, ऊंची-ऊंची इमारतें, चारों ओर हरियाली, छात्रों की भीड़, हंसी की आवाजें, लॉन में बैठे स्टूडेंट्स, हर तरफ नई ऊर्जा की गूंज थी। सब कुछ फिल्मी था, जैसे किसी फिल्म का सेट हो और मैं उस कहानी की नई किरदार। पर इतना असली कि उस पल मेरी धड़कनें तेज हो गईं। दिल में अचानक एक उम्मीद जग गई कि हां! यही है, वो जगह जहां मेरा सपना जी उठेगा।

क्लासरूम में कदम रखते ही एक अलग माहौल महसूस हुआ। सभी स्टूडेंट्स casual कपड़ों में, हंसी से भरा माहौल, थोड़ी-सी घबराहट, पर उससे कहीं ज्यादा उत्साह में बैठे थे। हर चेहरा जैसे एक नई कहानी लेकर आया था। कोई नए जूते दिखा रहा था, कोई अपनी जगह ढूंढ रहा था, कोई किसी से बस यूं ही बात शुरू कर रहा था और फिर मेरी नज़र सामने खड़े एक व्यक्ति पर पड़ी, पहले तो लगा कोई सीनियर होंगे, लेकिन कुछ ही क्षणों बाद पता चला कि वो हमारे HOD हैं। HOD होकर भी इतने कूल कि लगा जैसे कॉलेज की किताबें नहीं, जिंदगी खुद हमें पढ़ाने आई हो।

पहले ही दिन HOD सर ने कहा, "Books later Let's start by knowing each other." फिर शुरू हुई एक-एक करके introductions की बारिश, किसी ने कहा उसे singing पसंद है, किसी ने बताया कि वो शहर पहली बार छोड़कर आया है, किसी ने अपने भविष्य के सपने सुनाए और इन छोटी-छोटी बातों ने हम सबको एक-दूसरे के करीब ला दिया। उनका पढ़ाने का तरीका सबसे अलग, दिन की शुरुआत ice-breaking session से करते थे, कहानियों के जरिये पढ़ाते, practicals से समझाते और अपने अनुभवों के सहारे हमारे सपनों में नई उड़ान भर देते। हमेशा सुनती थी कि कॉलेज में कोई नहीं रोकेगा।

पहले दिन ही समझ आ गया कि वो ऐसा क्यों कहते हैं। यहां कोई सख्त अनुशासन नहीं, कोई यूनिफॉर्म नहीं, कोई डर नहीं क्योंकि कॉलेज में सिर्फ मिली सब कुछ सीखने और खुद को पहचानने की पूरी आजादी। कॉलेज की पहली हवा ही अलग थी, खुली, आजादी और उम्मीदों से भरी। क्लास के बीच-बीच में हम सभी एक-दूसरे को जानने लगे। कौन कहां से आया है, किसके क्या सपने हैं, हर बातचीत से एक नया रिश्ता बनता चला गया। कब मैं अपने पहले ग्रुप का हिस्सा बन गई, ये मुझे खुद भी नहीं पता चला। कॉलेज का जादू यही है। यहां हर कोई एक-दूसरे से बात करता है, रिश्ते खुद-ब-खुद बन जाते हैं, और अजनबी दोस्त बन जाते हैं। उस दिन की हंसी, वो नए चेहरे, वो अनजाना सा अपनापन, सबने मिलकर मेरे पहले दिन को "यादगार" और "दिल के करीब" बना दिया।

-निकिता चौधरी, बरेली

नोटिस बोर्ड

- लखनऊ विश्वविद्यालय में छात्रों के लिए विप्रो, हाइक एजुकेशन और आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड द्वारा प्लेसमेंट ड्राइव आयोजित की जा रही है। सेंट्रल प्लेसमेंट सेल के एडिशनल डायरेक्टर डॉ. हिमांशु पांडेय ने बताया कि बीसीए, बीबीए, बीकॉम, बीए, बीएचएम व बीएससी के छात्र कस्टमर सर्विस रिप्रेजेंटेटिव पद पर 3 .08 लाख रुपये वार्षिक पैकेज हेतु आवेदन कर सकते हैं। चयन प्रक्रिया में प्री-प्लेसमेंट टॉक, एचआर स्क्रीनिंग तथा वॉयस एवं एक्सेंट राउंड शामिल हैं। तीनों कंपनियों में आवेदन करने की अंतिम तिथि 29 नवंबर 2025 निर्धारित की गई है।

- आईआईटी कानपुर में अगले सप्ताह अर्थात 1 दिसंबर से प्लेसमेंट अभियान शुरू होने जा रहा है। यह अभियान 15 दिसंबर तक चलेगा। इस बार के अभियान में देश-विदेश की लगभग 250 कंपनियां शामिल हो सकती हैं।

फ्रीलांसिंग से बनाएं मजबूत करियर

आज के डिजिटल दौर में फ्रीलांसिंग से घर बैठे करियर बनाने का सबसे आसान और भरोसेमंद तरीका बनकर उभरा है। अगर आप ग्रेजुएट हैं और पारंपरिक नौकरी के दबाव से दूर अपनी सुविधा के अनुसार काम करना चाहते हैं, तो यह आपके लिए बेहतरीन मौका हो सकता है। खासकर उन लोगों के लिए जो किसी वजह से घर से बाहर काम नहीं कर पाते, जैसे महिलाएं, स्टूडेंट्स या होममेकर फ्रीलांसिंग कम समय में स्थिर और अच्छी कमाई का जरिया बन सकती है। सिर्फ एक लैपटॉप, इंटरनेट और थोड़ी-सी स्किल के साथ आप अपनी प्रतिभा को आय में बदल सकते हैं और एक स्वतंत्र व सफल करियर की शुरुआत कर सकते हैं। आइए आज आपको बताते हैं, फ्रीलांसिंग के बेस्ट करियर विकल्प : *- फीचर डेस्क*

डाटा एंट्री

आज के कंप्यूटर युग में डाटा एंट्री का काम काफी लोकप्रिय हो गया है। इस काम में आपको सिर्फ एक निर्धारित डाटा को कंप्यूटर की मदद से किसी सॉफ्टवेयर या ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर भरना होता है। अगर आपके पास कंप्यूटर, इंटरनेट और अच्छी टाइपिंग स्पीड है, तो यह काम आपके लिए सबसे आसान विकल्पों में से एक है। यहां आपको आमतौर पर प्रति घंटे के हिसाब से पेमेंट मिलता है। डाटा एंट्री में प्रति घंटे 1,500 से 3,000 रुपये तक की कमाई संभव है।

ट्रांसलेटर

घर बैठे ट्रांसलेटर के रूप में काम करना भी एक बढ़िया विकल्प है। इस काम के लिए आपकी भाषा पर अच्छी पकड़ होनी जरूरी है। यदि आपको अंग्रेजी या कोई अन्य विदेशी भाषा जैसे फ्रेंच आदि आती है, तो आप आसानी से यह काम कर सकते हैं। इस क्षेत्र में पेमेंट प्रोजेक्ट के आधार पर मिलता है।

यूट्यूबर

अगर कैमरे के सामने आने में आप सहज हैं और आपके पास कोई जानकारी या स्किल है, जिसे आप दूसरों के साथ साझा करना चाहते हैं, तो आपके लिए यूट्यूब एक शानदार मंच बन सकता है। आप बिल्कुल बेसिक सेटअप के साथ घर बैठे अपना चैनल शुरू कर सकते हैं। कमाई मुख्य रूप से आपके वीडियो के व्यूज और क्लिक्स पर निर्भर करती है।

कॉन्टेंट राइटिंग

यदि आपको लिखना पसंद है, तो यह क्षेत्र आपके लिए ideal साबित हो सकता है। फ्रीलांसिंग में कॉन्टेंट राइटिंग को सबसे बेहतरीन करियर विकल्प माना जाता है। आज हर छोटे-बड़े ब्रांड की अपनी वेबसाइट होती है, जिन पर नियमित रूप से कंटेंट की जरूरत पड़ती है। घर बैठे आप इस पेशे के जरिए अच्छी कमाई कर सकते हैं और समय के साथ आय में भी वृद्धि होती है।

वेब डेवलपमेंट

अगर आप वेब डिजाइनिंग या कोडिंग में माहिर हैं, तो घर बैठे ही वेब डेवलपमेंट का काम शुरू कर सकते हैं। लिंक्डइन और अन्य जॉब ऐप्स के माध्यम से आप आसानी से कंपनियों व क्लाइंट्स से जुड़ सकते हैं। इस क्षेत्र में कमाई काफी अच्छी होती है और अनुभव बढ़ने के साथ आय लाखों में पहुंच सकती है।

ब्लॉगिंग

ब्लॉगिंग उन लोगों के लिए बढ़िया विकल्प है, जिन्हें लिखना पसंद है। आपको अपना ब्लॉग गूगल एडसेंस से जोड़ना होता है, जिसके बाद विज्ञापन के माध्यम से कमाई शुरू होती है। शुरुआत में आय कम होती है, लेकिन जैसे-जैसे आपके ब्लॉग की ट्रैफिक, लोकप्रियता और पहुंच बढ़ती है, आपकी कमाई भी बढ़ने लगती है। ब्लॉगिंग से होने वाली आय आपकी रीडरशिप व लोकेशन पर निर्भर करती है।

बाजार	सेंसेक्स ↑	निफ्टी ↑
बंद हुआ	85,609.51	26,205.30
बढ़त	1,022.50	320.50
प्रतिशत में	1.21	1.24

सोना 1,30,100 प्रति 10 ग्राम

चांदी 1,63,100 प्रति किलो

अमृत विचार
हल्द्वानी, गुरुवार, 27 नवंबर 2025
www.amritvichar.com

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन : तुलसी 2550, राज श्री 1790, फ़ॉर्चून कि. 2225, रविन्द्रा 2455, फॉर्चुन 13 किग्रा 1955, जय जवान 1975, सचिन 2020, सूरज 1975, अवसर 1890, उजाला 1920, गृहणी 13 किग्रा 1885, क्लासिक (किग्रा) 2130, मोर 2170, चक्र टिन 2315, ब्लू 2115, आशीर्वाद मस्टर्ड 2360, स्वास्तिक 2505

किराना : निजामाबाद 17000, जीरा 24500, लाल मिर्च 14000–18000, धनिया 9000–11000, अजवायान 13500–20000, मेथी 6000–8000 सौंफ 9000–13000, सोंठ 31000, (प्रतिकि0) लौंग 800–1000, बादाम 780–1080, काजू 2 पीस 840, किसमिस पीली 300–400, मखाना 800–1100

चावल (प्रति कु0) : डबल चाबी सेला 9700, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 5050, शर्बती स्टीम 5200, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 7400, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1–5 किग्रा) 10100, हरी पत्ति नेचुरल 9100, जेनिथ 8100, गलैक्सी 7400, सूमो 4000, गोल्डन सेला 7900, मंसूरी पनघट 4350, लाडली 4000

दाल दलहन : मूंग दाल इंदौर 9800, मूंग धोवा 10000, राजमा चित्रा 12000–13400, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250–7450 मलका दाल 7550–8900, मलका छाँटी 7550, दाल उड़द बिलासपुर 8000–9000, मसूर दाल छोटी 10000–11600, दाल उड़द दिल्ली 10300, उड़द साबुत दिल्ली 9900, उड़द धोवा इंदौर 11800, उड़द धोवा 9800–10400, चना काला 7050, दाल चना 7450, दाल चना मोटी 7600, मलका विदेशी 7300, रूपकिशोर बेसन 8000, चना अकोला 6800, डबरा 6900–8800, सच्चा हीरा 8500, मोटा हीरा 10400, अरहर गोला मोटा 7800, अरहर पटका मोटा 8300, अरहर कोरा मोटा 8700, अरहर पटका छोटा 10000–10600, अरहर कोरी छोटी 11000

चीनी : पीलीभीत 4320, द्वारकेश 4300,

हल्द्वानी मंडी

चावल : शरबती– 3600, मसूरी–1300, बासमती– 7500, परमल– 1900

दाल दलहन : काला चना– 4600, साबुत चना दाल– 4900, मूंग साबुत– 7200, राजमा– 10100–12300, दाल उड़द– 7000, साबुत मसूर दाल– 4800, मसूर दाल– 3900, उड़द साबुत– 6200, काबुली चना– 10200, अरहर दाल– 10100, लोबिया/करमानी– 3400

सुधार-उन्मुख भारत ले रहा बड़े फैसले : मोदी

प्रधानमंत्री ने फ्रांसीसी विमानन कंपनी सैफरान के इंजन एमआरओ संयंत्र का किया ऑनलाइन उद्घाटन

हैदराबाद, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत की निवेश क्षमता पर बल देते हुए बुधवार को कहा कि सुधारों को तेजी से लागू कर रहा भारत अब बड़े फैसले लेता है और निवेशकों के लिए एक भरोसेमंद साझेदार बन चुका है। प्रधानमंत्री मोदी ने हैदराबाद में फ्रांसीसी विमानन कंपनी सैफरान के विमान इंजन एमआरओ संयंत्र का ऑनलाइन माध्यम से उद्घाटन करते हुए यह बात कही।

उन्होंने कहा कि यह संयंत्र युवाओं के लिए रोजगार के अवसर भी प्रदान करेगा। भारत ने व्यवसाय से जुड़े सैकड़ों प्रावधानों को अपराध की श्रेणी से बाहर किया है और राष्ट्रीय एकल-खिड़की व्यवस्था से विभिन्न अनुमोदन को एक मंच पर लाया गया है। उन्होंने कहा कि जीएसटी सुधार, चेहरा-रहित कर आकलन, नए श्रम कानून और दिवाला एवं ऋणशोधन अक्षमता संहिता (आईबीसी) के आने से शासन पहले से अधिक सरल और पारदर्शी बना है। उन्होंने कहा कि इन कोशिशों से भारत को अब एक भरोसेमंद साझेदार, एक बड़े बाजार और उभरते विनिर्माण केंद्र के तौर पर देखा जा रहा है। आज भारत में तेजी से वृद्धि हो रही है, सरकार स्थिर है, सुधार पर ध्यान देने वाली सोच है, युवा प्रतिभाओं की भरमार है और एक बड़ा घरेलू बाजार है। सबसे जरूरी बात, भारत में निवेश करने वालों को देश सिर्फ निवेशक नहीं, बल्कि विकसित भारत के सफर में सह-निर्माता और हितधारक मानता है।

समारोह को ऑनलाइन संबोधित करते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी।

- बोले- देश को भरोसेमंद साझेदार, बड़े बाजार और उभरते विनिर्माण केंद्र के तौर पर देखा जा रहा

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत का नागर विमानन क्षेत्र तेजी से बढ़ रहा है और देश का घरेलू बाजार दुनिया में तीसरा सबसे बड़ा है। भारतीय एयरलाइन कंपनियों ने 1,500 से अधिक नए विमानों का ऑर्डर दिया हुआ है। विमानों के रखरखाव, मरम्मत एवं देखभाल यानी एमआरओ का करीब 85 प्रतिशत काम विदेशों में होने से लागत बढ़ती है और विमानों को लंबे समय तक खड़ा रहना पड़ता है।

संयंत्र के विकास पर 1,300 करोड़ का शुरुआती निवेश करेगा सैफरान

सैफरान की इकाई सैफरान एयरक्राफ्ट इंजन सर्विसेज इंडिया (एसएईएसआई) ने हैदराबाद में अपने एमआरओ संयंत्र के विकास पर 1,300 करोड़ रुपये का शुरुआती निवेश किया है। यहां एयरबस ए320 निओ और बोइंग 737 मैक्स विमानों में इस्तेमाल होने वाले लीप इंजन की सर्विसिंग होगी। इस संयंत्र को प्रति वर्ष 300 इंजन की सर्विसिंग क्षमता के साथ डिजाइन किया गया है और 2035 तक 1,000 से अधिक कुशल भारतीय तकनीशियन और इंजीनियर यहां कार्यरत होंगे। इस संयंत्र में 2026 में परिचालन शुरू होने वाला है। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने एक बयान में कहा कि भारत में एमआरओ क्षमताओं का विकास विदेशी मुद्रा की निकासी को कम करेगा, उच्च मूल्य वाले रोजगार के अवसर सृजित करेगा, आपूर्ति श्रृंखला की मजबूती बढ़ाएगा और भारत को वैश्विक विमानन केंद्र के रूप में स्थापित करेगा।

अतिरिक्त ऑर्डर मिला तो असेंबली लाइन लगाने को प्रतिबद्ध : सीईओ

फ्रांसीसी विमानन कंपनी सैफरान ने कहा कि भारतीय वायुसेना राफेल लड़ाकू विमानों के लिए अतिरिक्त ऑर्डर देती है तो कंपनी राफेल के इंजन एवं अन्य महत्वपूर्ण कलपुर्जों के लिए भारत में अंतिम असेंबली लाइन लगाने को प्रतिबद्ध होगी। सैफरान के सीईओ ओलिवर एंड्रीस ने कंपनी के लीप इंजन रखरखाव, मरम्मत और देखभाल (मेंटेनेंस, रिपेयर ओवरहॉल–एमआरओ) केंद्र के उद्घाटन के बाद कहा कि अगर ऐसा होता है, तो यह फ्रांस के बाहर ऐसी पहली इकाई होगी। एंड्रीस ने कहा कि कंपनी रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) के साथ इंजन के सह–विकास पर तकनीकी एवं वाणिज्यिक चर्चाएं करेगी। भारत एकमात्र देश है जिसके लिए कंपनी इंजन प्रौद्योगिकी का पूरी तरह हस्तांतरण करने का प्रस्ताव दे रही है।

डिजिटल कनेक्शन डेटा सेंटर पर खर्च करेगी 11 अरब डॉलर

नई दिल्ली, एजेंसी

डिजिटल अवसंरचना कंपनी डिजिटल कनेक्शन ने बुधवार को आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम में 2030 तक 11 अरब डॉलर (98,000 करोड़ रुपये) का निवेश कर एक गीगावॉट क्षमता वाले डेटा सेंटर विकसित करने की घोषणा की। ब्रुकफील्ड, रिलायंस इंडस्ट्रीज और अमेरिकी कंपनी डिजिटल रियल्टी के संयुक्त उद्यम डिजिटल कनेक्शन ने कहा कि विशाखापत्तनम में कृत्रिम मेधा (एआई) सक्षम डेटा सेंटर पांच वर्षों में 400 एकड़ क्षेत्र में स्थापित किए जाएंगे। कंपनी ने आंध्र प्रदेश आर्थिक विकास बोर्ड के साथ इस संबंध में समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं।

डिजिटल कनेक्शन ने कहा कि उसके डेटा सेंटर उन्नत एआई कार्यभार को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए डिजाइन किए गए हैं। इनमें मजबूत सबस्टेशन, दोहरी बिजली फीड व्यवस्था और उच्च कंप्यूटिंग क्षमता जैसी सुविधाएं शामिल होंगी, जो अगले दशक की डिजिटल नवाचार आवश्यकताओं को पूरा कर सकेंगी। विशाखापट्टनम में यह निवेश उस समय सामने आया है जब पिछले महीने गूगल ने भी आंध्र प्रदेश में एआई हब और डेटा सेंटर स्थापित करने के लिए 15 अरब डॉलर का निवेश करने की घोषणा की थी। डिजिटल कनेक्शन चेन्नई में परिसर संचालित कर रही है और मुंबई के चांदीवली क्षेत्र में उसका एक अन्य डेटा सेंटर निर्माणाधीन है।

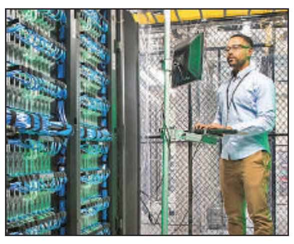

- ब्रुकफील्ड, रिलायंस इंडस्ट्रीज और डिजिटल रियल्टी के संयुक्त उद्यम ने की घोषणा

मुद्रास्फीति के अनुमान में पूर्वाग्रह नहीं : गुप्ता

मुंबई, एजेंसी

भारतीय रिजर्व बैंक की डिप्टी गवर्नर पूनम गुप्ता ने बुधवार को कहा कि हर अनुमान में त्रुटियों का जोखिम होता है, पर केंद्रीय बैंक के मुद्रास्फीति अनुमान में व्यवस्था के स्तर पर पूर्वाग्रह वाली बात नहीं है। गुप्ता ने कहा कि केंद्रीय बैंक मुद्रास्फीति अनुमानों पर पहुंचने के लिए विभिन्न मॉडल और विशेषज्ञ चर्चाओं का उपयोग करता है और अनुमानों का गलत होना सिर्फ यहां का मामला नहीं है बल्कि वैश्विक घटना है।

उन्होंने कहा कि केंद्रीय बैंक भुगतान संतुलन के आंकड़े मासिक आधार पर जारी करने पर भी विचार कर रहा है। वर्तमान में तिमाही आधार पर ये आंकड़ें जारी किए जाते हैं। वैश्विक व्यापार नीतियों में हो रहे व्यापक बदलाव के बीच उन्होंने यह बात कही। भुगतान संतुलन देश की बाह्य स्थिति के बारे में संकेत देता है। मुद्रास्फीति अनुमान को लेकर चिंता आंकड़ों को अधिक दिखाने के अनुमान से उत्पन्न हुई है। इसके बारे में आलोचकों का तर्क है कि इसने आरबीआई को पिछले कुछ महीनों में नीतिगत दरों में और कटौती करने से रोका है। उनका तर्क है कि दरों में कटौती अर्थव्यवस्था के लिए मददगार होती और संभवतः अमेरिकी शुल्क के प्रभाव को कम करती।

गुप्ता ने सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के कार्यक्रम में कहा कि अनुमान की त्रुटियों को कम करना भी महत्वपूर्ण है, लेकिन अनुमान में कोई व्यवस्थित पूर्वाग्रह नहीं है। ऐसा नहीं है कि पूर्वानुमान किसी विशेष रूप से पक्षपाती है। मुद्रास्फीति के पूर्वानुमान पर आलोचनाओं को स्वीकार करते हुए उन्होंने कहा कि मीडिया में लेख पढ़ना मजेदार है, और बातों को कठोरता से लिखा जाता हैं, लेकिन उन्होंने स्पष्ट किया कि आरबीआई इन विचारों को बहुत गंभीरता से लेता है। आरबीआई के मौद्रिक नीति विभाग में अपने सहयोगियों के साथ बातचीत का हवाला देते हुए, गुप्ता ने कहा कि हर अनुमान में त्रुटियों का जोखिम होता है और ऐसा कोई भी पूर्वानुमान लगाने वाला नहीं है जो हर बार सही हो। यह दुनिया के अन्य देशों में भी होता है।

- आरबीआई डिप्टी गवर्नर ने कहा- अनुमानों के लिए कई मॉडल और चर्चाओं का होता है उपयोग

अमेरिकी नीतिगत दर घटने की उम्मीद से बाजार झूमा

मुंबई, एजेंसी

स्थानीय शेयर बाजार में तीन कारोबारी सत्रों से जारी गिरावट पर बुधवार को विराम लगा और चौतरफा लिवाली से बीएसई सेंसेक्स 1,000 अंक से अधिक चढ़ गया जबकि एनएसई निफ्टी ने फिर से 26,000 अंक के स्तर को प्राप्त कर लिया।

- सेंसेक्स 1,022 अंक चढ़ा, निफ्टी रिकॉर्ड स्तर के करीब, तीन सत्रों से जारी गिरावट पर लगा विराम

अमेरिकी फेडरल रिजर्व के ब्याज दर घटाने की उम्मीद के बीच वैश्विक बाजारों में तेजी और विदेशी संस्थागत निवेशकों के पूंजी प्रवाह से घरेलू बाजार में उछाल आया।

बीएसई का सेंसेक्स 1,022.50 अंक चढ़कर 85,609.51 पर बंद हुआ। वहीं एनएसई का निफ्टी 320.50 अंक की बढ़त के साथ 26,205.30 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी अपने अबतक के उच्चतम स्तर से केवल 10 अंक कम है। विशेषज्ञों के अनुसार, रूस और यूक्रेन के बीच युद्धविराम को लेकर बढ़ती उम्मीद ने भी निवेशकों की धारणा को मजबूत किया। सेंसेक्स की कंपनियों में बजाज फिनसर्व, बजाज फाइनेंस, टाटा स्टील, रिलायंस इंडस्ट्रीज, सन फार्मा, टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स, एक्सिस बैंक और इन्फोसिस प्रमुख रूप से लाभ में रहीं। दूसरी तरफ, भारती एयरटेल और एशियन पेंट्स के शेयर नुकसान में रहे। बाजार में भागीदारी व्यापक रही। धातु, ऊर्जा और आईटी सूचकांकों में बढ़त दर्ज की गई। मझोली और छोटी कंपनियों से जुड़े सूचकांकों में भी एक प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई। एशिया के अन्य बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की और हांगकांग का हैंग सेंग सकारात्मक दायरे में रहे। हालांकि, चीन का शंघाई कम्पोजिट गिरावट के साथ बंद हुआ। यूरोप के प्रमुख बाजारों में दोपहर के कारोबार में तेजी का रुख था। अमेरिकी बाजार मंगलवार को बढ़त के साथ बंद हुए।

एफआईआई और डीआईआई ने की खरीदारी

शेयर बाजार के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने मंगलवार को 785.32 करोड़ के शेयर खरीदे। घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने भी 3,912.47 करोड़ की लिवाली की। मझोली कंपनियों से जुड़ा मिडकैप सूचकांक 1.32 प्रतिशत चढ़ा जबकि छोटी कंपनियों का स्मॉलकैप 1.23 प्रतिशत के लाभ में रहा। बीएसई में सूचीबद्ध 2,800 शेयरों में तेजी रही जबकि 1,371 शेयरों में गिरावट आई। 154 शेयरों में कोई बदलाव नहीं आया। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.03 प्रतिशत की मामूली वृद्धि के साथ 62.50 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया।

आतंक का वित्तपोषण कर रहे अनियमित ऑनलाइन गेमिंग एप्स

सुप्रीम कोर्ट में केंद्र ने कहा- इनका विनियमन करने के लिए कानून लाने की जरूरत

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट में कहा कि अनियमित ऑनलाइन गेमिंग एप का आतंकवाद के वित्तपोषण और धन शोधन से संबंध है तथा इन वर्चुअल प्लेटफॉर्म का विनियमन करने को कानून लाने की जरूरत है। न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति केवी विश्वनाथन की पीठ ने कहा कि वह इस मामले को सुनवाई के लिए गुरुवार को लेने का प्रयास करेगी।

केंद्र के हलफनामे में कहा गया है कि ऑनलाइन मनी गेमिंग का बेरोक-टोक विस्तार वित्तीय धोखाधड़ी, धन शोधन, कर चोरी और कुछ मामलों में आतंकवाद के वित्तपोषण से जुड़ा हुआ है, जिससे राष्ट्रीय सुरक्षा, लोक व्यवस्था और राष्ट्र की अखंडता को खतरा पैदा हो रहा है। ऑनलाइन गेमिंग प्रणालियों का अक्सर व्यापक विज्ञापन अभियानों, सेलिब्रिटी और प्रभावशाली लोगों के समर्थन से विपणन होता है, जिससे उनकी पहुंच और प्रभाव बढ़ जाता है, खासकर युवाओं और कमजोर समूहों के बीच। सरकार ने कहा कि व्यक्तियों, परिवारों, समाज और देश पर ऑनलाइन मनी गेमिंग के हानिकारक और नकारात्मक प्रभाव को देखते हुए तथा ऑनलाइन मनी गेम के लिए उपयोग किए जाने वाले इलेक्ट्रॉनिक माध्यम की प्रकृति, एल्गोरिदम और इसमें शामिल राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय नेटवर्क सहित तकनीकी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए, और यह देखते हुए कि वे विदेशी क्षेत्राधिकारों से संचालित होते हैं, ऑनलाइन गेमिंग संवर्धन एवं विनियमन अधिनियम, 2025 लाया गया।

पर्याप्त सामग्री और डेटा जो दर्शाते हैं कि अनियमित ऑनलाइन गेमिंग क्षेत्र का संबंध आतंकवाद के वित्तपोषण और धन शोधन से है। साथ ही, आतंकवाद के वित्तपोषण और धन शोधन से संबंधों पर सीलबंद लिफाफे में अधिक जानकारी देने की पेशकश की गई।

- केंद्र ने कहा- इनका बेरोक-टोक विस्तार राष्ट्रीय सुरक्षा और राष्ट्र की अखंडता के लिए खतरा

प्रदूषण के कारण डिजिटल सुनवाई पर करें विचार

नई दिल्ली। प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत ने गंभीर वायु प्रदूषण के कारण सुप्रीम कोर्ट की सुनवाई केवल डिजिटल तरीके से करने की संभावना पर विचार करते हुए कहा कि एक दिन पहले जब वह एक घंटे की सैर पर गए थे तो उन्होंने खुद को अस्वस्थ महसूस किया था। उन्होंने कहा कि वह बार से परामर्श के बाद निर्णय करेंगे, हालांकि 60 वर्ष से अधिक आयु के अधिवक्ताओं के लिए डिजिटल तरीके से सुनवाई की अनुमति देने का विचार अदालत में रखा गया था। न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने यह टिप्पणी तमिलनाडु, केरल, पश्चिम बंगाल और अन्य राज्यों में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण के निर्वाचन आयोग के फैसले को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई की शुरुआत में कीं, जब आयोग की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता राकेश द्विवेदी ने व्यक्तिगत उपस्थिति से छूट मांगी। द्विवेदी ने कहा कि मुझे प्रदूषण से दिक्कत है... कृपया मेरे सहकर्मी को नोट लेने की अनुमति दें। मैं अगली तारीख पर वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए पेश होना चाहता हूं। उन्होंने बताया कि सुबह की सैर पर जाने के बाद से उन्हें कुछ दिक्कत हो रही है। मुझे आपकी अनुमति चाहिए।

- सीजेआई ने 60 वर्ष से अधिक उम्र के अधिवक्ताओं को अनुमति दिए जाने का कोर्ट में विचार रखा

देश को भगौड़े अपराधियों को वापस लाने का अधिकार

सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को कहा कि देश को कानून से बचने वाले अपराधियों को वापस लाने का अधिकार है। न्यायालय ने एक व्यक्ति की उस याचिका पर विचार करने से इन्कार कर दिया, जिसमें उसने संयुक्त अरब अमीरात से उसके प्रत्यर्पण के लिए किए गए अनुरोध को वापस लेने की प्रार्थना की थी। अधिकारियों के अनुसार, याचिकाकर्ता विजय मुरलीधर उधवानी के खिलाफ 153 मामले दर्ज हैं, जिसने जुलाई 2022 में दुबई की यात्रा की थी और उस पर अवैध शराब की तस्करी और अन्य अपराधों की संगठित अवैध गतिविधियों में शामिल होने का आरोप है। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ उधवानी द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसके खिलाफ रेड कॉर्नर नोटिस भी जारी किया गया था। उधवानी ने गुजरात उच्च न्यायालय के एक आदेश को चुनौती दी थी। उच्च न्यायालय ने याचिका खारिज कर दी थी, जिसमें उसके खिलाफ जारी रेड कॉर्नर नोटिस को रद्द करने और प्रत्यर्पण के लिए संयुक्त अरब अमीरात को किए गए प्रत्यर्पण अनुरोध को वापस लेने के लिए अधिकारियों को निर्देश देने का अनुरोध किया गया था। पीठ ने याचिकाकर्ता की ओर से उपस्थित वकील से कहा कि कई अपराध हैं, आप वापस आएं। आपका भव्य स्वागत किया जाएगा।

शराब घोटाले में तीन आरोपियों को अंतरिम राहत

सुप्रीम कोर्ट ने आंध्र प्रदेश में 3,500 करोड़ के शराब घोटाले में तीन आरोपियों को आत्मसमर्पण करने से बुधवार को अंतरिम राहत दे दी। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय के उस आदेश के क्रियान्वयन पर रोक लगा दी, जिनमें आरोपियों की जमानत रद्द कर दी गई थी। उच्च न्यायालय ने उन्हें मामले की सुनवाई कर रही अदालत में 26 नवंबर को आत्मसमर्पण करने और नियमित जमानत के लिए अनुरोध करने का निर्देश दिया था।

पानी-भोजन की खराब गुणवत्ता पर वीआईटी में छात्रों का हंगामा

सीहोर (मप्र), एजेंसी

सीहोर जिले में वेल्लोर प्रौद्योगिकी संस्थान (वीआईटी) के छात्रों ने भोजन और पानी की कथित खराब गुणवत्ता को लेकर हिंसक प्रदर्शन किया, कॉलेज परिसर में तोड़फोड़ की और वाहनों में आग लगा दी। पुलिस अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी।

सोशल मीडिया पर प्रसारित वीडियो और प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार मंगलवार देर रात आगजनी के दौरान एक बस, चार पहिया दो वाहन, एक एम्बुलेंस, छात्रावास की खिड़की के शीशे, एक आरओ प्लांट और परिसर के अन्य हिस्सों को नुकसान पहुंचाया गया। पुलिस ने बताया कि 3,000 से 4,000 छात्रों ने भोजन और पानी की गुणवत्ता को लेकर प्रदर्शन किया। सूचना के बाद पुलिस अनुमंडल अधिकारी (आष्टा) और कई थानों के पुलिसकर्मी कॉलेज पहुंचे। कर्मियों ने छात्रों के साथ विस्तृत चर्चा की, उनकी चिंताओं को सुना और उन्हें समस्याओं को हल करने के लिए कार्रवाई का आश्वासन दिया। आष्टा अनुविभागीय पुलिस अधिकारी (एसडीओपी) आकाश अमालकर ने कहा कि कॉलेज और छात्रावास परिसर में स्थिति वर्तमान में नियंत्रण में है। परिसर में पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया गया है और स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है। इस बीच, कॉलेज प्रबंधन ने 30 नवंबर तक छुट्टी घोषित कर दी है। सीहोर के एसपी दीपक शुक्ला ने कहा कि स्थिति सामान्य है।

- 4,000 से ज्यादा छात्रों ने किया प्रदर्शन, कॉलेज प्रबंधन ने की 30 नवंबर तक छुट्टी

निर्वाचन आयोग ने सीईओ कार्यालय पर प्रदर्शन की पुलिस से रिपोर्ट मांगी

कोलकाता, एजेंसी

निर्वाचन आयोग ने प. बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) कार्यालय पर बीएलओ के विरोध प्रदर्शन को लेकर कोलकाता पुलिस आयुक्त मनोज कुमार वर्मा को बुधवार को पत्र लिखा और इसे गंभीर सुरक्षा उल्लंघन बताया तथा 48 घंटे में कार्रवाई रिपोर्ट मांगी। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बीएलओ के प्रदर्शन को निर्वाचन आयोग के अहंकार को जिम्मेदार ठहराया। पत्र में आयोग के सचिव सुजीत मिश्रा ने कहा कि सीईओ मनोज अग्रवाल के कार्यालय में मौजूदा सुरक्षा अपर्याप्त है।

मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के कारण अत्यधिक कार्य दबाव का आरोप लगाते हुए, बूथ स्तरीय अधिकारियों (बीएलओ) ने मंगलवार शाम तक सीईओ कार्यालय के बाहर 30 घंटे का प्रदर्शन किया। आयोग ने पत्र में कहा कि सीईओ कार्यालय में मौजूदा सुरक्षा स्थिति से निपटने के लिए अपर्याप्त प्रतीत होती है, जिससे मुख्य निर्वाचन अधिकारी, संयुक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारियों, उप मुख्य निर्वाचन अधिकारियों और मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय में काम करने वाले अन्य अधिकारियों और कर्मचारियों की सुरक्षा को खतरा हो सकता है। पत्र की प्रतिलिपि मुख्य सचिव, राज्य के गृह सचिव और पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) को भेजी गई।

- मुख्यमंत्री ममता ने बीएलओ की मांग को उचित बताया

बीएलओ को अपना पक्ष रखने का अधिकार

इस संबंध में मुख्यमंत्री बनर्जी ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) पर सवाल उठाते हुए कहा कि बीएलओ को अपनी शिकायतें रखने के लिए उनके दफ्तर के बाहर घंटों इंतजार क्यों कराया गया। बंगाल ही नहीं, गुजरात, राजस्थान, मध्य प्रदेश, केरल और तमिलनाडु जैसे राज्यों में भी बीएलओ काम के दबाव में दम तोड़ रहे हैं।

छत्तीसगढ़: 41 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण, 32 पर थे एक करोड़ 19 लाख के इनाम

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में एक करोड़ 19 लाख के इनामी 32 समेत 41 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया। पुलिस अधिकारियों ने बुधवार को बताया कि इनमें कई आठ लाख के इनामी है। वहीं, कई पर पांच लाख का इनाम था। इसके अलावा 12 नक्सलियों पर दो-दो लाख तथा आठ नक्सलियों पर एक-एक लाख का इनाम था।

अधिकारियों ने बताया कि आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों में दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी के सदस्यों के अलावा तेलंगाना स्टेट कमेटी और धमतरी-गरियाबंद-नुआपाड डिवीजन के नक्सली भी शामिल हैं। राज्य शासन द्वारा अपनाई गई व्यापक नक्सल उन्मूलन नीति ने दक्षिण बस्तर क्षेत्र में स्थायी शांति की मजबूत नींव स्थापित की है। पुलिस, सुरक्षाबलों, स्थानीय प्रशासन, सामाजिक संगठनों और क्षेत्र के जागरुक नागरिकों के सामूहिक तथा समन्वित प्रयासों से हिंसा और भय की संस्कृति को संवाद और विकास की संस्कृति में बदलने में बड़ी सफलता मिली है।

परिवार को पूरा लाभ न देने पर शहीद अग्निवीर की मां पहुंचीं हाईकोर्ट

मुंबई, एजेंसी

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान शहीद हुए अग्निवीर मुरली नाइक की मां ने मुंबई हाईकोर्ट का रुख किया है और नियमित सैनिक के परिवार को मिलने वाले लाभ देने से इन्कार करने को चुनौती दी है। नाइक की मां ज्योतिबाई नाइक की अर्जी में दावा किया गया कि अग्निपथ योजना अग्निवीरों और नियमित सैनिकों के बीच मनमाना फर्क पैदा करती है। इसमें उन्होंने संपूर्ण मृत्यु लाभ देने से इन्कर करने को भेदभावपूर्ण बताते हुए सवाल उठाया है।

पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में भारत द्वारा शुरू किए गए 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान पाकिस्तानी सेना की ओर से गोलाबारी और मोर्टार से हमलों में नौ मई को मुरली नाइक शहीद हो गए थे। अधिवक्ता संदेश मोरे, हेमंत घाडीगांवकर और हितेन्द्र गांधी के माध्यम से दायर याचिका में कहा गया है कि अग्निवीर नियमित सैनिकों के समान ही कर्तव्य निभाते हैं और उन्हीं जोखिमों का सामना करते हैं, फिर भी अग्निवीरों के परिवारों को दीर्घकालिक पेंशन और कल्याणकारी लाभों से वंचित रखा गया है। सरकार द्वारा शुरू की गई अग्निपथ योजना में अग्निवीरों को सेवा के बाद मिलने वाले उन पेंशन लाभ और अन्य दीर्घकालिक कल्याणकारी अधिकारों से स्पष्ट रूप से वंचित रखा गया है।

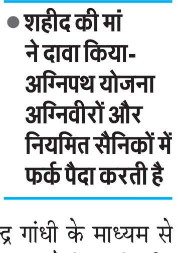

- शहीद की मां ने दावा किया- अग्निपथ योजना अग्निवीरों और नियमित सैनिकों में फर्क पैदा करती है

जज बदलने की राबड़ी देवी की याचिका पर सीबीआई को नोटिस

नई दिल्ली। बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी द्वारा आईआरसीटीसी होटल घोटाला मामले की सुनवाई किसी अन्य जज को भेजने की मांग वाली याचिका पर बुधवार को दिल्ली की अदालत ने सीबीआई से जवाब मांगा है।

प्रधान एवं सत्र न्यायाधीश दिनेश भट्ट ने राजद नेता की याचिका पर सुनवाई करते हुए सीबीआई को नोटिस जारी किया। अदालत ने सीबीआई मामले में जारी सुनवाई की कार्यवाही पर रोक लगाने से इनकार कर दिया। इससे पहले सोमवार को राबड़ी देवी ने अपने खिलाफ दर्ज सीबीआई और ईडी के मामलों को दूसरी अदालत में स्थानांतरित करने की मांग करते हुए एक याचिका दायर की थी।

हांगकांग में भीषण आग...

हांगकांग के ताई पो जिले में एक बहुमंजिला आवासीय परिसर में बुधवार को आग लगने से चार लोगों की मौत हो गई जबकि तीन अन्य व्यक्ति अस्पताल में भर्ती हैं। इमारतों में कुछ लोगों के फंसे होने की सूचना है।

2,700 साल बाद भारत से इजराइल वापसी

बेनी मेनाशे एक समुदाय है जो अपने को प्राचीन इज़राइल के मेनाशे कबीले का वंशज मानता है। यह समुदाय भारत के पूर्वोत्तर में रहने वाला एक अनोखा और ऐतिहासिक समुदाय है। माना जाता है कि लगभग 2,700 साल पहले असिरियन साम्राज्य द्वारा इज़राइल पर कब्जे के दौरान मेनाशे कबीले के लोग मध्य एशिया और फिर पूर्व की ओर पलायन कर गए। समय के साथ यह समुदाय चीन होते हुए म्यांमार और फिर भारत के मणिपुर व मिजोरम क्षेत्र में आकर बस गया। बेनी मेनाशे पूर्वोत्तर भारत के यहूदी समुदायों का सामूहिक नाम है, जो मुख्य रूप से मिजोरम और मणिपुर में रह रहे हैं। यहां इनकी आबादी लगभग 5,800 है जिन्हें इजराइल की सरकार ने वतन वापसी की मंजूरी दे दी है।

कौन हैं बेनी मेनाशे समुदाय

इजराइल ने दी वापसी के लिए मंजूरी

इजराइल सरकार ने अगले पांच वर्षों में भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र से सभी 5,800 बेनी मेनाशे को लाने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। इजराइल की जुइश एजेंसी ने कहा कि सरकार ने पूर्वोत्तर भारत से बेनी मेनाशे समुदाय के आव्रजन को पूरा करने के लिए एक महत्वपूर्ण, व्यापक पहल को मंजूरी दे दी। इस ऐतिहासिक निर्णय से 2030 तक लगभग 5,800 सदस्य इजराइल आएंगे। इनमें से 1,200 सदस्यों को 2026 में लाने को स्वीकृत मिल गई है।

वतन वापसी के लिए किए खास इंतजाम

बेनी मेनाशे के वतन वापसी पर इजराइल अनुमानत: नौ करोड़ शेकेल (2.7 करोड़ अमेरिकी डॉलर) खर्च करेगा जिससे इन आप्रवासियों की उड़ानों, धर्म संबंधी शिक्षाओं, आवास, हिब्रू पाठ और अन्य चीजों को कवर किया जाएगा। रब्बियों (धार्मिक नेताओं) के एक प्रतिनिधिमंडल के भी इनसे मिलने भारत आने की संभावना है। प्रतिनिधिमंडल लगभग 3,000 बेनी मेनाशे लोगों का साक्षात्कार करेगा, जिनके इजराइल में रिश्तेदार हैं।

पहले ही इजराइल जा चुके 2,500 सदस्य

बेनी मेनाशे समुदाय के लगभग 2,500 सदस्य पहले ही इजराइल में बस चुके हैं। समुदाय के अधिकतर युवा इजराइली रक्षा बलों की लड़ाकू इकाइयों में सेवारत हैं। इनके वतन वापसी का काम देख रही जुइश एजेंसी इजराइल आधारित अंतर्राष्ट्रीय संगठन है जो अलियाह को मुख्य मूल्य के रूप में आगे बढ़ाकर इजराइल और दुनिया भर के यहूदी लोगों को मजबूत करने के लिए सामूहिक रूप से कार्य करता है।

यहूदी के साथ हिंदू और ईसाई धर्म मानता है समुदाय

बेनी मेनाशे समुदाय का धर्म यहूदी है, लेकिन समय के साथ उन्होंने स्थानीय परंपराओं और अन्य धर्मों के प्रभाव को भी अपनाया है। कई लोग ईसाई और हिंदू धर्म को भी मानते हैं। भाषा : बेनी मेनाशे समुदाय की भाषा मुख्य रूप से मिजो और मैतै है, लेकिन कई लोग हिब्रू और अंग्रेजी भी बोलते हैं। पोशाक : समुदाय की पोशाक में पारंपरिक मिजो और मैतै कपड़े शामिल होते हैं। भोजन : इनका भोजन मुख्य रूप से मांसाहारी होता है, जिसमें मछली, मांस, और सब्जियां शामिल होती हैं। त्योहार : ये यहूदी त्योहारों को मनाते हैं, जैसे कि रोश हशनाह और योम किप्पुर, साथ ही स्थानीय त्योहार भी मनाते हैं। संगीत-नृत्य : इनका संगीत-नृत्य मिजो और मैतै संस्कृति से प्रभावित है, जिसमें पारंपरिक वाद्ययंत्र और नृत्य शामिल हैं।

वर्ल्ड ब्रीफ

40 अरब डॉलर के हथियार लेगा ताइवान

ताइपे। ताइवान के रक्षा मंत्री वेलिंगटन कू ने बुधवार को कहा कि उनकी सरकार हथियारों की खरीद के लिए 40 अरब अमेरिकी डॉलर का विशेष बजट पेश करेगी। यह निर्णय ताइवान पर अपने रक्षा खर्च में बढ़ोतरी करने के अमेरिका के दबाव के बीच लिया जा रहा है। कू ने बताया कि यह बजट नई रक्षा प्रणालियों की खरीद पर खर्च किया जाएगा, जिनमें अमेरिका से खरीदे जाने वाले सैन्य उपकरण भी शामिल होंगे।

बोल्सोनारो की 27 साल की सजा शुरू

ब्रासीलिया। ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति जेयर बोल्सोनारो ने मंगलवार से 27 साल की जेल की सजा काटना शुरू कर दिया। बोल्सोनारो को 2022 का राष्ट्रपति चुनाव हारने के बाद सत्ता में बने रहने के लिए तख्तापलट की साजिश का दोषी पाया गया था। इस मामले पर सुनवाई कर रहे उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश एलेक्जांद्रे दे मोरेस ने आदेश दिया कि बोल्सोनारो को पुलिस मुख्यालय में रखा जाएगा।

पाकिस्तान ने किया मिसाइल का परीक्षण

कराची। पाकिस्तानी नौसेना ने एक स्वदेश विकसित पोत रोधी बैलिस्टिक मिसाइल का सफल परीक्षण किया है। इस मिसाइल को समुद्र और धरती, दोनों स्थानों पर लक्ष्य भेदने में सक्षम है। इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, यह परीक्षण मंगलवार को स्थानीय स्तर पर निर्मित नौसैन्य प्लेटफॉर्म से किया गया, जिससे देश की रक्षा क्षमताएं बढ़ी हैं। यह मिसाइल समुद्र और जमीन से हमले में सक्षम है।

इजराइल ने गाजा से भेजे शव पहचाने

यरूशलम। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने बुधवार को कहा कि उनके देश ने गाजा से हाल में लाए गए एक शव की पहचान बंधक द्रोर ओर के अवशेषों के रूप में की है। अब गाजा में दो बंधकों के शव बचे हैं। इजराइल-हमास संघर्ष विराम का पहला चरण पूरा होने वाला है।

सरकोजी की दोषसिद्धि कोर्ट ने बरकरार रखा

पेरिस। फ्रांस की शीर्ष अदालत ने पूर्व राष्ट्रपति निकोलस सरकोजी को उनके पुनर्निर्वाचन अभियान के लिए अवैध वित्तपोषण के मामले में दोषी ठहराए जाने के फैसले को बरकरार रखा। सर्वोच्च अपीलीय न्यायालय (कोर्ट ऑफ कैसेशन) ने यह निर्णय सुनाया।

आतंकवाद किसी एक देश के लिए नहीं, मानव जाति के लिए अभिशाप

मुंबई हमले की बरसी : आतंकवाद को कतई बर्दाश्त नहीं करने पर गृहमंत्री शाह का जोर

- हमले की 17वीं बरसी पर शहीदों को दी गई श्रद्धांजलि

मुंबई/नई दिल्ली, एजेंसी

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने 2008 में मुंबई आतंकवादी हमले के दौरान आतंकवादियों से लड़ते हुए अपने प्राणों की आहुति देने वाले शहीदों को बुधवार को पुष्पांजलि अर्पित की। हमले की 17वीं बरसी पर अपने संदेश में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सभी नागरिकों से आतंकवाद से लड़ने के लिए अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करने को कहा, जबकि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आतंकवाद को बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं करने की नरेन्द्र मोदी सरकार की नीति को रेखांकित किया। कहा कि आतंकवाद किसी एक देश के लिए नहीं, बल्कि पूरी मानव जाति के लिए बहुत बड़ा अभिशाप है।

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार और मंत्री आशीष शेलार ने भी दक्षिण मुंबई में पुलिस आयुक्त कार्यालय परिसर में शहीद स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस मौके पर महाराष्ट्र की पुलिस महानिदेशक रश्मि शुक्ला, मुंबई पुलिस आयुक्त देवेन भारती और अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे। आतंकवादी हमले में जान गंवाने वाले पुलिसकर्मियों के परिजनों ने भी शहीदों को श्रद्धांजलि दी।

शाह ने एक्स पर अपने संदेश में कहा कि आतंकवाद किसी एक देश के लिए नहीं, बल्कि पूरी मानव जाति के लिए बहुत बड़ा अभिशाप है। उन्होंने कहा कि मुंबई आतंकी हमले का डटकर सामना करते हुए अपना बलिदान देने वाले वीर जवानों को नमन करता हूं और इस कायराना हमले में अपनी जान गंवाने वाले सभी लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। मोदी सरकार की आतंक के खिलाफ जीरो टॉलरेंस (बिल्कुल भी बर्दाश्त न करने) की नीति स्पष्ट है, जिसे पूरा विश्व सराह रहा है और भारत के आतंकवाद विरोधी अभियानों को व्यापक समर्थन दे रहा है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भी एक्स पर शहीदों को याद करते हुए कहा कि 26/11 मुंबई आतंकवादी हमलों की बरसी पर, मैं उन वीर सैनिकों को नमन करती हूं जिन्होंने हमारे देश के लोगों की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति दे दी। उन्होंने कहा कि राष्ट्र उनके सर्वोच्च बलिदान को कृतज्ञतापूर्वक याद करता है। मुर्मू ने कहा कि आइए! हम हर तरह के आतंकवाद का मुकाबला करने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करें। आइए! हम एक मजबूत और समृद्ध भारत के निर्माण के संकल्प के साथ प्रगति के पथ पर एक साथ आगे बढ़ें। 26 नवंबर 2008 को पाकिस्तान से आए 10 आतंकवादियों द्वारा मुंबई के कई हिस्सों में एक साथ किए गए हमलों में 166 लोगों की जान चली गई थी और 300 से अधिक घायल हो गए थे। पाकिस्तानी आतंकवादी संगठन एलईटी के 10 सशस्त्र आतंकवादी समुद्र के रास्ते शहर में घुसे थे।

आतंकवादी हमले में मारे गए शहीदों को श्रद्धांजलि देने के लिए मुंबई में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस दौरान अपनों को याद कर रो पड़ी एक पीड़िता।

हमलों की वैश्विक स्तर पर की गई निंदा

हमलों की वैश्विक स्तर पर निंदा हुई और इसके बाद भारत के आतंकवाद-रोधी उपायों में महत्वपूर्ण बदलाव हुए। कई लोगों ने सीएसएमटी, कामा व आल्बलेस रुग्णालय तथा अन्य स्थानों पर भी श्रद्धांजलि अर्पित की, जिन्हें पाकिस्तानी आतंकवादियों ने निशाना बनाया था। कई लोगों ने एएसआई तुकाराम ओम्बले की प्रतिमा स्थल पर भी पुष्पांजलि अर्पित की, जो आतंकवादी कसाब को पकड़ते समय शहीद हो गए थे।

देश का पहला एंटी ड्रोन पेट्रोल वाहन लांच

- सीमा पार से आने वाले ड्रोनों को पलक झपकते मार गिराएगा

हैदराबाद, एजेंसी

काउंटर-ड्रोन एवं एयर डिफेंस प्रौद्योगिकी कंपनी इंद्रजाल ड्रोन डिफेंस ने बुधवार को देश का पहला एंटी ड्रोन पेट्रोल व्हीकल (एडीपीवी) लॉन्च किया जो सीमा पार से आने वाले ड्रोनों को मार गिराने में सक्षम होगा।

यह पूरी तरह से मोबाइल एआई से लैस काउंटर ड्रोन सिस्टम है जो ड्रोन हमलों से बचाव के देश के तौर-तरीकों को बदलने की क्षमता रखता है। आज दुनिया में युद्ध के दौरान बढ़ते ड्रोन के इस्तेमाल को ध्यान में रखते हुए बनाया गया है। सीमा पार से आतंकवादी संगठन भी ड्रोन का इस्तेमाल हथियारों और ड्रग्स की तस्करी के लिए करते हैं। कंपनी ने बताया कि मौजूदा समय में एंटी-ड्रोन उपकरण वाहनों पर अलग से लगाए जाते हैं जो तभी काम करते हैं जब वाहन अपनी जगह पर स्थिर हो। वहीं, इंद्रजाल का एडीपीवी चलते हुए भी ड्रोन का पता लगा सकता है, एआई की मदद से खतरे का आंकलन कर सकता है और तुरंत मारकर गिरा सकता है। इसका इस्तेमाल सीमा पर सड़कों, नहरों, खेतों, बुनियादी ढांचों और शहरी क्षेत्रों में किया जा सकता है।

हसीना के प्रत्यर्पण पर बांग्लादेश को जवाब की उम्मीद

ढाका/नई दिल्ली। बांग्लादेश ने बुधवार को कहा कि भारत ने पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के प्रत्यर्पण के उसके पूर्व के अनुरोध पर कोई जवाब नहीं दिया, लेकिन बांग्लादेश को भारत से जवाब की उम्मीद है क्योंकि न्यायिक प्रक्रिया पूरी होने और पूर्व प्रधानमंत्री को दोषी ठहराए जाने के बाद अब स्थिति अलग है। मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार ने पिछले सप्ताह भारत को एक आधिकारिक पत्र भेजकर हसीना (78) के प्रत्यर्पण की मांग की थी। विशेष न्यायाधिकरण ने 17 नवंबर को उन्हें मौत की सजा सुनाई थी। वहीं, भारत ने बुधवार को कहा कि वह हसीना को प्रत्यर्पित किए जाने के बांग्लादेश के अनुरोध पर गौर कर रहा है और वह उस देश के लोगों के सर्वोत्तम हितों को सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

आईआईटी मद्रास ने विकसित की पोत प्रबंधन की प्रणाली

- देश की पहली स्वदेशी प्रणाली से कम होगा आयात

नई दिल्ली, एजेंसी

आईआईटी मद्रास के शोधकर्ताओं ने देश की पहली स्वदेशी पोत यातायात प्रबंधन प्रणाली विकसित की है और इसे बंदरगाहों में उपयोग में लाया जा रहा है। पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय द्वारा उल्लेखित आवश्यकताओं के आधार पर आईआईटी मद्रास स्थित राष्ट्रीय बंदरगाह, जलमार्ग और तट प्रौद्योगिकी केंद्र (एनटीसीपीडब्ल्यूसी) ने इस प्रणाली को तैयार किया है।

एनटीसीपीडब्ल्यूसी के प्रमुख के. मुरली के अनुसार, यह प्रणाली भारतीय समुद्री क्षेत्र में प्रौद्योगिकी और विशेषज्ञता के स्वदेशीकरण को बढ़ावा देगी तथा आयात पर निर्भरता कम करेगी। उन्होंने कहा कि स्वदेशी प्रणाली से पोत की आवाजाही से संबंधित रणनीतिक डेटा के लीक होने का खतरा नहीं होता। मुरली ने कहा कि यह प्रणाली आसानी से उन्नत की जा सकती है ताकि संबंधित हितधारकों की लगातार बदलती आवश्यकताओं को पूरा किया जा सके और इसमें वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं को शामिल किया जा सके। यह प्रणाली पहले ही केरल में स्थित विझिंजम इंटरनेशनल सीपोर्ट लिमिटेड (वीआईएसएल) में लागू कर दी गई है, जिसका उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मई में किया था। उन्होंने कहा कि पश्चिमी तट पर स्थित दो अन्य बंदरगाह भी इस प्रणाली को लागू करने के लिए आईआईटी मद्रास से बातचीत कर रहे हैं। स्वदेशी पोत यातायात प्रबंधन का एक प्रमुख लाभ यह है कि सरकार के पास इसके स्रोत कोड, डेटाबेस और समाधान के विभिन्न पहलुओं पर पूरा रणनीतिक नियंत्रण होता है।

गाजा संघर्ष विराम के दूसरे चरण पर त्रिपक्षीय बातचीत

काहिरा। तुर्की के खुफिया प्रमुख ने काहिरा में अपने मिस्र समकक्ष और कतर के प्रधानमंत्री-सह-विदेश मंत्री से गाजा संघर्ष विराम समझौते के दूसरे चरण पर चर्चा की। बातचीत का मुख्य ध्यान संघर्ष विराम को बनाए रखने तथा इसके आगे उल्लंघन को रोकने के लिए आने वाली बाधाओं को दूर करने पर रहा। मिस्र के मीडिया के अनुसार, अधिकारियों ने इजराइल के सिविल-मिलिट्री कोऑर्डिनेशन सेंटर के साथ समन्वय बढ़ाने पर सहमति जताई तथा उल्लंघनों को रोकने और अनुपालन को मजबूत करने के उपायों पर विचार किया।

चीन की हरकत संबंधों को सामान्य बनाने में बाधक

- भारतीय महिला को रोके जाने पर विदेश मंत्रालय सख्त

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत ने अरूणाचल प्रदेश की रहने वाली एक भारतीय महिला के साथ शंघाई हवाई अड्डे पर वीजा और पासपोर्ट को लेकर की गई हरकत पर सख्त रूख अपनाते हुए कहा है कि इस तरह की हरकतें दोनों देशों के बीच परस्पर विश्वास और समझ बनाने तथा संबंधों को सामान्य बनाने में मददगार नहीं होगी।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बुधवार को यहां मीडिया ब्रीफिंग में कहा कि अरूणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न अंग है और इस तरह की हरकतों से हकीकत नहीं बदल सकती। उन्होंने कहा कि भारत पहले भी कई बार यह स्पष्ट कर चुका है कि भारत और चीन के बीच संबंधों को सामान्य बनाने के लिए सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति बनाए रखाना जरूरी शर्त है। प्रवक्ता ने कहा कि अरुणाचल प्रदेश की रहने वाली भारतीय नागरिक के साथ चीन की मनमानी हरकतें दोनों पक्षों द्वारा परस्पर विश्वास और समझ बनाने तथा संबंधों को सामान्य बनाने की कोशिशों में मददगार नहीं हैं।

नेपाल में चुनाव लड़ेंगे 106 दल

काठमांडू। नेपाल में 106 राजनीतिक दलों ने अगले साल पांच मार्च को होने वाले आम संसदीय चुनाव में लड़ने के लिए पंजीकरण कराने के वास्ते आवेदन किया है। चुनाव आयोग ने पहले राजनीतिक दलों के लिए चुनाव पंजीकरण दाखिल करने की अंतिम तिथि 26 नवंबर निर्धारित की थी। बाद में इसे बढ़ाकर 30 नवंबर कर दिया गया।

चुनाव आयोग के प्रवक्ता सुमन अधिकारी ने बताया कि आयोग में पंजीकृत 134 दलों में से 106 ने प्रतिनिधि सभा के आगामी चुनाव में भाग लेने के लिए आवेदन जमा किए हैं। पात्र दलों की अंतिम सूची छह दिसंबर को प्रकाशित होगी।

यूक्रेन-रूस युद्ध खात्मे की योजना तैयार

- राष्ट्रपति ट्रंप ने पुतिन और यूक्रेनी अधिकारियों के पास भेजे दूत

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को कहा कि यूक्रेन और रूस के बीच युद्ध समाप्त कराने की उनकी योजना तैयार है और वह अपने दूत स्टीव विटकॉफ को रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से तथा सेना सचिव डैन ड्रिस्कॉल को यूक्रेनी अधिकारियों से बातचीत के लिए भेज रहे हैं।

ट्रंप ने संकेत दिया कि वह भी पुतिन और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की से मुलाकात कर सकते हैं, लेकिन वार्ता में पर्याप्त प्रगति होने पर। उन्होंने कहा कि वह उपराष्ट्रपति जे.डी. वेंस, विदेश मंत्री मार्को रुबियो, युद्ध मंत्री पीट

हेगसेथ और ट्रंप के आधिकारिक आवास व्हाइट हाउस की चीफ ऑफ स्टाफ सूज़ी वाइल्स के साथ प्रगति की जानकारी लेंगे। ट्रंप की यह टिप्पणी तब आई जब सेना सचिव ड्रिस्कॉल ने सोमवार देर रात और मंगलवार को अबू धाबी में रूसी अधिकारियों से बातचीत की।

कीव पर रात भर बरसीं मिसाइलें

बातचीत जारी रहने के बीच रूस ने कीव पर रातभर मिसाइल हमले किए, जिनमें सात लोग मारे गए जबकि यूक्रेन के हमले में दक्षिणी रूस में तीन लोगों की मौत हुई। पिछले सप्ताह सामने आई ट्रंप की शांति योजना रूस के पक्ष वाली बताई गई है जिसके बाद जेलेंस्की तुरंत अमेरिकी वार्ताकारों से मिले। यूरोपीय देशों ने भी इस पर अपनी चिंताएं जतायी हैं। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने कहा कि शांति प्रयास महत्वपूर्ण मोड़ पर हैं और गति पकड़ रहे हैं।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 27 नवंबर, गुरुवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- मार्गशीर्ष, पक्ष-शुक्ल पक्ष, सप्तमी 28 नवंबर 00.29 तक तत्पश्चात अष्टमी।

आज का पंचांग

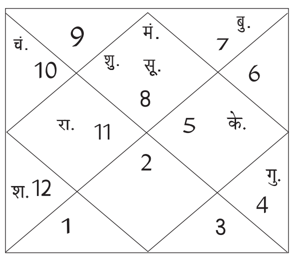

दिशाशूल- दक्षिण, **ऋतु**- हेमंत।
चन्द्रबल- मेष, कर्क, सिंह, वृश्चिक, मकर, मीन।
ताराबल- भरणी, रोहिणी, मृगशिरा, आर्द्रा, पुनर्वसु, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, स्वाति, विशाखा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र- धनिष्ठा 28 नवंबर 02.32 तक तत्पश्चात शतभिषा।

मेष — आज राजनीति से जुड़े लोगों को उच्च पद मिल सकता है। युवाओं को नौकरी के प्रस्ताव प्राप्त हो सकते हैं। व्यापार में बड़ा निवेश कर सकते हैं। आपको अपने आत्मसम्मान की चिंता रहेगी। अपने विरोधियों पर अधिक विश्वास न करें।

वृष — आज आप भविष्य को लेकर कुछ महत्वपूर्ण निर्णय करने का विचार बनाएंगे। बड़े भाई-बहनों से अपने मन की बातें शेयर कर सकते हैं। कारोबार में बड़े ऑर्डर मिलने के योग बन रहे हैं। प्रतिष्ठित लोगों से आपके संपर्क मजबूत होंगे।

मिथुन — आज जल का पर्याप्त मात्रा में सेवन करें। दिखावे की प्रवृत्ति से आपको बचना चाहिए। दूसरों के सामने अपनी छवि को लेकर अत्यंत चिंतित हो सकते हैं। आपकी दिनचर्या थोड़ी अव्यवस्थित हो सकती है। विरोधी आपको परेशान करने का प्रयास करेंगे।

कर्क — आज भाग्य आपके पक्ष में रहेगा। शाम के समय आपके कुछ काम अटक सकते हैं। आर्थिक मामलों को लेकर समस्या दूर होगी। पारिवारिक सुख का भरपूर आनंद लेंगे। विद्यार्थियों को पढ़ाई में अच्छे परिणाम मिलेंगे। जीवनसाथी के साथ घूमने जा सकते हैं।

सिंह — आज अचल संपत्ति के क्रय-विक्रय से लाभ होगा। व्यापारियों को धन उधार देने से बचना चाहिए। कार्यक्षेत्र में मनमानी भरे रवैये के कारण नुकसान हो सकता है। अपने काम के अलावा दूसरे कार्यों में अधिक फोकस कर सकते हैं।

कन्या — आज बेवजह दूसरे लोगों से सलाह न लें। प्रतियोगी परीक्षा में आप बेहतरीन प्रदर्शन कर सकते हैं। आप अत्यंत ऊर्जवान महसूस करेंगे। गृहस्थ जीवन में सावधानी रखें। प्रेमी जन के साथ तेज आवाज में बात न करें।

तुला — आज अनावश्यक खर्चों से आपको बचना चाहिए। क्रोधपूर्ण व्यवहार के बजाय शांतिपूर्ण तरीके से काम करें। कंसल्टेंसी से जुड़े कार्यों में लाभ होगा। पुराने मित्रों से चर्चा हो सकती है। साझेदारी वाले व्यवसाय में कुछ परेशानियों का सामना करना पड़ेगा।

वृश्चिक — आज पूरा दिन आपके लिए अत्यंत उत्तम रहने वाला है। आपकी अच्छी आदतों से लोग प्रेरणा लेंगे। आय के नए स्रोत विकसित होने के योग बन रहे हैं। अपने आत्मविश्वास के बलबूते उलझे मामलों को सुलझाने में सफलता मिलेगी।

धनु — आज प्राइवेट जॉब कर रहे लोगों की आय बढ़ सकती है। आपको पर्याप्त आराम अवश्य करना चाहिए। साझेदारी वाले व्यवसाय में पारदर्शिता रखें। इंटरनेट का सावधानी पूर्वक प्रयोग करें। दूसरों के मामलों में हस्तक्षेप न करें।

मकर — आज दिन का प्रारंभिक भाग बहुत अच्छा रहेगा। छोटी दूरी की यात्रा हो सकती है। रुके हुए कार्य दोबारा शुरू होने के योग बन रहे हैं। जॉब को लेकर स्थान-परिवर्तन हो सकता है। आप घरेलू कार्यों में व्यस्त रहेंगे।

कुंभ — आज अपनी गलत आदतों को सुधारने का प्रयास करें। जिद्दी स्वभाव के कारण आपके नजदीकी लोग नाराज हो सकते हैं। अपशब्दों का प्रयोग कम से कम करें। कारोबार में कठिनाई होगी। ज्यादा मेहनत के कारण मांसपेशियों में खिंचाव की समस्या होगी।

मीन — आज व्यवसाय में बड़ा धन लाभ होने की संभावना है। विपरीत लिंग के लोगों के प्रति आकर्षण बढ़ेगा। दैनिक दिनचर्या व्यवस्थित रहेगी। सहकर्मियों के प्रति अपना व्यवहार और सहयोग अच्छा रखें। घर का वातावरण सुखद रहेगा।

सुडोकू-173

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

	2							
				5				
		5		1				
								4
					6			
	1							
	4				3			
							6	

सुडोकू - 172 का हल

1	8	5	2	6	9	3	7	4
4	9	7	5	8	3	6	1	2
2	3	6	7	4	1	8	5	9
3	6	4	1	9	5	7	2	8
9	7	1	6	2	8	5	4	3
8	5	2	4	3	7	1	9	6
7	2	9	3	1	6	4	8	5
6	1	8	9	5	4	2	3	7
5	4	3	8	7	2	9	6	1

भारत को राष्ट्रमंडल खेलों के शताब्दी वर्ष 2030 खेलों की मेजबानी मिलने पर हर्षित हूं। देशवासियों और खेल तंत्र को बधाई । यह हमारी सामूहिक प्रतिबद्धता और खेलभावना है जिसने भारत को वैश्विक खेल मानचित्र पर मजबूती से रखा है।

-नरेंद्र मोदी

स्टेडियम

हल्द्वानी, गुरुवार ,27 नवंबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

असलांका की छिन सकती है कप्तानी

कोलंबो : श्रीलंका के कप्तान चरित असलांका का पाकिस्तान का दौरा बीच में छोड़ना देश के क्रिकेट बोर्ड को नागवार गुजरा है जिससे अगले साल के शुरू में होने वाले टी20 विश्व कप से पहले उनकी कप्तानी खतरे में पड़ गई है। उनकी जगह दासुन शनाका को कप्तान नियुक्त किया गया है। असलांका पाकिस्तान में द्विपक्षीय एकदिवसीय सीरीज में टीम की कप्तानी कर रहे थे। वह दौरा बीच में रद्द करने के पक्ष में थे और उन्होंने इस्लामाबाद में हुए आत्मघाती बम विस्फोट के बाद कथित तौर पर अपने कुछ साथियों को टूर्नामेंट से हटने और स्वदेश लौटने के लिए प्रोत्साहित किया था। यह बात श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) को रास नहीं आई और उसने कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी है।

चेल्सी ने बार्सिलोना को 3-0 से रौंदा

लंदन : टीम में बदलाव, गलतियों और रक्षात्मक चूक के कारण मैनचेस्टर सिटी और बार्सिलोना को चैंपियंस लीग फुटबॉल टूर्नामेंट में हार का सामना करना पड़ा। मैनचेस्टर सिटी कोच के रूप में पेप गार्डियोला के चैम्पियंस लीग में 100वें मैच में उनकी टीम बायर लेवरकुसेन से 2-0 से हार गई, जबकि बार्सिलोना को चेल्सी के खिलाफ 3-0 की हार में आत्मघाती गोल और रेड कार्ड का सामना करना पड़ा। गार्डियोला ने शनिवार को प्रीमियर लीग में न्यूकैसल से मिली हार के बाद अपनी शुरुआती लाइनअप में 10 बदलाव किए, जिसमें एर्लिंग हालैंड को बेंच पर रखा गया, लेकिन इसका विपरीत प्रभाव पड़ा। एलेजांद्रो ग्रिमाल्डो ने 23वें मिनट में लेवरकुसेन की तरफ से पहला और पैट्रिक स्किच ने 54वें मिनट में दूसरा गोल किया।

उप्र ने गोवा को छह विकेट से दी मात

कोलकाता : गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन के बाद आर्यन जुयाल (नाबाद 93) की विस्फोटक बल्लेबाजी के दम पर उत्तर प्रदेश ने बुधवार को सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी एलीट ग्रुप बी मुकाबले में गोवा को 10 गेंदे शेष रहते छह विकेट से हरा दिया। 173 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी उत्तर प्रदेश की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने पहले ही ओवर में कप्तान करण शर्मा (शून्य) का विकेट गंवा दिया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये बल्लेबाजी करने आये प्रियम गर्ग ने आर्यन जुयान के साथ पारी को संभाला और दूसरे विकेट के लिए 71 रन जोड़े। उत्तर प्रदेश ने 18.2 ओवर में चार विकेटपर 173 रन बनाकर मुकाबला छह विकेट से अपने नाम कर लिया।

अजलन शाह कप : भारत ने मलेशिया को हराया

इपोह : भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने सुल्तान अजलन शाह कप में बुधवार को मेजबान मलेशिया को 4-3 से हराया। भारत के लिये सेल्वम कार्ति (सातवां मिनट), सुखजीत सिंह (21वां), अमित रोहिदास (39वां) और संजय (53वां) ने गोल किया। वहीं फैजल सारी (13वां), फितरी सारी (36वां) और मरहान जलील (45वां) ने मलेशिया के लिये गोल दागे। भारत ने आक्रामक शुरूआत की और मेजबान को दबाव में ला दिया। भारत के लिये पहला गोल सातवें मिनट में सुखजीत सिंह के पास पर कार्ति ने किया। भारतीयों ने दबाव बनाये रखा लेकिन बीच में यशदीप सिवाच को गलती पर ग्रीन कार्ड और मलेशिया को पेनल्टी कॉर्नर मिला।

भारत की सबसे बड़ी हार, दक्षिण अफ्रीका ने 25 साल बाद फिर किया क्लीन स्वीप

गुवाहाटी टेस्ट में भारत को रिकॉर्ड 408 रनों से मिली मात, अपनी धरती पर तीसरी बार सूपड़ा साफ हुआ

गुवाहाटी, एजेंसी

ऑफ स्पिनर साइमन हार्मर ने कौशल और दृढ़ संकल्प की कमी वाले भारतीय बल्लेबाजों को फिर से दिन में तारे दिखाए जिससे दक्षिण अफ्रीका ने दूसरे और अंतिम टेस्ट मैच में 408 रन की रिकॉर्ड जीत दर्ज करके दो मैच की सीरीज में 2-0 से क्लीन स्वीप किया। यह हार भारत के टेस्ट इतिहास में एक और शर्मनाक अध्याय है क्योंकि रन के लिहाज़ से यह उसकी सबसे बड़ी हार है। यह तीसरा अवसर है जबकि किसी टीम ने भारत का उसकी धरती पर सूपड़ा साफ किया। इससे पहले दक्षिण अफ्रीका ने 2000 में 2-0 से जबकि पिछले साल न्यूजीलैंड ने 3-0 से सीरीज जीती थी।

इस पराजय से भारत की विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचने की उम्मीदों को भी करारा झटका लगा है। भारत के सामने 549 रन का असंभव लक्ष्य था और उसकी पूरी टीम मैच के पांचवें और अंतिम दिन 140 रन पर आउट हो गई। दक्षिण अफ्रीका ने अपनी पहली पारी में 489 रन बनाए थे जिसके जवाब में भारतीय टीम 201 रन पर आउट हो गई थी। दक्षिण अफ्रीका ने अपनी दूसरी पारी पांच विकेट पर 260 रन बनाकर समाप्त घोषित की थी। मुख्य कोच गौतम गंभीर के नेतृत्व में, भारत अब तक घरेलू मैदान पर न्यूज़ीलैंड और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पांच टेस्ट हार चुका है।

ट्रॉफी के साथ जश्न मनाते दक्षिण अफ्रीकी टीम के खिलाड़ी। एजेंसी

पिछले 66 वर्षों में यह पहला अवसर है जबकि भारतीय टीम सात महीनों के अंतराल में पांच टेस्ट हार गई। भारत की तरफ से रविंद्र जडेजा ही कुछ संघर्ष कर पाए। उन्होंने 87 गेंदों में 54 रन बनाए। हार्मर ने पिच मुझे मिल रहे उछाल और टर्न का पूरा फायदा उठाकर अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 37 रन देकर छह विकेट तथा मैच में कुल नौ विकेट लिए।

एडेन मार्करम ने नौ कैच लेकर एक टेस्ट मैच में सर्वाधिक कैच का रिकॉर्ड बनाया। उन्होंने भारत के अजिंक्य रहाणे के 2015 में लिए गए आठ कैच के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा। भारत ने सुबह दो विकेट पर 27 रन से अपनी पारी आगे बढ़ाई जिसके बाद हार्मर ने अपने टर्न और उछाल से भारतीय बल्लेबाजों को परेशान किया। उन्होंने पहले सत्र में नाइटवॉचमैन कुलदीप यादव (05), ध्रुव जुरेल (02) और कप्तान ऋषभ पंत (13) को पवेलियन की राह दिखाई। बारसापारा की पिच हाल के समय में उपलब्ध कराई गई सर्वश्रेष्ठ भारतीय पिचों में से एक थी, जिसमें उचित तकनीक और अभ्यास से बल्लेबाज रन बनाने में सक्षम थे। इस पिच पर अपनी लेंथ को जानने वाले तेज गेंदबाजों ने अच्छा प्रदर्शन किया। हार्मर ने सुबह के सत्र में आधे घंटे की कड़ी मेहनत के बाद कुलदीप के डिफेंस में सेंध लगाई और फिर इसी ओवर में जुरेल को भी पवेलियन की राह दिखाई। जुरेल ने पहली स्लिप में खड़े मार्क्रम को कैच का अभ्यास कराया। पंत ने केशव महाराज पर छक्का लगाया लेकिन हार्मर की उछाल लेती एक गेंद उनके बल्ले को चूमती हुई स्लिप में मार्क्रम के सुरक्षित हाथों में चली गई। साई सुदर्शन ने 139 गेंदों में 14 रन बनाए लेकिन वह छह बार आउट होने से बचे थे और ऐसा लग रहा था कि वह हर गेंद पर आउट हो जाएंगे। भारत के अन्य बल्लेबाज नीतीश कुमार रेड्डी और वाशिंगटन सुंदर भी स्पिनरों के सामने बगलें झांकते हुए नजर आए। कोलकाता में पहला टेस्ट मैच 30 रन से गंवाने वाली भारतीय टीम की तैयारी में कमी स्पष्ट नजर आ रही थी।

स्कोर बोर्ड

दक्षिण अफ्रीका पहली पारी : 489 रन

भारत पहली पारी : 201 रन

दक्षिण अफ्रीका दूसरी पारी : 260/5

भारत

140/10 (दूसरी पारी) (63.5 ओवर)

यशस्वी का वेरेन्ने बो यानसेन	13
केएल राहुल बो हार्मर	06
साइ सुदर्शन नाबाद	14
कुलदीप यादव बो हार्मर	05
ध्रुव जुरेल का माक्ररम बो हार्मर	02
ऋषभ पंत का माक्ररम बो हार्मर	13
जडेजा स्ट वेरेन्ने बो महाराज	54
सुंदर का माक्ररम बो हार्मर	16
नीतिश रेड्डी का वेरेन्ने बो हार्मर	00
जसप्रीत बुमराह नाबाद	01
सिराज का यानसेन बो महाराज	00

गेंदबाजी : यानसेन 15-7-23-1, मुल्डर 4-1-6-0, हार्मर 23-6-37-6, महाराज 12.5-1-37-2, मार्करम 2-0-2-0, मुथुसामी 7-1-21-1

रवींद्र जडेजा के स्टंप आउट होने के साथ ही भारत की उम्मीदें भी टूट गईं। एजेंसी

हमें बेहतर बनने की जरूरत है : ऋषभ पंत

गुवाहाटी, एजेंसी

- बोले-आप क्रिकेट को हल्के में नहीं ले सकते

कार्यवाहक कप्तान ऋषभ पंत ने बुधवार को स्वीकार किया कि भारत को टेस्ट टीम के रूप में बेहतर बनने की जरूरत है और कहा कि सिर्फ घरेलू हालात में खेलने से नतीजों को हल्के में नहीं लिया जा सकता। दक्षिण अफ्रीका ने यहां दूसरे टेस्ट मैच में भारत को 408 रन से हराकर शृंखला में 2-0 से क्लीन स्वीप किया।

पंत ने मैच के बाद कहा यह थोड़ा निराशाजनक है। एक टीम के तौर पर हमें बेहतर प्रदर्शन करना होगा। हमें विरोधी टीम को श्रेय देना होगा। उन्होंने पूरी शृंखला में दबदबा बनाया लेकिन घरेलू धरती पर खेलने से आप क्रिकेट को हल्के से नहीं ले सकते हैं। पंत ने कहा कि भारत को इस शृंखला से सीख लेनी होगी और भविष्य में बेहतर प्रदर्शन करना होगा। उन्होंने कहा हमें इससे सीख लेकर एक टीम के रूप में आगे बढ़ना होगा। हमें अपनी मानसिकता स्पष्ट रखनी होगी। हमें इससे सीखना होगा और बेहतर बनना होगा। इस विकेटकीपर-बल्लेबाज ने स्वीकार किया कि दक्षिण अफ्रीका ने पूरी शृंखला में बेहतर क्रिकेट खेली।

यह बहुत बड़ी उपलब्धि है : तेम्बा बावुमा

दक्षिण अफ्रीका के कप्तान तेम्बा बावुमा शृंखला में जीत से खुश हैं। उन्होंने कहा यह बहुत बड़ी उपलब्धि है। आप हर समय भारत में आकर शृंखला नहीं जीत सकते। एक टीम के रूप में हमने भी खराब दिन देखे हैं और ऐसे में पूरा श्रेय खिलाड़ियों को जाता है। हम जैसा करना चाहते हैं उसको लेकर हमारी सोच में बड़ा बदलाव आया है। हमारी तैयारी शानदार थी और हमारे खिलाड़ी अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए मैदान पर उतरते हैं। ऑफ स्पिनर साइमन हार्मर को शृंखला का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया और उन्होंने कहा कि वह यहां से सुखद यादें लेकर जाएंगे। उन्होंने कहा जैसा कि मैंने पिछले टेस्ट में कहा था, यह एक लंबा सफ़र रहा है। मैं 10 साल बाद भारत में खेल रहा था और यह बिल्कुल एक अलग तरह का एहसास है। मैं यहां से सुखद यादें लेकर जाऊंगा। भारतीय टीम वास्तव में बहुत अच्छी है और उसे हराना बड़ी उपलब्धि है।

मेरे भविष्य का फैसला बीसीसीआई के हाथ में : गंभीर

गुवाहाटी, एजेंसी

- बोले-लेकिन मेरी सफलताओं को मत भूलना

लोचनाओं से घिरे भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने बुधवार को कहा कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट शृंखला में मिली करारी हार के बाद उनके भविष्य पर फैसला भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) को करना है लेकिन इसके साथ ही उन्होंने याद दिलाया कि उनके कार्यकाल में टीम ने कितनी सफलता हासिल की है। गंभीर बुधवार को यहां दूसरे टेस्ट मैच में दक्षिण अफ्रीका के हाथों 408 रन से मिली शर्मनाक हार के बाद बोल रहे थे, जिससे मेहमान टीम ने शृंखला 2-0 से अपने नाम कर ली।

गंभीर ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा मेरे भविष्य का फैसला बीसीसीआई को करना है। मैने अपनी पहली प्रेस कांफ्रेंस में भी कहा था जब मैं मुख्य कोच बना था । भारतीय क्रिकेट अहम है, मैं नहीं । आज भी मैं वही बात कह रहा हूं । उन्होंने कहा लोग भूल

जाते हैं लेकिन मैं वही व्यक्ति हूं जिसने युवा टीम के साथ इंग्लैंड में आपको अनुकूल परिणाम दिलाए । मुझे यकीन है कि आप जल्दी ही भूल जाओगे क्योंकि अधिकांश लोग न्यूजीलैंड (पिछले महीने भारत में 0.3 से मिली हार) के बारे में बात करते रहते हैं । मैने चैम्पियंस ट्रॉफी और एशिया कप में भी जीत दिलाई है ।

गंभीर ने दक्षिण अफ्रीका से 0-2 से मिली हार के बाद अपनी पहली प्रतिक्रिया में कहा दोष सभी का है और इसकी शुरुआत मुझसे होती है। हमें बेहतर खेल दिखाना होगा। पहली पारी में एक समय हमारा स्कोर एक विकेट पर 95 रन था जो सात विकेट पर 122 रन हो गया। यह स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने कहा आप किसी एक व्यक्ति या किसी ख़ास शॉट को दोष नहीं दे सकते। दोष सबका है। मैंने कभी किसी एक व्यक्ति को दोष नहीं दिया और आगे भी ऐसा नहीं करूंगा। हमें बेहतर खेलना होगा । एक विकेट पर 95 रन से सात विकेट पर 122 रन स्वीकार्य नहीं है। गंभीर के कोच रहते भारत ने 18 टेस्ट मैचों में से 10 में हार का सामना किया है, जिसमें पिछले साल न्यूजीलैंड के खिलाफ और अब दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू मैदान पर मिली हार भी शामिल है। गुवाहाटी में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारत की हार टेस्ट क्रिकेट में रनों के लिहाज से उसकी सबसे बड़ी हार है। उन्होंने कहा टेस्ट क्रिकेट खेलने के लिए आपको बेहद तेज़तर्रार और प्रतिभाशाली क्रिकेटरों की ज़रूरत नहीं है।

भारत ने जीता एक रजत और एक कांस्य पदक

नई दिल्ली : भारतीय टेबल टेनिस खिलाड़ियों ने रोमानिया में आयोजित आईटीटीएफ विश्व युवा चैम्पियनशिप में दमदार पदार्पण करते हुए अंडर -19 लड़कों और अंडर -15 लड़कियों की टीम स्पर्धाओं में क्रमशः एक रजत और एक कांस्य पदक अपने नाम किया।

अंडर -19 लड़कों की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चीनी ताइपे को 3-2 से हराकर फाइनल में जगह बनाई लेकिन उन्हें जापान से 0-3 से हार का सामना कर दूसरे स्थान से संतोष करना पड़ा। अंकुर भट्टाचार्य ने रयूसेई कावाकामी को कड़ी चुनौती दी , लेकिन 17-15, 6-11, 12-10, 4-11, 11-13 से हार गए। जापान के कजाकी योशियामा ने अभिनंद को 11-7, 11-8, 11-6 से हराया। फिर तामितो ने प्रणुज भट्टाचार्य को 11-9, 11-7, 11-3 से मात देकर जापान को स्वर्ण पदक दिलाया। अंडर -15 लड़कियों की टीम ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए सेमीफाइनल तक पहुंचकर कांस्य हासिल किया। टीम ने क्वार्टरफाइनल में जर्मनी को 3-1 से हराया।

डब्ल्यूटीसी तालिका में 5वें स्थान पर खिसका भारत

नई दिल्ली, एजेंसी

- दक्षिण अफ्रीका से हार के बाद हुआ नुकसान

दक्षिण अफ्रीका से दोनों टेस्ट मैच में हार झेलने के बाद भारत विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) तालिका में पांचवें स्थान पर खिसक गया है जिससे उसकी फाइनल में पहुंचने की संभावनाओं को करारा झटका लगा है।

बुधवार को गुवाहाटी में दूसरे टेस्ट में 408 रन से मिली हार, पारंपरिक पांच दिवसीय प्रारूप में रनों के लिहाज से भारत की सबसे बड़ी हार है। इस साल के शुरू में इंग्लैंड में शृंखला बराबर करने वाली भारतीय टीम दक्षिण अफ्रीका से मिली हार के बाद पाकिस्तान से नीचे पांचवें स्थान पर खिसक गई है और उसका पीसीटी (प्रतिशत) 48.15 पर आ गया है। भारत ने मौजूदा विश्व टेस्ट चैंपियनशिप चक्र में नौ टेस्ट मैच खेले हैं, जिनमें से चार जीते, चार हारे और एक ड्रॉ रहा। भारतीय टीम अब अगले साल अगस्त में दो टेस्ट मैच की सीरीज के लिए श्रीलंका का दौरा करेगी और उसके बाद अक्टूबर-नवंबर में न्यूज़ीलैंड

के खिलाफ शृंखला खेलेगी। दूसरी तरफ भारत में 25 वर्ष में पहली टेस्ट शृंखला जीतने वाले दक्षिण अफ्रीका ने तालिका में अपनी स्थिति मजबूत कर ली है। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का मौजूदा चैंपियन दक्षिण अफ्रीका चार टेस्ट मैचों में 36 अंकों के साथ शीर्ष पर चल रहे ऑस्ट्रेलिया के ठीक पीछे दूसरे स्थान पर है। उसका पीसीटी 66.67 से बढ़कर 75 हो गया है।न्यूजीलैंड ने अभी तक मौजूदा चक्र में एक भी शृंखला नहीं खेली है, जबकि श्रीलंका और पाकिस्तान ने एक-एक सीरीज खेली है। शीर्ष पर रहने वाली दो टीमें 2027 में होने वाले फाइनल के लिए क्वालीफाई करेंगी।

सोचा नहीं था कि भारत वापस आऊंगा : हार्मर

गुवाहाटी : साइमन हार्मर ने 2017 में इंग्लिश काउंटी टीम एसेक्स की ओर से खेलने के लिए 'कोलपैक' करार पर हस्ताक्षर किया था तब उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के लिए टेस्ट मैच खेलने की उम्मीद छोड़ दी थी। इस ऑफ स्पिनर के लिए भारत में 2015 में औसत प्रदर्शन के बाद इस देश में एक और टेस्ट मैच खेलने की उनकी संभावना धूमिल हो गयी थी।

हार्मर ने भारत के मौजूदा दौरे पर अपने शानदार प्रदर्शन से टीम को दो मैचों की सीरीज में 2-0 की जीत दिलाने में अहम योगदान दिया। हार्मर ने दूसरे टेस्ट में 408 रन की बड़ी जीत दर्ज करने के बाद बुधवार को कहा लाखों सालों में भी नहीं (भारत में 2015 के बाद दोबारा खेलने के बारे में) और इसलिए यह अवास्तविक लगता है। कोलपैक समझौता यूरोपीय न्यायालय का एक फैसला था जिसने दक्षिण अफ्रीका जैसे यूरोपीय संघ समझौते वाले देशों के नागरिकों को यूरोपीय संघ के किसी भी देश में वहां के नागरिक के समान अधिकारों के साथ काम करने की अनुमति दी थी।

शीर्ष वरीयता प्राप्त उन्नति अगले दौर में

लखनऊ, एजेंसी

- पूर्व चैंपियन श्रीकांत सैयद मोदी इंटरनेशनल में आगे बढ़े

शीर्ष वरीयता प्राप्त उन्नति हुड्डा और सीनियर खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत और एच एस प्रणय बुधवार को आसान जीत दर्ज करते हुए भारत के कई अन्य खिलाड़ियों के साथ सैयद मोदी अंतर्राष्ट्रीय सुपर 300 टूर्नामेंट के दूसरे दौर में पहुंचने में सफल रहे।

हुड्डा ने हमवतन आकर्षि कश्यप को 21-13, 21-18 से हराया जबकि इस साल की शुरुआत में मलेशिया मास्टर्स के फाइनल में पहुंचने वाले श्रीकांत ने दमदार प्रदर्शन करते हुए बाबू बनारसी दास इंडोर स्टेडियम में कविन थंगम को 21-13, 21-10 से शिकस्त दी। वहीं 2023 विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता प्रणय ने शाश्वत दलाल को पराजित किया। अब उनका सामना हमवतन मनराज सिंह से होगा। मिथुन

महिला सिंगल्स के दौरान शॉट लगातीं भारत की उन्नति हुड्डा। एजेंसी

मंजूनाथ को दिमित्रि पनारिन को 21-18 12-21 21-10 से हराने में मशक्कत करनी पड़ी जबकि छठे वरीय तरूण मानेपल्ली ने सतीश करूणाकरन को 21-7 21-9 से हराया। मंजूनाथ अब दूसरे दौर में मानेपल्ली के सामने होंगे। भारत के अन्य खिलाड़ियों में सातवीं वरीयता प्राप्त रक्षिता श्री संतोष रामराज ने महिला एकल में श्रेया लेले पर 21-12, 21-14 से जीत के साथ आगाज किया।

किरण जॉर्ज ने भी पुरुष एकल वर्ग में इजराइल के डेनियल डुबोवेंको को 21-17, 21-9 से हराकर आगे बढ़े और अब उनका सामना हांगकांग के जेसन गुनावान से होगा। घुटने की चोट से उबरने के बाद पांच महीने में अपना पहला मैच खेल रहे प्रियांशु राजावत ने मीराबा लुवांग मैसनाम को 21-18, 21-14 से हराकर दूसरे दौर में जगह बनाई, जहां उनका सामना एक अन्य भारतीय बीएम राहुल भारद्वाज से होगा।

भारद्वाज ने हमवतन तरुण रेड्डी कटम को 18-21, 21-16, 23-21 से हराया। अलाप मिश्रा, सिद्धांत गुप्ता पुरुष एकल के दूसरे दौर में पहुंच गए, जबकि देविका सिहाग, मानसी सिंह, इशारानी बरुआ, तान्या हेमंत और अनुपमा भी आगे बढ़े। मिश्रित युगल वर्ग में विश्व जूनियर पदक विजेताओं के बीच हुए मुकाबले में सी लालरामसांगा और तारिणी सूरी की जोड़ी ने भव्या छाबड़ा और विशाखा टोप्पो को 25-23, 21-14 से हराया।

खेलमंत्री ने जताया हर्ष

अहमदाबाद में वर्ष 2030 में होगा आयोजन

राष्ट्रमंडल खेल की मेजबानी मिलना गर्व की बात

नई दिल्ली, एजेंसी

अहमदाबाद को राष्ट्रमंडल खेल 2030 का मेजबान चुने जाने को देश के लिये गर्व का पल बताते हुए खेलमंत्री मनसुख मांडविया ने बुधवार को कहा कि भारत 2047 तक खेलों में दुनिया के शीर्ष पांच देशों में अपना नाम दर्ज कराना चाहता है ।

ग्लासगो में राष्ट्रमंडल खेलों की आम सभा के दौरान अहमदाबाद को 2030 खेलों की मेजबानी के अधिकार औपचारिक रूप से प्रदान किए गए जिससे दो दशकों के बाद इस आयोजन के भारत में वापसी का रास्ता साफ हो गया। राष्ट्रमंडल खेलों के सौ साल भी इस अवसर पर पूरे होंगे जो पहली बार 1930 में कनाडा में आयोजित

हुए थे। मांडविया ने मेजर ध्यानचंद नेशनल स्टेडियम पर हरे पटाखों से आतिशबाजी और लेजर शो के बीच कहा राष्ट्रमंडल खेलों के सौवे साल में इन खेलों का आयोजन भारत में होना हमारे लिये गौरव की बात है। राष्ट्रमंडल खेल परिषद के लिये ये खेल बहुत महत्वपूर्ण है और इनके भारत में आयोजन की मुझे खुशी भी है और गर्व भी। उन्होंने कहा मोदी जी के नेतृत्व में देश बदल रहा है । पिछले एक दशक में खेलों में देश के अलग अलग 18 से अधिक शहरों में 22 से अधिक बड़े टूर्नामेंटों का आयोजन किया गया । कुछ दिन पहले ही मुक्केबाजी विश्व कप, पैरा एथलेटिक्स विश्व चैम्पियनशिप, हॉकी विश्व कप का आयोजन हुआ ।यह दर्शा रहा है कि यह देश बड़े टूर्नामेंटों के आयोजन के लिये तैयार है। उन्होंने यह भी कहा कि भारत को 2029 विश्व पुलिस खेलों की मेजबानी का अवसर मिलना भी गर्व की बात है । उन्होंने कहा भारत 2036 ओलंपिक खेलों की मेजबानी का इच्छुक है । हम पदक तालिका में भी लगातार आगे बढते जा रहे हैं । खेलों भारत नीति और खेल प्रशासन अधिनियम उसमें मजबूती प्रदान कर रहा है ।

10 साल के लिए खेल नीति तैयार

मांडविया ने कहा कि सरकार का दीर्घकालिन लक्ष्य भारत को 2047 में आजादी के सौवें साल में खेलों में शीर्ष पांच देशों में लाना है। आने वाले दस साल के लिये हमने दीर्घकालिन नीति तैयार की है जिसके तहत काम चल रहा है । मुझे यकीन है कि भारत अगले दस साल में शीर्ष दस खेल देशों में स्थान हासिल करेगा और 2047 में जब देश आजादी का शताब्दी वर्ष मनायेगा ,तब हम दुनिया के शीर्ष पांच खेल देशों में होंगे। ऐसे बड़े खेलों के आयोजन से देश के युवा खिलाड़ियों को मौका मिलता है। देश का खेलों में प्रदर्शन दिखता है। भारत की उभरती हुई खेल ताकत को हम 2030 में देख पायेंगे।